प.बंगाल की मुख्यमंत्री बोलीं- आज मतदान का अधिकार छीन रहे, कल नागरिकता भी छीन लेंगे - 7

घरों में रखे सोने को वित्तीय प्रणाली में लाना चाहिए - 10

विश्व के 50 शीर्ष शिक्षण संस्थानों में देश के छह संस्थान शामिल - 11

लखनऊ सुपर जायंट्स को ट्रॉफी जीतने पर ही मिलेगा असली सम्मान: संजीव गोयनका - 12

आज का मौसम 34.0° अधिकतम तापमान 21.0° न्यूनतम तापमान सूर्योदय 06.10 सूर्यास्त 06.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष अष्टमी 11:49 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2083

गुरुवार, 26 मार्च 2026, वर्ष 36, अंक 47, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

पीएनजी कनेक्शन लेने से इन्कार किया तो बंद होगी एलपीजी आपूर्ति

- केंद्र सरकार ने जारी किया आदेश, जहां पीएनजी आपूर्ति नहीं वहीं मिलेगा सिलेंडर मगर लेनी होगी एनओसी

नई दिल्ली, एजेंसी

पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की सुविधा उपलब्ध होने पर भी इसका कनेक्शन न लेने वालों की घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति तीन महीनों के अंदर बंद कर दी जाएगी। सरकार ने गैस नेटवर्क के विस्तार को तेज करने और एक ही ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए कदम उठाते हुए यह आदेश जारी किया है।

पश्चिम एशिया संकट के कारण देश में एलपीजी की कमी के बीच सरकार पीएनजी अपनाने को बढ़ावा दे रही है। इसी को लेकर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 'प्राकृतिक गैस तथा पेट्रोलियम उत्पाद वितरण (पाइपलाइन बिछाने, निर्माण, संचालन व विस्तार तथा अन्य सुविधाएं) आदेश, 2026' अधिसूचित किया है, जिसका उद्देश्य पाइपलाइन अवसंरचना के विकास में तेजी लाना, मंजूरियों को आसान बनाना तथा एलपीजी से पीएनजी की ओर बदलाव को बढ़ावा देकर ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना है। आदेश में कहा गया है कि यदि पीएनजी उपलब्ध होने के बावजूद कोई परिवार इसे नहीं अपनाता है तो तीन महीने बाद एलपीजी की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी।

एलपीजी संकट के खिलाफ विपक्ष ने संसद के बाहर प्रदर्शन किया।

पाइप लाइन बिछाने से नहीं कर सकेंगे इन्कार

आदेश के मुताबिक तेजी से क्रियान्वयन के लिए सार्वजनिक प्राधिकरणों को निर्धारित समयसीमा के भीतर अनुमतियां देनी होंगी, अन्यथा उन्हें स्वीकृत माना जाएगा। मंजूरी मिलने के चार महीने के भीतर पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू न करने पर अधिकृत इकाइयों पर दंडात्मक कार्रवाई होगी।

डीजल-पेट्रोल की कोई कमी नहीं: पेट्रोलियम कंपनियां

सरकारी तेल कंपनी आईओसी और बीपीसीएल ने अपील जारी की है कि देश में पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। इसलिए लोग सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर भरोसा कर घबराहट में ईंधन खरीदने से बचें। आईओसी) ने कहा, उसके पेट्रोल पंप पर्याप्त ईंधन से भरे हैं और चालू हैं। बीपीसीएल ने भी ईंधन की कमी की खबरों को पूरी तरह निराधार बताया है।

चेतावनी: गैस-एलपीजी शुल्क न वसूल करें होटल-रेस्तरां

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने होटल और रेस्तरांओं को चेतावनी दी कि वे एलपीजी शुल्क और ईंधन लागत वसूली जैसे अतिरिक्त शुल्क न लगाएं। अनुचित व्यापार गतिविधियों के ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण ने होटलों और रेस्तरांओं में बिलों में एलपीजी शुल्क, गैस अधिभार और ईंधन लागत जैसे अतिरिक्त शुल्क लगाने की शिकायतों यह आदेश जारी किया है।

उज्ज्वला के नियमों में कोई बदलाव नहीं, सरकार ने किया साफ

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि उज्ज्वला लाभार्थियों के लिए सिलेंडर रिफिल बुकिंग का कोई अलग प्रावधान नहीं किया गया है। मंत्रालय ने उन खबरों का खंडन किया है जिनमें कहा गया था कि शहरी क्षेत्रों में उज्ज्वला लाभार्थी 45 दिन बाद ही अगला एलपीजी सिलेंडर बुक करा सकेंगे। मंत्रालय ने कहा, एलपीजी रिफिल बुकिंग की सिर्फ दो समय सीमा हैं। एक, शहरी क्षेत्रों में 25 दिन बाद और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन बाद।

कच्चे तेल में नरमी

सेंसेक्स में 1,205 अंकों का उछाल

मुंबई। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद के बीच वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 5 .07 प्रतिशत टूटकर 99 .19 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आने से स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 1,205 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 394 अंक के लाभ में रहा। सेंसेक्स एक समय 1,781 .31 अंक चढ़कर 75,849 .76 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, टाइटन, इंटरग्लोब एविएशन और ट्रेंट आदि कंपनियां प्रमुख रूप से लाभ में रहीं।

चांदी 11,250 रुपये उछली : चांदी की कीमत 11,250 रुपये यानी 4 .89 प्रतिशत बढ़कर सभी करों सहित 2,41,250 रुपये किलो हो गई, जो मंगलवार के बंद भाव 2,30,000 रुपये किलो से अधिक है।

सोना भी 4,900 रुपये चढ़ा : सोने की कीमत 4,900 रुपये यानी 3 .38 प्रतिशत बढ़कर सभी करों सहित 1,49,700 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। पिछला बंद भाव 1,44,800 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

ईरान ने ट्रंप के दावों की धज्जियां उड़ाईं युद्धविराम के प्रस्ताव को खारिज किया

शर्तों की जंग: ट्रंप का मखौल उड़ाया, युद्ध क्षतिपूर्ति और होर्मुज पर संप्रभुता की मांग की

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी

ईरान ने बुधवार को पश्चिम एशिया में युद्धविराम के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता से भेजे गए अमेरिका के 15 सूत्री प्रस्ताव को खारिज कर दिया, साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति का मजाक उड़ाते हुए अपने प्रस्ताव में देश में हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति और हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर संप्रभुता की मांग रखी है। ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान परमाणु हथियार न रखने और हॉर्मुज खोलने पर सहमत हो गया है।

ईरान की सेना ने अमेरिका के साथ कोई बातचीत होने से भी इन्कार किया है। ईरान के संयुक्त सैन्य कमान के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फगारी ने ट्रंप के दावों का मजाक उड़ाया और कहा, क्या आपके आंतरिक संघर्ष का स्तर उस चरण तक पहुंच गया है जहां आप खुद से बातचीत कर रहे हैं। हमारे जैसे लोग आप जैसे लोगों के साथ कभी नहीं रह सकते, हमारे जैसा कोई भी आपके साथ सौदा नहीं करेगा। अभी नहीं... कभी नहीं। इस बीच एक अधिकारी ने कहा कि ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखने की वकालत कर रहे इजराइली अधिकारी अमेरिका द्वारा युद्धविराम योजना सौंपे जाने से हैरान हैं।

ईरान के ड्रोन हमले के बाद कुवैत अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के ईंधन टैंक में भीषण आग लग गई।

ट्रंप को दो टूक... हार को समझौते का नाम मत दीजिए

ईरानी सैन्य प्रवक्ता जुल्फाघारी ने ट्रंप की शर्तों के जवाब में कहा, जिस रणनीतिक ताकत की बात आप किया करते थे, वह अब रणनीतिक विफलता में बदल गई है। जो देश खुद को वैश्विक महाशक्ति कहता है, अगर संभव होता तो वह इस संकट से अब तक निकल चुका होता। अपनी हार को समझौते का नाम मत दीजिए। खोखले वादों का आपका दौर अब समाप्त हो चुका है।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा, हद पार कर चुका युद्ध, तुरंत बंद करें

इस बीच, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनी गुटारेस ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से जुड़े विभिन्न गुटों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि लड़ाई उन सीमाओं को पार कर चुकी है, जिनकी कल्पना नेताओं ने भी नहीं की थी। उन्होंने अमेरिका और इजराइल से ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने का आग्रह किया। गुतारेस ने ईरान से खाड़ी देशों पर हमले रोकने का आह्वान करते हुए कहा, यह हद से ज्यादा हो गया है।

जवाब.. ईरान के हमले जारी, कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भीषण आग

- इजराइल ने ईरान के सरकारी बुनियादी ढांचों को बनाया निशाना

दुबई। युद्ध विराम के प्रस्ताव के जवाब में ईरान ने बुधवार को भी इजराइल और खाड़ी अरब देशों पर हमले जारी रखे। कुवैत के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई। ईरान ने दूसरे पड़ोसी खाड़ी देशों पर भी दबाव बनाए रखा। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने ईरान की ओर से अपने तेल-समृद्ध पूर्वी प्रांत में दागे गए आठ ड्रोन नष्ट कर दिए हैं। बहरीन में मिसाइल हमले के अलर्ट संबंधी सायरन सुनाई दिए। कुवैत ने कहा, उसने ईरान के कई ड्रोन मार गिराए, लेकिन उनमें से एक कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ईंधन टैंक से टकरा गया, जिससे भीषण आग लग गई। इस बीच इजराइली सेना ने घोषणा की कि उसने बुधवार तड़के ईरान में सरकारी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए व्यापक पैमाने पर फिर से हमले शुरू कर दिए हैं।

अमेरिका ने युद्ध क्षेत्र में तैनाती बढ़ाई

इस बीच, अमेरिका की सेना 82वीं 'एयरबोर्न डिवीजन' से 1,000 और सैनिकों को तैनात करने की तैयारी कर रही है ताकि क्षेत्र में पहले से मौजूद करीब 50,000 सैनिकों को और बल मिल सके। पेंटागन दो मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट की भी तैनाती कर रहा है जिसके तहत क्षेत्र में करीब 5,000 मरीन एवं नौसेना के हजारों अन्य कर्मी और तैनात किए जाएंगे।

हम पाकिस्तान की तरह दलाल राष्ट्र नहीं : केंद्र

- सर्वदलीय बैठक में बोले जयशंकर कहा- पाकिस्तान का अमेरिका 1981 से कर रहा इस्तेमाल

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने बुधवार को सर्वदलीय बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत में पश्चिम एशिया में युद्ध जल्द खत्म होने पर जोर दिया है। सूत्रों के मुताबिक विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष में मध्यस्थता के संदर्भ में पाकिस्तान को 'दलाल' राष्ट्र करार दिया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बैठक में यह भी कहा कि पाकिस्तान के मध्यस्थता प्रयासों में कुछ भी नया नहीं है क्योंकि उस देश को 1981 से अमेरिका इस्तेमाल कर रहा है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा के लिए संसद परिसर में बुलाई गई बैठक में विपक्ष ने केंद्र की भूमिका पर सवाल उठाए। सूत्रों के अनुसार, सरकार ने विपक्ष के इस आरोप का खंडन किया कि भारत सरकार इस मामले पर चुप है। कहा, हम टिप्पणी कर रहे हैं और जवाब दे रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने पर जल्द शोक व्यक्त न करके नैतिक कमजोरी दिखाई है। सरकार ने कहा, जब ईरान दूतावास खोला गया तो विदेश सचिव ने तुरंत वहां जाकर शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए।

बैठक से निकलते रक्षामंत्री राजनाथ सिंह।

पाकिस्तान मध्यस्थ हम मूकदर्शक: विपक्ष

बैठक के बाद विपक्ष ने यह मांग फिर दोहराई कि लोकसभा में नियम 193 और राज्यसभा में नियम 176 के तहत पश्चिम एशिया संकट को लेकर चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने कहा, बहुत सारे मुद्दे थे, जिन पर सरकार का जवाब संतोषजनक नहीं था। कहा, पाकिस्तान जो हमसे हर तरह से कमजोर है, वो मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है और हम मूकदर्शक बने हुए हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में पश्चिम एशिया संकट पर पर्याप्त जानकारी दी गई।

ब्रीफ न्यूज

महादेव एप: ईडी ने 1,700 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। ईडी ने अवैध महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एप के मुख्य प्रवर्तकों में एक सौरभ चंद्राकर से जुड़े संगठनों की दुबई स्थित 1,700 करोड़ की अचल संपत्ति जब्त की। एजेंसी ने पहले बताया था कि मामले में छत्तीसगढ़ के कई बड़े राजनेता और नौकरशाह शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि रायपुर स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय ने पीएमएलए के तहत एक अंतरिम आदेश जारी कर दुबई में बुर्ज खलीफा में कुछ संपत्तियों सहित कई विला और महंगे घरों को कुर्क करने का आदेश दिया है।

अग्निवीरों को उत्तराखंड वीर उद्यमी योजना में आरक्षण

देहरादून। विस्तार के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आयोजित पहली कैबिनेट बैठक में राज्य के समग्र विकास और जनकल्याण को ध्यान में रखते हुए 15 महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि, इन फैसलों से किसानों, युवाओं, पूर्व सैनिकों, कर्मचारियों एवं आमजन को सीधा लाभ मिलेगा। उद्योग विभाग द्वारा प्रस्तावित नई योजना उत्तराखंड वीर उद्यमी योजना 2026 (मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना) में पूर्व सैनिकों एवं अग्निवीरों के लिए 10% आरक्षण और 5% अतिरिक्त सब्सिडी का प्रावधान किया गया है।

निलंबित किए गए जल निगम के 12 इंजीनियर

- जल जीवन मिशन में लापरवाही पर 26 इंजीनियरों-कर्मचारियों पर गाज
- चार के खिलाफ विभागीय जांच, तीन को नोटिस और सात के तबादले

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती के बाद प्रदेश में जल जीवन मिशन के कार्यों में लापरवाही को लेकर 26 इंजीनियरों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। सरकार ने 12 इंजीनियरों को निलंबित कर दिया है, जबकि चार के खिलाफ विभागीय जांच, तीन को कारण बताओ नोटिस और सात इंजीनियरों के तबादले कर दिए हैं।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव के निर्देश पर यह कार्रवाई हुई। विभाग के अनुसार जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक नल से जल पहुंचाने के कार्य में देरी, लापरवाही और शिकायतों के आधार पर यह कदम उठाया गया है। हाल के समय में यह जल निगम कर्मियों के खिलाफ सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा है कि यदि संबंधित अधिकारी अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं करते हैं तो बर्खास्तगी तक की जाएगी। सरकार ने दोहराया है कि जल जीवन मिशन को मिशन मोड में आगे बढ़ाया जा रहा है और इसमें पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा।

इन इंजीनियरों को किया गया निलंबित

लखीमपुर खीरी के अधिशासी अभियंता अविनाश गुप्ता, जौनपुर के अधिशासी अभियंता सौमित्र श्रीवास्तव, गाजीपुर के अधिशासी अभियंता मो. कासिम हाशमी, चंदौली के कार्यवाहक अधिशासी अभियंता अमित राजपूत, चंदौली के सहायक अभियंता सीताराम यादव, बिजनौर के सहायक अभियंता अकबर हसन, औरैया के जेई अनुराग गोयल, हाथरस के जेई कुलदीप कुमार सिंह, आजमगढ़ के जेई राजेन्द्र कुमार यादव, बरेली के जेई रूप चन्द्र, बाराबंकी के जेई अवनीश प्रताप सिंह और कुशीनगर के कार्यवाहक खंडीय लेखाकार धर्मप्रकाश महेश्वरी।

इन पर बैठी विभागीय जांच : औरैया के अधिशासी अभियंता अमन यादव. मैनपुरी के अधिशासी अभियंता अंकित यादव, प्रयागराज के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुट्टी और शामली के कार्यवाहक अधिशासी अभियंता फूल सिंह यादव।

इन्हें कारण बताओ नोटिस : गाजियाबाद के अधिशासी अभियंता भारत भूषण, आगरा के अधिशासी अभियंता अमित कुमार, मिर्जापुर के अधिशासी अभियंता राजेश कुमार गुप्ता।

योगी सरकार का बड़ा फैसला रामनवमी पर दो दिन अवकाश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सरकार ने रामनवमी पर दो दिन अवकाश की घोषणा की है। पहले 26 मार्च को अवकाश की घोषणा की गई थी, अब 27 मार्च को भी अवकाश रहेगा।

मुख्यमंत्री ने यह निर्णय मंदिरों में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों, खासकर अयोध्या सहित विभिन्न मंदिरों में रामनवमी के दौरान हर वर्ष भारी भीड़ उमड़ती है। इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए यह फैसला लिया गया है, ताकि व्यवस्थाओं को बेहतर तरीके से संभाला जा सके। सरकार के अनुसार अतिरिक्त अवकाश से यातायात, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को सुचारु रूप से संचालित करने में भी सहायता मिलेगी।

शिलान्यास

गोरखपुर स्थित मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के सीएसआर फंड से 144 छात्राओं के लिए छात्रावास का निर्माण होगा। नवरात्र के शुभ दिनों के बीच बुधवार को मुख्यमंत्री योगी ने इसके लिए के लिए भूमि पूजन किया। इसके बाद यहां शिलान्यास भी किया गया।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को राहत, गिरफ्तारी पर लगी रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यौन शोषण मामले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी को अग्रिम जमानत दे दी है। अदालत ने यह फैसला सुनाते हुए दोनों पक्षों को मीडिया के समक्ष कोई बयान नहीं देने का भी निर्देश दिया।

इससे पहले, अदालत ने 27 फरवरी को अविमुक्तेश्वरानंद की गिरफ्तारी पर अगले आदेश तक रोक लगाते हुए कहा था कि नाबालिगों के कथित यौन उत्पीड़न मामले और झूंसी थाने में दर्ज मामले में अविमुक्तेश्वरानंद को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। अग्रिम जमानत देते हुए अदालत ने याचिकाकर्ताओं पर कई शर्तें लगाईं जैसे कि वे साक्ष्य से छेड़छाड़ नहीं करेंगे और सुनवाई की तिथि पर संबंधित अदालत के समक्ष पेश होंगे।

नोटिसः अकबर रोड रायसीना रोड कार्यालय खाली करे कांग्रेस

नई दिल्ली। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने कांग्रेस को अकबर रोड और रायसीना रोड स्थित कार्यालयों को 28 मार्च तक खाली करने का नोटिस जारी किया है।

कांग्रेस का मुख्यालय 1978 से 24 अकबर रोड पर था, लेकिन अब यह 9ए कोटला मार्ग स्थानांरित हो चुका है। पार्टी अकबर रोड स्थित अपने पुराने मुख्यालय का इस्तेमाल कार्यालय के रूप में कर रही है। कांग्रेस संगठन भारतीय युवा कांग्रेस और एनएसयूआई का मुख्यालय 5 रायसीना रोड पर है। बताया गया कि नोटिस में पार्टी को एक सप्ताह का भी समय नहीं दिया गया।

कैबिनेट फैसले

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूर की 10 वर्ष अवधि के लिए 28,840 करोड़ रुपये की योजना

देश में बनेंगे 100 नए एयरपोर्ट और 200 हैलीपैड

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संशोधित 'उड़े देश का आम नागरिक' (उड़ान) योजना को 2035-36 तक 10 वर्ष की अवधि के लिए 28,840 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ बुधवार को मंजूरी दे दी। योजना के तहत देश में 100 नए हवाई अड्डे और 200 हैलीपैड बनाए जाएंगे।

संशोधित क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना के लिए सरकार की ओर से बजटीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस योजना के तहत मौजूदा अनुपयोगी हवाई पट्टियों (एयरस्ट्रिप) से 100 हवाई अड्डों का विकास किया जाएगा। अगले आठ वर्ष में इन हवाई अड्डों के विकास पर कुल 12,159 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। योजना के तहत 200 आधुनिक हेलीपैड विकसित करने का भी लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए अगले आठ वर्ष में कुल 3,661 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी।

इसके अलावा, इस योजना के तहत एयरलाइन कंपनियों को 10 वर्ष की अवधि में परियोजना को व्यावहारिक बनाने के लिए (वीजीएफ) 10,043 करोड़ रुपये का वित्तपोषण प्रदान किया जाएगा। 'उड़ान' योजना को अक्टूबर, 2016 में शुरू किया गया था जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय हवाई संपर्क बढ़ाना और हवाई यात्रा को अधिक किफायती बनाना है।

5 वर्ष के लिए बढ़ी आव्रजन, वीजा, विदेशी पंजीकरण एवं पहचान योजना

नई दिल्ली। सरकार ने आव्रजन, वीजा, विदेशी पंजीकरण एवं पहचान (आईवीएफआरटी) योजना को 1800 करोड़ रुपये की लागत से अगले पांच वर्ष 2031 तक जारी रखने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह मंजूरी आगामी एक अप्रैल से 31 मार्च 2031 तक के लिए दी गई है और इसके लिए 1800 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। आईवीएफआरटी प्लेटफॉर्म देश में आव्रजन, वीजा जारी करने और विदेशियों के पंजीकरण से संबंधित कार्यों को आपस में जोड़ने का काम करता है। इसका मुख्य उद्देश्य सुरक्षित और एकीकृत सेवा वितरण ढांचे के भीतर आव्रजन और वीजा सेवाओं का आधुनिकीकरण और उन्नयन करना है।

टेंपल इकोनॉमी से बदली यूपी की तस्वीर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह।

- 9 वर्षों में पर्यटन बना विकास की धुरी
- 1.56 अरब पर्यटक पहुंचे 36,681 करोड़ रुपये निवेश से 5 लाख रोजगार की संभावना

अमृत विचार: प्रदेश में बीते 9 वर्षों में पर्यटन और संस्कृति के क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब "ग्रेवयार्ड इकोनॉमी" से आगे बढ़कर "टेंपल इकोनॉमी" की ओर अग्रसर है, जहां आस्था और पर्यटन विकास का आधार बन रहे हैं।

लोकभवन में बुधवार को प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में प्रदेश में 1.56 अरब से अधिक पर्यटक आए, जिनमें 36 लाख विदेशी सैलानी शामिल हैं। घरेलू पर्यटन में यूपी देश में पहले स्थान पर पहुंच गया है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और अयोध्या में राम मंदिर के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में कई गुना वृद्धि हुई है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने कहा कि दीपोत्सव, देव दीपावली और ब्रज रंगोत्सव जैसे आयोजन अब आर्थिक गतिविधियों के बड़े केंद्र बन गए हैं। इनसे स्थानीय व्यापार, होटल और परिवहन क्षेत्र को सीधा लाभ मिल रहा है। पर्यटन नीति-2022 के तहत 36,681 करोड़ रुपये से अधिक निवेश धरातल पर उतर चुका है, जिससे करीब पांच लाख रोजगार सृजित होने की संभावना है। 1,757 पर्यटन इकाइयों को पंजीकरण दिया गया है। सरकार ग्रामीण और इको-टूरिज्म पर भी फोकस कर रही है। 234 गांवों को पर्यटन से जोड़ा गया है और 50,000 होम-स्टे विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

एसआई, एएसआई के 1933 पदों पर होगी सीधी भर्ती

अमृत विचार, लखनऊ : पुलिस भर्ती बोर्ड एसआई, एएसआई समेत 1933 पदों पर सीधी भर्ती करेगा। पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के परीक्षा नियंत्रक के मुताबिक, उप निरीक्षक (गोपनीय), सहायक उप निरीक्षक (लिपिक) और सहायक उप निरीक्षक (लेखा) के 537 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके अलावा कंप्यूटर आपरेटर ग्रेड-ए के लिए 1352 पदों के साथ ही सहायक परिचालक के 44 पदों के लिए भी भर्ती होगी। परीक्षा नियंत्रक के मुताबिक सभी पदों के लिए लिखित परीक्षा अक्टूबर या फिर नवंबर-26 में आयोजित कराना प्रस्तावित है।

गंगा एक्सप्रेसवे के लिए फिर खोला खजाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

1235 करोड़ की अतिरिक्त धनराशि मंजूर

- मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर को रफ्तार, अब तक दिए 5907 करोड़

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1235 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि स्वीकृत कर दी है। इस संबंध में वित्त विभाग की ओर से शासनादेश जारी किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार, परियोजना के लिए इस साल बजट में कुल प्रस्तावित धनराशि 3835 करोड़ थी, जिसके सापेक्ष अब तक 5907 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी जा चुकी है। नई स्वीकृति के तहत 1235 करोड़ की अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराई गई है। सरकार ने निर्देश दिया है कि स्वीकृत राशि का उपयोग केवल परियोजना कार्यों में ही किया जाए और सभी व्यय वित्तीय नियमों के अनुरूप हों। संबंधित विभागों को समय पर उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

शासनादेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि किसी अन्य कार्य में धनराशि का उपयोग नहीं किया जाएगा और यदि धन पर कोई ब्याज प्राप्त होता है तो उसे राजकोष में जमा करना अनिवार्य होगा। गौरतलब है कि गंगा एक्सप्रेसवे प्रदेश की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल है।

यूपी डिफेंस कॉरिडोर के लिए 24.49 करोड़ जारी, कानपुर-झांसी में खरीदी जाएगी जमीन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने डिफेंस कॉरिडोर परियोजना को गति देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में कानपुर नगर और झांसी जिले में भूमि क्रय के लिए 24 .49 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत कर दी गई है। इस संबंध में शासन स्तर से आदेश जारी कर दिया गया है। शासनादेश के अनुसार, कानपुर नगर के लिए 15 करोड़ और झांसी के लिए 9 .49 करोड़ रुपये की धनराशि निर्धारित की गई है। यह राशि डिफेंस कॉरिडोर के तहत औद्योगिक इकाइयों की स्थापना, रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से भूमि उपलब्ध कराने में खर्च की जाएगी। सरकार ने जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भूमि क्रय की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और नियमसम्मत तरीके से पूरी की जाए। धनराशि का उपयोग केवल स्वीकृत मद में ही किया जाएगा और किसी भी प्रकार की अनियमितता या दुरुपयोग की स्थिति में संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

न्यूज ब्रीफ

रामनवमी पर राज्यपाल ने दी शुभकामनाएं

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने रामनवमी के पावन अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने अपने बधाई संदेश में कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, धर्म और आदर्शों का उदाहरण है। उन्होंने समाज में मर्यादा, त्याग, कर्तव्य परायणता और नैतिक मूल्यों की स्थापना की, जो आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कामना की कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं सद्भाव लेकर आए।

शांति व सौहार्द के साथ रामनवमी मनाने की अपील

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सीएम योगी ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराया जाए। मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। इसके साथ ही भीड़ प्रबंधन, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती और सतत निगरानी के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे इस पर्व को श्रद्धा, उल्लास और अनुशासन के साथ मनाएं तथा सामाजिक सौहार्द और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करें।

लोक-संस्कृति को पहचान दिलाने के लिए एमओयू

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश की लोक और जनजातीय संस्कृति को नई पहचान दिलाने के लिए उप्र. लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान और स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम का आयोजन पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के आवास पर हुआ। इस समझौते के तहत दोनों संस्थाएं शिक्षा, शोध, प्रशिक्षण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगी। लोक और जनजातीय कला के संरक्षण के लिए कार्यशालाएं, सेमिनार और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे कलाकारों और छात्रों को सीधा लाभ मिलेगा। पहल का उद्देश्य पारंपरिक कलाकारों और शिल्पकारों को सशक्त बनाना, उनके कौशल का दस्तावेजीकरण और प्रचार-प्रसार करना है।

रामनवमी पर ड्रोन से होगी निगरानी

प्रदेशभर में अलर्ट जारी, अति संवेदनशील जिलों में उतारी गई पैरा मिलिट्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रसिद्ध मंदिरों में श्रद्धालुओं के वेश में तैनात रहेंगे महिला-पुरुष पुलिस कर्मी

अमृत विचार: ईद का पर्व शांति से संपन्न हो गया तो अब राम नवमी को लेकर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। राम नवमी पर प्रदेश को अलर्ट कर दिया गया है, वहीं प्रदेश के अति संवेदनशील जिलों के साथ ही जहां-जहां प्रसिद्ध देवी मंदिर हैं, उन शहरों में पैरा मिलिट्री की टुकड़ियां उतार दी गई हैं। प्रमुख मंदिरों की सुरक्षा ड्रोन से की जाएगी, वहीं श्रद्धालुओं के भेष में महिला और पुरुष पुलिस कर्मी तैनात किए जाएंगे।

पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक, प्रदेश भर में राम नवमी को लेकर खासी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। प्रमुख देवी स्थलों जैसे मिर्जापुर की विंध्यवासिनी मंदिर, प्रयागराज के मां ललिता देवी मंदिर, कल्याणी देवी मंदिर और मां अलोप शंकरी देवी मंदिर, बलरामपुर जिले के तुलसीपुर स्थित मां पाटेश्वरी देवीपाटन मंदिर, चित्रकूट के ज्वाला देवी मंदिर, गोंडा के बाराही मंदिर, सहारनपुर के मां शाकंभरी देवी मंदिर और देवबंद के मां बाला सुंदरी देवी मंदिर, लखनऊ के चंद्रिका देवी मंदिर, गोरखपुर के मां तरकुलहा मंदिर और बाराबंकी के कोटवा धाम मंदिर, सीतापुर के नैमिषारण्य में ललिता देवी मंदिर, वृंदावन के उमाशक्ति समेत सभी मंदिरों की कड़ी सुरक्षा करने के निर्देश जारी किए हैं। अयोध्या धाम में भी रामनवमी पर भारी भीड़ रहने का इनपुट मिला है तो वहां पर भी लगातार ड्रोन से निगरानी और सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं।

छतों पर ईंट-पत्थर मिले तो होगी कार्रवाई

इसके अलावा प्रदेश के अति संवेदनशील जिले अलीगढ़, बरेली, मुरादाबाद, संभल, रामपुर, मेरठ, बहराइच, सहारनपुर के देवबंद, आजमगढ़, मथुरा, आगरा आदि में भी पैरा मिलिट्री, आरआरएफ और पीएसी को उतार दिया गया है। जुलूस निकलने से पहले पुलिस ड्रोन के जरिए छतों पर ईंट-पत्थर आदि पर भी नजर रखेगी। यदि छतों पर ईंट-पत्थर पाए जाते हैं तो संबधित मकान मालिक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जुलूस मार्ग पूर्व निर्धारित ही रहेंगे। इस दौरान छतों पर संगीनों के साथ फोर्स तैनात भी रहेगी।

सोशल मीडिया पर भी रहेगी कड़ी नजर

पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक, राम नवमी पर सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। यदि किसी ने सोशल मीडिया के जरिए अफवाह फैलाकर शांति व्यवस्था में बाधा डालने का कार्य किया तो तुरंत ही सख्त कार्रवाई होगी। इसके अलावा पूर्व की घटनाओं में संलिप्त रहे लोगों को खुफिया टीमें रडार पर रखेंगी।

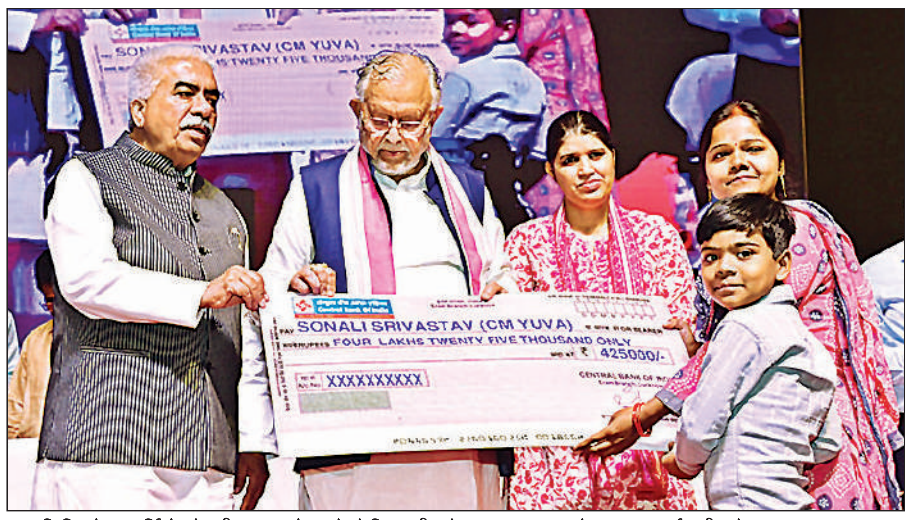

ऋण शिविर में लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक सौंपते वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना और एमएसएमई मंत्री राकेश सचान।

शिविर में 112 लाभार्थियों को 370 करोड़ का ऋण वितरित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी सरकार के 9 साल पूरे होने पर वृहद ऋण शिविर आयोजित

अमृत विचार : प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित ऋण शिविर में 112 लाभार्थियों को लगभग 370 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना और विशिष्ट अतिथि एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने लाभार्थियों को चेक और टूलकिट वितरित किए। इस दौरान विभिन्न योजनाओं के स्टालों का निरीक्षण भी किया गया।

राजधानी स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में संपन्न ऋण शिविर में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, युवा स्वरोजगार योजना, ओडीओपी वित्त पोषण, टूलकिट योजना और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत सहायता प्रदान की गई। प्रशिक्षार्थियों को उन्नत टूलकिट देकर स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया गया।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचे। वहीं मंत्री राकेश सचान ने कहा कि सरकार युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाना चाहती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हो रहा है।

गो संरक्षण कार्यों में लापरवाही हुई तो सख्त कार्रवाई : धर्मपाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोवंशों को गर्मी और लू से बचाने के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं : धर्मपाल

अमृत विचार: पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने अफसरों से कहा है कि गो संरक्षण के कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आने समय में गर्मी और लू से बचाने के लिए निराश्रित गोवंश से संबंधित सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। वन ट्रिलियन डॉलर इकोनामी के लक्ष्य को हासिल करने में पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग की अहम भूमिका रहेगी।

उन्होंने निर्देश दिए कि गो-संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए सरकार द्वारा पर्याप्त धनराशि की व्यवस्था की जा रही है। गौशालाओं में स्वच्छ पेयजल, चारा तथा तिरपाल आदि की व्यवस्था की जाए। प्रदेश में नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम तथा लघु पशुपालन जैसी लाभार्थीपरक योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए, जिससे किसानों, पशुपालकों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सभी लोगों को इसका लाभ मिल सके। पशुधन मंत्री ने कहा है कि पर्याप्त मात्रा में गो संरक्षण केंद्र बना दिए गए हैं, इसलिए कोई भी गोवंश सड़कों पर घूमता हुआ नहीं पाया जाए। समय-समय पर अधिकारी गोसंरक्षण केंद्रों का निरीक्षण करें, जिससे सभी पशु पूरी तरह से स्वस्थ रह सकेंगे।

28,864 करोड़ के औद्योगिक विकास बजट का करें प्रभावी उपयोग : नंदी

अमृत विचार, लखनऊ : औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने विभागीय अधिकारियों को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित 28,864.98 करोड़ रुपये के बजट का प्राथमिकता के आधार पर उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले बजट का अधिकतम और प्रभावी उपयोग किया जाए।

मंत्री नंदी ने अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग की समीक्षा बैठक में विभिन्न प्राधिकरणों द्वारा बजट उपयोग की स्थिति का आकलन किया और निर्देश दिया कि धनराशि का उपयोग केवल उपयोगी और परिणामकारी परियोजनाओं में किया जाए। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी सहित बुनियादी सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता दी जाए। इसके साथ ही औद्योगिक विकास प्राधिकरणों को जरूरत के अनुसार जमीन अधिग्रहण और लंबित परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

वीबी-जी राम जी अधिनियम प्रतियोगिताओं की तारीख बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने युवाओं की रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए 'वीबी-जी राम जी' अधिनियम के तहत आयोजित प्रतियोगिताओं की अंतिम तिथि अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक बढ़ा दी है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अधिक से अधिक युवाओं और नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग जीएस प्रियदर्शी ने बताया कि इच्छुक प्रतिभागी MyGov या MYBharat पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी)' योजना के तहत तीन प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इनका उद्देश्य युवाओं की कला, ज्ञान और डिजिटल कौशल को बढ़ावा देना और ग्रामीण भारत को नई पहचान देना है।

फसल बीमा योजना के लिए 71.44 करोड़ मंजूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- किसानों को राहत देने के लिए सरकार का अहम फैसला

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने किसानों को फसल नुकसान से सुरक्षा देने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए बुधवार को नेशनल क्रॉप इंश्योरेंस प्रोग्राम के तहत 71 करोड़ 44 लाख 60 हजार की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है।

शासनादेश के अनुसार, यह धनराशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए फसल बीमा (सब्सिडी मद) में स्वीकृत की गई है। यह राशि कुल निर्धारित बजट 450 करोड़ के सापेक्ष जारी की गई है, जिससे किसानों को बीमा कवरेज के तहत लाभ मिल सकेगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल फसल बीमा योजना के निर्धारित कार्यों में ही किया जाएगा। इसके साथ ही कृषि निदेशक को निर्देश दिए गए हैं कि खर्च की आवश्यकता और औचित्य सुनिश्चित किया जाए तथा योजना की गाइडलाइंस का कड़ाई से पालन हो। शासन ने यह भी निर्देश दिया है कि धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार किया जाए, एकमुश्त निकासी से बचा जाए और इसे किसी बैंक या अन्य खाते में अनावश्यक रूप से न रखा जाए।

साधारण आपराधिक मामला नियुक्ति से इनकार का आधार नहीं

विधि संवाददाता,लखनऊ

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि मात्र लंबित आपराधिक मामला, जो साधारण प्रकृति का है, के आधार पर किसी अभ्यर्थी को सरकारी नौकरी से वंचित नहीं किया जा सकता, विशेष तौर तब जब उसने मामले की जानकारी स्वयं दी हो।

उक्त निर्णय न्यायमूर्ति करुणेश सिंह पवार की एकल पीठ ने राकेश कुमार वर्मा की सेवा सम्बंधी याचिका को मंजूर करते हुए पारित किया। याची का चयन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा कनिष्ठ सहायक पद पर हुआ था और वह चिकित्सकीय रूप से भी उपयुक्त पाया गया था। इसके बावजूद लंबित एक आपराधिक मुकदमे के आधार पर उसे नियुक्ति से इनकार कर दिया गया था। याची के विरुद्ध धारा 498-ए, 323, 504, 506 आईपीसी तथा दहेज निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज था, जो उसके बड़े भाई के वैवाहिक विवाद से जुड़ा हुआ था। कोर्ट ने पाया कि याची इस मामले में मुख्य आरोपी नहीं, बल्कि सह-आरोपी है और उसके खिलाफ कोई विशिष्ट आरोप भी नहीं है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा अवतार सिंह मामले में दिए निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि यदि अभ्यर्थी ने आपराधिक मामले की जानकारी स्वयं दी है और मामला गंभीर प्रकृति का नहीं है, तो उसे केवल इसी आधार पर अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि पारिवारिक विवाद से जुड़े मामलों में सामान्य आरोपों के आधार पर किसी व्यक्ति के भविष्य को प्रभावित करना उचित नहीं है। ऐसे मामलों में सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए, न कि दंडात्मक। इसी आधार पर न्यायालय ने नियुक्ति से इनकार सम्बंधी छह जुलाई 2020 के आदेश को निरस्त करते हुए, संबंधित विभाग को याची को तत्काल नियुक्ति पत्र जारी करने का आदेश दिया है।

गुमशुदा व्यक्तियों को ढूंढने में पुलिस 80 प्रतिशत सफल, हलफनामा दाखिल

अमृत विचार, लखनऊ : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच गुमशुदा व्यक्तियों के संबंध में दर्ज स्वत: संज्ञान याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से दावा किया गया है कि उसने एक जनवरी 2024 से 17 मार्च 2026 तक लापता हुए व्यक्तियों में से 79 .84 प्रतिशत व्यक्तियों का पता लगा चुकी है। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद व पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा ने व्यक्तिगत हलफ़नामा भी दाखिल किया है। इस पर कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 15 अप्रैल की तिथि नियत की है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान व न्यायमूर्ति जफईर अहमद की खंडपीठ ने उक्त मामले में दर्ज स्वत: संज्ञान जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। सुनवाई के दौरान उपरोक्त दोनों अधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे। शासकीय अधिवक्ता डॉ. वीके सिंह ने उनकी हलफनामों के आधार पर बताया कि 1 जनवरी 2024 से 17 मार्च 2026 तक 1,19,070 लोग लापता हुए थे, जिनमें से 95,061 लोगों का पता लगाया जा चुका है। यह भी बताया गया है कि 2013 से अब तक गुमशुदा बच्चों व वयस्कों के संबंध में राज्य सरकार की ओर से 11 बार दिशा निर्देश जारी किए जा चुके हैं। उल्लेखनीय है कि एक गुमशुदा व्यक्ति से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट के संज्ञान में आया कि प्रदेश में पिछले लगभग दो साल में 1,08,300 लोग लापता हो चुके हैं, जिनके संबंध में गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज हैं। कोर्ट ने इस स्थिति को बेहद चिंताजनक व गंभीर करार देते हुए, मामले को 'प्रदेश में गुमशुदा व्यक्तियों के संबंध में' शीर्षक से जनहित याचिका दर्ज करने का आदेश दिया था।

नर्सिंग शिक्षा को लेकर करार

20 हजार छात्र-छात्राओं को मिलेगा आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल यूनिवर्सिटी में जपाइगो इंडिया संस्था से हुए करार के दस्तावेज के साथ अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार : नर्सिंग शिक्षा को आधुनिक और व्यावहारिक बनाने की दिशा में अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल यूनिवर्सिटी (एबीवीएमयू) ने जपाइगो इंडिया के साथ करार किया है। इस पहल के तहत प्रदेश के 280 नर्सिंग कॉलेजों में अध्ययनरत करीब 20 हजार बीएससी, एमएससी, एएनएम और जीएनएम छात्र-छात्राओं को अत्याधुनिक तकनीक आधारित प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कुलपति डॉ. अमित देवगन ने बताया कि इस करार के अंतर्गत छात्रों को केवल कक्षा आधारित शिक्षा तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि अस्पतालों में उपयोग होने वाली डिजिटल प्रणालियों का भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। डीन नर्सिंग अशोक विश्नोई और परीक्षा नियंत्रक डॉ. देवाशीष शुक्ला के अनुसार, इस पहल से न केवल नर्सिंग शिक्षा का स्तर ऊंचा होगा, बल्कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

इस कार्यक्रम के तहत वर्चुअल और सिमुलेशन आधारित शिक्षा को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने गाजियाबाद पहुंचकर हरीश को दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बुधवार को गाजियाबाद पहुंचे। उन्होंने वहां पर हरीश राणा के शव पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनके माता-पिता तथा परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त कीं।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उनके माता-पिता के त्याग और सेवा को शब्दों में बयां करना कठिन है। उन्होंने इतने वर्षों तक साये की तरह अपने बेटे का साथ निभाया। उनके इस असीम धैर्य और ममता को मेरा शत-शत नमन। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कोमा में रहे हरीश राणा को मंगलवार को एम्स के डाक्टरों ने इच्छा मृत्यु दी थी।

बढ़ेंगे अवसर — गोशालाएं बनेंगी अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन, बायो-सीएनजी पर जोर

'पंचगव्य' आधारित बाजार मॉडल की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आईआईटी तकनीक से बनेगा हाईटेक मॉडल, छोटे पशुपालकों की आय बढ़ाने की तैयारी

अमृत विचार: प्रदेश में गोशालाओं को अब सिर्फ पशुओं के आश्रय स्थल तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि उन्हें ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार का मजबूत केंद्र बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य सरकार ने 'पंचगव्य वैल्यू चेन' (गोमूत्र, गोबर, दूध, दही और घी) पर आधारित एक बड़े मॉडल को लागू करने की तैयारी की है, जिसके तहत 100 से अधिक ऑर्गेनिक उत्पादों का निर्माण किया जाएगा।

इस महत्वाकांक्षी योजना में आईआईटी दिल्ली, और आईआईटी खरगपुर के विशेषज्ञ भी तकनीकी सहयोग दे रहे हैं। गोशालाओं में आधुनिक तकनीक के जरिए बायोगैस प्लांट स्थापित कर बायो-सीएनजी तैयार की जाएगी, साथ ही जैविक खाद और अन्य उत्पादों का बड़े पैमाने पर उत्पादन होगा। इस योजना का पहला प्रयोग जालौन जिले की गोशालाओं में किया जा रहा है। यहां हाईटेक मॉडल के तहत उत्पादन, प्रबंधन और मार्केटिंग की पूरी प्रक्रिया विकसित की जाएगी। सफल होने पर इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा।

ट्रेनिंग से बढ़ेगी स्थानीय क्षमता : प्रो. विजय

आईआईटी दिल्ली के प्रो. वीके विजय के नेतृत्व में तकनीकी टीम गांवों में जाकर लोगों को प्रशिक्षण देगी, जिससे बायोगैस प्लांट संचालन और उत्पाद निर्माण में स्थानीय युवाओं को दक्ष बनाया जा सके। वहीं आईआईटी खड़गपुर के पूर्व छात्र यशराज और उनकी टीम ब्रांडिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग में सहयोग करेंगे।

छोटे पशुपालकों को सीधा लाभ

इस मॉडल से छोटे पशुपालकों को अपने उत्पादों का बेहतर मूल्य मिलेगा और गांवों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता के अनुसार, यह पहल गोसंरक्षण और आर्थिक सशक्तिकरण दोनों को एक साथ आगे बढ़ाएगी। सरकार का लक्ष्य गोशालाओं को स्वावलंबी, व्यावसायिक और टिकाऊ मॉडल में बदलना है, जिससे उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी 'टेक्नोलॉजी बेस्ड गोसंरक्षण राज्य' बन सके।

चैत्र नवरात्रि
की हार्दिक शुभकामनाएं
मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर" जी के आशीर्वाद से अभिसिचिंत एवम् संचालित
एम. के. बन्धानी हींग
श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज कानपुर 208001, फोन – 9519456555, 9695416555

अष्टम महागौरी

मां दुर्गा की आठवीं शक्ति का नाम महागौरी है। दुर्गापूजा के आठवें दिन महागौरी की उपासना का विधान है। इनकी शक्ति अमोघ और सद्यः फलदायिनी है। इनकी उपासना से भक्तों के सभी कल्मष धुल जाते हैं। पूर्वसंचित पाप भी विनष्ट हो जाते हैं। भविष्य में पाप, संताप, दैन्य-दुःख उसके पास कभी नहीं जाते। वह सभी प्रकार से पवित्र और अक्षय पुण्यों का अधिकारी हो जाता है। देवी महागौरी की पूजा से राहु का बुरा प्रभाव खत्म होता है।

बीज मंत्र...

माँ महागौरी: श्री क्लीं ह्रीं वरदायै नमः

जोखिम का शॉर्टकट

लखनऊ–प्रयागराज रेल मार्ग पर कनकहा और निगोहां रेलवे स्टेशन के बीच ब्रह्मदासपुर क्रॉसिंग पर अंडरपास का निर्माण चल रहा है। क्रॉसिंग से आवागमन बंद वैकल्पिक मार्ग क्रॉसिंग बनाई गई है, लेकिन शॉर्ट कट के चक्कर में बाइक व साइकिल सवार नियमों की अवहेलना कर पटरी पार करते हैं। चौकीदार के रोकने पर लड़ने झगड़ने लगते हैं, कुछ समझदार लोग जरूर समझाने पर लौट जाते हैं। शॉर्ट कट के चक्कर में अप–डाउन लाइन पार करने वाले दो पहिया वाहन चालकों को लापरवाही बरतने से पहले अपने परिवार के बारे में भी सोचना चाहिए। अमृत विचार

दिन में सर्वर डाउन, रात तक संपत्तियों की रजिस्ट्री

हंगामे, धक्का-मुक्की और गाली-गलौज तक पहुंची नौबत

संवाददाता, मोहनलालगंज

अमृत विचार: मोहनलालगंज तहसील में सर्वर की समस्या के चलते संपत्तियों की रजिस्ट्री के लिए आए लोग परेशान हो रहे हैं। पिछले दो दिनों से तो हंगामे की स्थिति बन रही है। बुधवार को पहले नंबर लगाने को लेकर धक्का-मुक्की और गाली गाली गलौज हुई और फिर कर्मचारियों से कहासुनी तक बात पहुंच गई। मंगलवार को रात 11:30 बजे तक और बुधवार को देर शाम तक रजिस्ट्रियां होती रहीं। बुधवार को रजिस्ट्री के लिए 280 रजिस्ट्रेशन कराए गए।

मोहनलालगंज तहसील में रजिस्ट्री के लिए लगी भीड़। अमृत विचार

मोहनलालगंज तहसील में कई महीने से सर्वर की समस्या आ रही है। इससे रजिस्ट्री कराने वालों को सुबह से देर रात तक रुकना पड़ता था । सर्वर ठीक कराने के लिए करीब चार दिन रजिस्ट्री बंद कर दी गई। अब तो समस्या पहले से अधिक बढ़ गई है। मंगलवार दिन में सर्वर लगभग ठप रहा। शाम को काम शुरू हुआ और रात लगभग 11:30 बजे तक रजिस्ट्री की गईं। बुधवार को फिर सुबह से सुबह में दिक्कत आ गई। दोपहर में सर्वर कुछ सही होने पर नंबर लगाने के लिए हंगामा होने लगा।रजिस्ट्री कराने आए लोगों की कर्मचारियों के साथ कहासुनी तक हो गई। कुछ लोगों जैसे तैसे शांत कराया। रजिस्ट्री करने आए बुजुर्ग राजेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि दिनभर सर्वर नहीं चला। शाम तक लाइन में लगे रहे, देर शाम किसी तरह रजिस्ट्री हो पाई। सुलतानपुर से आए रवि तिवारी और देवरिया से आए रामेंद्र घंटों लाइन में लगे रहे। रामेंद्र ने बताया कि गोद में बेटी को लेकर सुबह से रात तक इंतजार किया, इसके बावजूद रजिस्ट्री नहीं हो पाई। छोटे बच्चों को लेकर आईं महिलाएं ज्यादा परेशान दिखीं। शाम 5 बजे के बाद कार्यालय में बना शौचालय बंद होने से दिक्कत हो जाती है, क्योंकि महिला शौचालय है वह भी शाम 5 बजे के बाद बंद कर दिया जाता है। लोगों ने बताया कि बिजली आने पर भी काम ठप हो जाता है।

13 करोड़ की हाइड्रोलिक पार्किंग होगी चालू

अमृत विचार, लखनऊ : केजीएमयू प्रशासन ने लारी कॉर्डियोलॉजी सेंटर में वर्षों से बंद पांच मंजिला हाइड्रोलिक मल्टीलेवल पार्किंग को चालू कराने की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। 13 करोड़ से बनी इस पार्किंग के उपकरणों की मरम्मत पर लाखों रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके लिए निविदा प्रक्रिया चल रही है।

लारी में प्रतिदिन 400 से अधिक मरीज पहुंचते हैं। कई मरीज निजी वाहनों से लाए जाते हैं। परिसर में पर्याप्त पार्किंग सुविधा न होने के कारण वाहन सड़क किनारे वाहन खड़े करने पड़ते हैं, जिससे अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है।

वर्ष 2018 में डॉक्टरों और स्टाफ के वाहनों के लिए लारी के नए भवन के पीछे पांच मंजिला हाइड्रोलिक पार्किंग का निर्माण कराया गया था। लगभग 80 वाहनों की क्षमता वाली ये पार्किंग एक बार भी उपयोग में नहीं लाई गई।

जिससे इसके हाइड्रोलिक उपकरण खराब हो गए। केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. के.के. सिंह के अनुसार, मरम्मत की प्रक्रिया जल्द शुरू कर पार्किंग को संचालित किया जाएगा।

23 मीटर चौड़ा निकला गंगापुर का नाला

रियल एस्टेट कंपनियों को दो दिन में नाला खोदने की हिदायत

संवाददाता गोसाईगंज

अमृत विचार : गोसाईगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत गंगागंज में दो रियल एस्टेट कंपनियों ने गांव का नाला पाट कर प्लाटिंग शुरू कर दी। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत तहसील में की थी, जिस पर बुधवार को नायब तहसीलदार ने टीम के साथ पैमाइश कराकर दो दिन में नाला चौड़ा करने की हिदायत कंपनी के लोगों को दी है।

नाले की पैमाइश के दौरान मौजूद अधिकारी और अन्य लोग।

गाटा संख्या 1368 की तीन बीघा बंजर भूमि नाला प्राकृतिक नाला बना था। इसे रियल एस्टेट कंपनियों ने पाटकर पांच फीट का कर दिया। विवाद होने पर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के पदाधिकारियों ने उप जिलाधिकारी से शिकायत की थी। उनका कहना था कि इस नाले से रसूलपुर, आशिक अली, शहजादेपुर समेत 50 गांवों का पानी निकलता है। नाला पाटने से इन गांवों और रास्तों में जलभराव होगा। इस पर उप जिलाधिकारी मोहनलाल पवन पटेल ने नायब तहसीलदार सैव्या मिश्रा की अगुवाई में कानूनगो, लेखपाल आदि को पैमाइश के लिए भेजा। टीम ने पैमाइश कर नाले की चौड़ाई 23 मीटर चौड़ाई चिन्हित की। इसके बाद कंपनियों के लोग नाला चौड़ा करने पर राजी हो गए। नायब तहसीलदार ने कहा कि अगर 2-3 दिन में चौड़ा नहीं किया तो प्रशासन खुदाई कराएगा और कंपनियों के खिलाफ रिपोर्ट भी दर्ज कराई जाएगी।

ग्राहकों के लाखों रुपये लेकर ट्रैक्टर एजेंसी मालिक फरार

अमृत विचार, लखनऊ : मोहनलालगंज इलाके में ट्रैक्टर और ट्रैक्टर लोडर देने के नाम पर ग्राहकों से एडवांस लेकर एजेंसी मालिक फरार हो गया। ग्राहकों ने एजेंसी मालिक को फोन मिलाया तो मोबाइल स्वीच ऑफ मिला। ग्राहक शोरूम पहुंचे तो उन्हें ताला लटका हुआ मिला। तीन ग्राहकों ने लाखों रुपये लेकर भागने का आरोप लगाते हुए मोहनलालगंज कोतवाली में शिकायत की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कस्बे में ट्रैक्टर एजेंसी में नए ट्रैक्टर और ट्रैक्टर लोडर लेने के लिए एजेंसी के मालिक को पिछले वर्ष लाखों रुपये का एडवांस भुगतान किया। लेकिन उन्हें ट्रैक्टर नहीं मिला। ग्राहकों ने रुपये वापस मांगे। इसपर एजेंसी मालिक ने चेक काटकर सौंप दिया। पीड़ितों ने चेक खाते में लगाया तो वह बाउंस हो गया। इसी बीच एजेंसी के शोरूम में ताला लटक गया। मोहनलालगंज इंस्पेक्टर ब्रजेश त्रिपाठी ने बताया तीन लोगों ने ट्रैक्टर एजेंसी के मालिक के खिलाफ शिकायत की है।

न्यूज ब्रीफ

रेरा ने 131 एजेंटों को बांटे प्रमाण पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र भू सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने बुधवार को मुख्यालय में ' 'एजेंट प्रशिक्षण प्रमाणन कार्यक्रम'' आयोजित किया। इस दौरान अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने 30वें, 31वें और 32वें बैच के सफल 131 अभ्यर्थियों को प्रमाणपत्र बांटे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पहली बार दिसम्बर 2024 में लखनऊ स्थित लिटरेसी हाउस से शुरू हुआ था। प्रशिक्षण में एजेंटों को रेरा अधिनियम, नियम एवं विनियम, आवंटियों के अधिकार एवं जिम्मेदारियां, संपत्ति लेनदेन के कानूनी पहलू तथा प्रमोटरों की जिम्मेदारियां की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

बुधवार को खुला रहा माल का मां अस्पताल

अमृत विचार, माल : माल इलाके में मां अस्पताल को बंद करने के निर्देश सीएचसी अधीक्षक ने दिए थे, लेकिन बुधवार को भी अस्पताल खुला रहा। खुले अस्पताल की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई है। इस अस्पताल में बुखार से पीड़ित पीरनगर गांव निवासी अजीत के बेटे अविश को भर्ती कराया गया था। डॉक्टर की सलाह पर निजी लैब में हुई जांच में बच्चे को डेंगू एंटीजेन पॉजिटिव बताया गया था। सीएचसी में हुई जांच में रिपोर्ट निगेटिव निकलने पर सीएचसी प्रभारी डॉ. जेपी सिंह ने अस्पताल को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था, जवाब न मिलने पर अस्पताल बंद करने का आदेश जारी किया था। नर्सिंग होम के नोडल अफसर डॉ. एपी सिंह कहा कि अस्पताल का संचालन हो रहा है तो संचालक पर कार्रवाई कराई जाएगी।

पुलिस अधिकारियों के साथ किशोरियां और महिलाएं।

151 कन्याओं का पूजन कर किया जागरूक

संवाददाता, निगोहां

अमृत विचार: क्षेत्र के नंदौली गांव में सरल केयर फाउंडेशन और शांति फाउंडेशन की ओर से 151 कन्याओं का पूजन किया गया। इसके बाद मिशन शक्ति अभियान के तहत निगोहां थाने की सब इंस्पेक्टर गायत्री व सिपाही बॉबी ने छात्राओं को 'गुड टच-बैड टच' के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी असहज स्थिति में तुरंत अपने परिजनों या पुलिस को सूचना दें। साथ ही मोबाइल फोन का उपयोग सीमित और अभिभावकों की अनुमति से करने की सलाह दी। सरल केयर फाउंडेशन की अध्यक्ष रीता सिंह ने कहा कि पुलिस से संपर्क करने में संकोच न करें। ग्राम प्रधान रीना सिंह और पूर्व बीडीसी वंदना सिंह ने मिशन शक्ति टीम का स्वागत किया। शिक्षक आईपी सिंह, पूर्व प्रधान राम बहादुर, राजेश रावत, वंशीलाल, अनूप सिंह, गजेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

प्लास्टर के दौरान राजगीर की करंट से मौत

अमृत विचार, मोहनलालगंज: थाना क्षेत्र के हरकशगंढी में निर्माणाधीन मकान में प्लास्टर करते वक्त राजगीर करंट की चपेट में आने से राजगीर की मौत हो गई।

हरिकंशगढ़ी में लॉ कालेज के पीछे रायबरेली जिले के मियापुर में रहने वाले श्रवण कुमार अपने मकान का निर्माण करवा रहे हैं। मकान की दूसरी मंजिल पर प्लास्टर का काम चल रहा है। मोहनलालगंज के दौलतगंज निवासी राजगीर सनी (30) बुधवार को पहली बार इस मकान पर काम करने पहुंचा था। वह दूसरी मंजिल पर दीवारों पर प्लास्टर कर रहा था। काम करते हुए बिजली के मेन केबिल में उतर रहे करंट की चपेट में आकर सनी बुरी तरह झुलसकर घायल हो गया।

मौके पर मौजूद ठेकेदार ने स्थानीय चौकी पुलिस समेत घायल राजगीर के परिजन को सूचना दी। पुलिस गम्भीर हालत में झुलसे राजगीर को मोहनलालगंज सीएचसी लेकर पहुंची, जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल पहुंचे परिजनों ने ठेकेदार को बुलाने के लिए हंगामा किया।

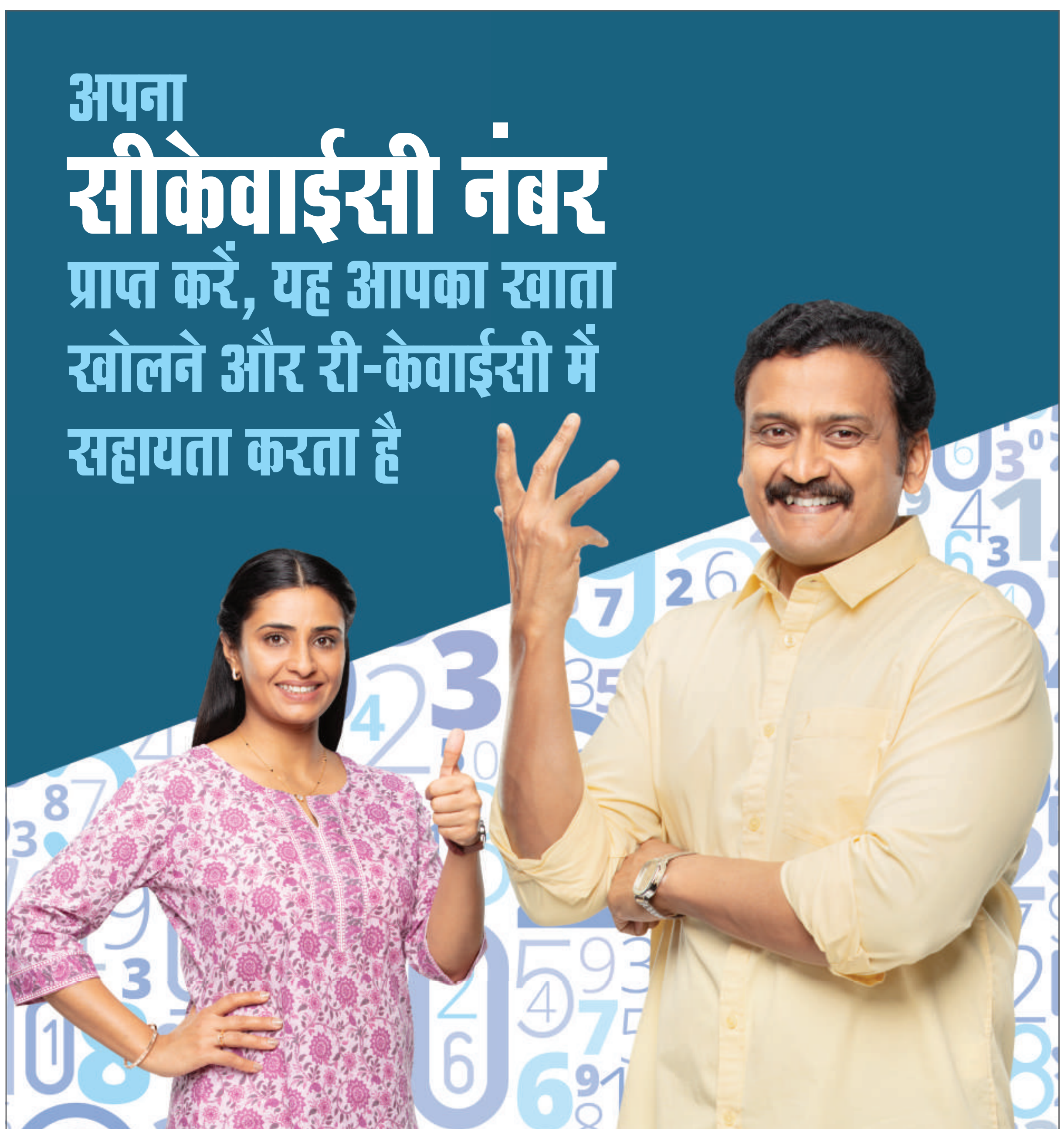

यह कैसे काम करता है:
- बैंक ग्राहकों की केवाईसी संबंधी जानकारी प्राप्त करके उसे सेंट्रल केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री (सीकेवाईसीआर) पर अपलोड करते हैं
- ग्राहक को 14-अंकों का एक नंबर जारी किया जाता है
- अन्य वित्तीय संस्थाओं द्वारा नया खाता खोलने और री-केवाईसी करने के लिए ग्राहक के मौजूदा केवाईसी संबंधी जानकारी प्राप्त करने हेतु 14-अंकों के इस नंबर का उपयोग किया जा सकता है

आरबीआई कहता है... जानकार बनिए, सतर्क रहिए!

अपना सीकेवाईसी नंबर प्राप्त करने के लिए:
अपने बैंक से संपर्क करें **या** 7799022129 पर मिस्ड कॉल दें **या** https://ckycindia.in पर जाएँ

अधिक जानकारी के लिए, https://rbikehtahai.rbi.org.in/CKYCR पर जाएँ
आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर: 99990 41935/99309 91935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

स्कूल चलो

सरकार प्राथमिक स्कूलों में नवारंभ कार्यक्रम आयोजित कर दिया गया कक्षा एक में प्रवेश

नव प्रवेशी बच्चों को अपर मुख्य सचिव ने दिए उपहार

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार : सरकारी प्राथमिक स्कूलों में बुधवार को नवारंभ कार्यक्रमों का आयोजन कर नए बच्चों का नामांकन कराया गया। इस दौरान नव प्रवेसी बच्चों को पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन भी किया गया। सरोजनी नगर ब्लाक क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय रामचौरा में अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा पार्थसारथी सेन शर्मा ने वागंतुक बच्चों को गिफ्ट हैम्पर वितरित किए।

बच्चों के साथ अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा पार्थसारथी सेन शर्मा व अन्य।

अपर मुख्य सचिव ने बाल वाटिका की अवधारणा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए प्रारंभिक शिक्षा के महत्व को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि बाल्यावस्था में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बच्चों के समग्र विकास की मजबूत नींव रखती है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए बाल वाटिका और प्री-प्राइमरी शिक्षा के महत्व के साथ-साथ सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा में सक्रिय सहयोग की अपील की।ईसीसी एजुकेटर ने छह वर्ष पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों की सूची विद्यालय के प्रधानाध्यापक को सौंपी गई।

मंडलीय सहायक सहायक शिक्षा निदेशक श्याम किशोर तिवारी, बीएसए विपिन कुमार, बीईओ मुख्यालय राजेश सिंह, बीईओ सरोजनी नगर आरपी यादव और अभिभावक मौजूद रहे।

प्रतियोगिताएं भी हुईं

अमृत विचार, मलिहाबाद/गोसाईगंज : क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय सरावा फरीदीपुर में इंचार्ज अध्यापिका समीना रिज़वी की अध्यक्षता और खंड शिक्षा अधिकारी पद्म शेखर मौर्य की उपस्थिति में आयोजन हुआ। इसमें आंगनबाड़ी एवं बाल वाटिका के बच्चों के अभिभावक भी शामिल हुए।बच्चों के लिए प्रतियोगिताएं भी कराई गईं। गोसाईगंज क्षेत्र के गांव अस्ती स्थित प्राथमिक विद्यालय बालवाटिका के लिए 10 बच्चे चिह्नित किए गए। सात बच्चों का कक्षा-1 में प्रवेश कराया गया। ग्राम प्रधान सुमन देवी, इंचार्ज प्रधानाध्यापक जगत पाल, नूर जहां, संगीता निगम, एसएमसी अध्यक्ष गोमती प्रसाद, शिक्षामित्र संघ के ब्लॉक अध्यक्ष संजय शर्मा और अभिभावक उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

उद्योग आधारित प्रशिक्षण पर जोर

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को लेकर कौशल विकास पर सरकार ने जोर बढ़ा दिया है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के सशक्तिकरण और उद्योग आधारित प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया। मंत्री बुधवार को विभागीय अधिकारियों के साथ योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से आधुनिक प्रशिक्षण मॉडल विकसित करने और युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुसार तैयार करने पर चर्चा हुई। बैठक में डेलॉइट के प्रतिनिधियों ने भविष्य उन्मुख कौशल, नई तकनीकों और बदलते औद्योगिक परिदृश्य के अनुरूप प्रशिक्षण की आवश्यकता पर प्रस्तुति दी।

जनभवन स्कूल में दाखिले के लिए किया प्रेरित

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल के निर्देश पर जन भवन के अधिकारियों ने मंगला देवी विद्यालय और मॉडल मॉन्टेसरी स्कूल में नामांकन प्रोत्साहन शिविर आयोजित किए। इस दौरान अभिभावकों को प्रेरित करते हुए बताया गया कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मंशा है कि अधिक से अधिक बच्चे जन भवन स्थित आदर्श माध्यमिक विद्यालय में प्रवेश लें, जहां उन्हें उच्च गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर के दौरान अधिकारियों ने अभिभावकों और बच्चों को विद्यालय में उपलब्ध शैक्षिक सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, स्कूल की विशेषताओं को दर्शाती एक वीडियो फिल्म के माध्यम से प्रस्तुतीकरण भी किया गया, जिससे अभिभावकों को विद्यालय की व्यवस्था और वातावरण की बेहतर समझ मिल सके।

कर्मचारियों को मिला एआई का प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) निदेशक पुलकित खरे ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के उपयोग से प्रशासनिक कार्यों में गति और गुणवत्ता दोनों में सुधार संभव है। मिशन निदेशक, बुधवार को यूपीएसडीएम में प्रशासनिक कार्यों को आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए दो दिवसीय एआई विषयक कार्यशाला में अध्यक्षता करते हुए संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में हिमाचल प्रदेश से आए विशेषज्ञों की टीम ने करीब छह घंटे के प्रशिक्षण सत्र में कर्मचारियों को एआई के व्यावहारिक उपयोग से अवगत कराया। विभिन्न एआई टूल्स और सॉफ्टवेयर के माध्यम से यह समझाया गया कि जटिल और समय लेने वाले कार्यों को कैसे सरल बनाया जा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान 'प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग' और ऑटोमेशन पर विशेष जोर दिया गया।

प्रयागराज में 4 से 6 मई तक नॉर्थ टेक संगोष्ठी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रयागराज में 4 से 6 मई तक भारतीय सेना द्वारा, सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) के समन्वय से नॉर्थ टेक संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। यह घोषणा बुधवार को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित बैठक में की गई। नॉर्थ टेक सिम्पोजियम 2026 का आयोजन भारतीय सेना की उत्तरी और मध्य कमानों द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। यह पहल दोनों कमानों के परिचालन संबंधी दृष्टिकोणों को एकीकृत करती है। सिम्पोजियम में उद्योग भागीदारों द्वारा तकनीकी प्रदर्शन किए जाएंगे, जो उद्घाटन समारोह के दौरान जारी किए गए समस्या परिभाषा कथनों (प्रॉब्लम डेफिनिशन स्टेटमेंट) के संकलन और तकनीकी चुनौतियों पर भारतीय सेना के पूर्व प्रकाशनों पर आधारित होंगे।

30 वर्ष पुराने मामले में राज बब्बर बरी

विधि संवाददाता, लखनऊ

- मतदान अधिकारी व अन्य कर्मचारियों से मारपीट करने का था आरोप

अमृत विचार : वर्ष 1996 के चुनाव में मतदान के दौरान मतदान अधिकारी एवं अन्य कर्मचारियों से मारपीट करने के एक मामले में तत्कालीन सपा प्रत्याशी राज बब्बर को निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सजा के फैसले को चुनौती देने वाली अपील को एमपी/एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश हरबंस नारायण ने स्वीकार करते हुए राजबब्बर को आरोपों से बरी कर निचली अदालत के आदेश को रद्द कर दिया।

राज बब्बर बुधवार को अपरान्ह करीब 2 बजे कोर्ट में हाजिर हुए। इसके बाद शाम लगभग साढ़े पांच बजे अदालत ने कांग्रेस नेता राज बब्बर के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उनको निचली अदालत द्वारा सुनाई गई दो साल की कैद और 6500 रुपये के जुर्माने की सजा को समाप्त करते हुए बरी कर दिया। राजबब्बर को सात जुलाई 2022 को एमपीएमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम ने भारतीय दंड संहिता की धारा-143 में छह महीने की कैद और 1000 रुपये का जुर्माना, 332 में दो साल की कैद और चार हजार रुपये जुर्माना, 353 में एक वर्ष की कैद और एक हजार रुपये का जुर्माना और 323 में 6 माह की कैद और 500 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई थी।

पत्रावली के अनुसार, मामले की रिपोर्ट 2 मई 1996 को मतदान अधिकारी कृष्ण सिंह राणा ने थाना वजीरगंज में तत्कालीन सपा प्रत्याशी राज बब्बर एवं अरविन्द यादव समेत अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया था कि मतदान केंद्र संख्या 192/103 के बूथ संख्या-192 पर जब मतदाताओं का आना बंद हो गया, तब वादी मतदान केंद्र से बाहर निकलकर खाना खाने जा रहा था, इसी बीच समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी राजबब्बर अपने साथियों को लेकर मतदान केंद्र में आए एवं फर्जी मतदान का झूठा आरोप लगाने लगे। आरोप था कि आरोपियों ने वादी एवं शिव कुमार सिंह को मारा पीटा, जिससे उन्हें चोट आई।

बीमारी व कलह से तंग दो ने की आत्महत्या

संवाददाता, मोहनलालगंज/सरोजनीनगर

- शव की फोटो सोशल मीडिया पर साझा करने के बाद हुई पहचान

अमृत विचार : मोहनलालगंज क्षेत्र के बक्खाखेड़ा गांव के पास रेलवे लाइन किनारे बुधवार सुबह एक अधेड़ महिला का शव पेड़ से दुपट्टे के सहारे लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद शव की फोटो सोशल मीडिया पर साझा की गई। फोटो देखने के बाद एक युवक ने महिला की पहचान सरोजनीनगर के बेहसा निवासी अपनी दोस्त की मां विमला देवी उर्फ बन्नो चौरसिया (52) के रूप में की। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने भी शव की पुष्टि की।

परिजनों के मुताबिक विमला मूल रूप से उन्नाव के मौरावां की रहने वाली थीं। छह माह पहले घर में गिरने से उनकी कमर की हड्डी टूट गई थी, जिसके बाद से उन्हें चलने-फिरने में काफी दिक्कत होती थी। लंबे समय से दर्द और शारीरिक परेशानी के कारण वह मानसिक तनाव में रहती थीं। मंगलवार सुबह वह पूजा करने के बाद बिना बताए घर से निकल गई थीं। देर शाम तक वापस न लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया बीमारी और तनाव के चलते आत्महत्या की आशंका है। परिजनों ने किसी पर आरोप नहीं लगाया है।

उधर, बिजनौर कस्बे के सरवन नगर में किराये के मकान में रह रहे मजदूर विनोद रैदास (34) ने भी फंदा लगाकर जान दे दी। वह मूल रूप से लखीमपुर खीरी का निवासी था। बताया गया कि होली से पहले शराब पीने को लेकर उसका पत्नी प्रीति से विवाद हुआ था, जिसके बाद पत्नी बच्चों को लेकर मायके चली गई थी। इससे विनोद काफी परेशान रहने लगा और पिछले कुछ दिनों से लगातार शराब पी रहा था। मंगलवार शाम जब उसका चाचा उसे खाने के लिए बुलाने पहुंचा, तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। दरवाजा खोलने पर वह फंदे से लटका मिला। पुलिस दोनों मामलों में जांच कर रही है।

नकल कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़

जूनियर सेक्रेटेरिएट असिस्टेंट परीक्षा : सरगना व सॉल्वर समेत नौ आरोपियों को एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- जाली दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाकर सॉल्वर को लेखक बनाकर बैठाते थे
- एसटीएफ ने विकासनगर सेंट्रल एकेडमी से की गिरफ्तारी

अमृत विचार: सीबीएसई बोर्ड द्वारा आयोजित जूनियर सेक्रेटेरिएट असिस्टेंट परीक्षा व अन्य प्रतियोगी परीक्षा में जाली दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आधार पर लेखक उपलब्ध कराकर नकल कराने वाले गैंग का यूपी एसटीएफ ने भंडाफोड़ किया है। एसटीएफ ने गिरोह के सरगना समेत नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 13 मोबाइल, दो लैपटॉप, 2,70,475 रुपये, एक कार व छह जाली प्रमाण पत्र बरामद हुए हैं। आरोपियों के खिलाफ विकासनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

डीएसपी एसटीएफ विमल कुमार सिंह ने बताया कि 22 मार्च से 25 मार्च 2026 तक सीबीएसई बोर्ड द्वारा आयोजित ईएमआरएस (एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल) भर्ती परीक्षा टियर-2 जूनियर सेक्रेटेरिएट असिस्टेंट परीक्षा को पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराने के लिए यूपी एसटीएफ को लगाया गया था। इसी दौरान सूचना मिली कि प्रतियोगी परीक्षाओं में झांसी, जालौन व उनके समीपवर्ती अन्य जिलों में एक गैंग सक्रिय है। उक्त गैंग बेरोजगारों व उनके अभिभावकों को नौकरी का लालच देकर फंसाते हैं। स्वस्थ प्रतियोगी अभ्यर्थियों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाकर प्रतियोगी परीक्षाओं में दिव्यांग घोषित कर फर्जी तरीके से बनाए गए मेडिकल प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर परीक्षा में उनके लिए लेखक का उपयोग कर ठगी करते हैं।

छानबीन में पता चला कि विकासनगर सेक्टर-4 स्थित सेंट्रल एकेडमी परीक्षा केंद्र पर फर्जी तरीके से लेखक के सहयोग से परीक्षा दी जा रही है। इस सूचना पर एसटीएफ व विकासनगर पुलिस की संयुक्त टीम ने परीक्षा केंद्र से सॉल्वर बनकर बैठे 8 व्यक्तियों को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद गोरखपुर से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। पूछताछ एवं अभिलेखीय साक्ष्य के आधार पर 9 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया।

एसटीफ की गिरफ्त में परीक्षा में नकल कराने के आरोपी गिरोह के सदस्य। अमृत विचार

पकड़े गए आरोपियों में राज किशोर निवासी ग्राम भरोसा मोंठ झांसी, नीरज झा निवासी विजय विहार रोहिणी दिल्ली, राम मिलन निवासी काशीपुर पूंछ झांसी, सत्यम कुमार निवासी रविनगर कोतवाली सदर सहारनपुर हालपता सेक्टर-7 जानकीपुरम विस्तार, मनीष मिश्र निवासी सलफान अशोक सिटी मेडिकल कालेज झांसी, आकाश अग्रवाल निवासी मातापुरा मोठ झांसी, सौरभ सोनी निवासी ग्राम मोठ मोहल्ला मनभरनपुर झांसी, अभिषेक यादव निवासी सुभाष नगर कोंच जालौन और दीपक कुमार निवासी अढ़हनपुर मुसाफिर अमेठी हैं।

सरगना मनीष ने पूछताछ में कबूला कि उसका गिरोह सरकारी एवं सार्वजनिक विभागों में ऑफलाइन परीक्षा केंद्रों पर दिव्यांगता श्रेणी के अभ्यर्थियों का प्रश्न पत्र हल कराने के लिए साल्वरों को प्रवेश कराकर अभ्यर्थियों के प्रश्नपत्र को हल कराकर ठगी करता है। सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

जमखनवा में पूर्व प्रधान समेत तीन घरों में चोरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- नकदी और जेवर सहित लाखों रुपये का सामान लेकर फरार
- घटना के वक्त परिवार के लोग घर में सो रहे थे

अमृत विचार: इटौंजा क्षेत्र के जमखनवा गांव में मंगलवार देर रात चोरों ने दुस्साहसिक वारदात को अंजाम देते हुए पूर्व प्रधान समेत तीन घरों में चोरी कर ली। घटना के समय सभी परिवारजन घरों में सो रहे थे। चोर नकदी और जेवर सहित लाखों रुपये का सामान लेकर फरार हो गए। सूचना पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव निवासी सुनील पांडेय के मुताबिक, वह परिवार के साथ रात में भोजन कर सो गए थे। देर रात चोर दीवार फांदकर घर में घुसे और कमरे में रखा बक्सा उठा ले गए, जिसमें 32 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवर रखे थे। इसके बाद चोरों ने पूर्व प्रधान सौरव गुप्ता के घर को निशाना बनाया। घर पर रह रहे शुभम अवस्थी को बाहर से कुंडी लगाकर बंद कर दिया और अंदर अलमारी का लॉक तोड़कर करीब 20 हजार रुपये चोरी कर लिए।

सुबह जब शुभम की नींद खुली तो दरवाजा बाहर से बंद मिला। शोर मचाने पर पहुंचे पड़ोसियों ने कुंडी खोलकर उन्हें बाहर निकाला। वहीं चोरों ने पूर्व प्रधान रमेश तिवारी के घर में भी दीवार के सहारे प्रवेश किया। छत पर सो रहे उनके बेटे को भनक नहीं लगी और चोर कमरे से दो बैग उठा ले गए, जिन्हें बाद में खेत में छोड़कर फरार हो गए।

इसके अलावा चोरों ने रमेश रावत के घर में सेंध लगाने की कोशिश की, लेकिन आहट पाकर जागे ग्रामीणों के शोर मचाने पर बदमाश मौके से भाग निकले। बुधवार सुबह पीड़ित परिवारों ने इटौंजा थाने में शिकायत दर्ज कराई।

आवास विकास में ओटीएस स्कीम 18 से

90 दिन तक किश्त जमा न करने वाले आवंटी डिफाल्टर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : आवास विकास में एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) 18 अप्रैल से लागू होगी। इसमें तीन महीने तक किश्त न जमा करने वाले डिफाल्टर आवंटियों को धनराशि जमा करने का एक अवसर दिया जाएगा।

संपत्ति का प्रकार	प्रोसेसिंग फीस	प्रारंभिक धनराशि
	(रुपये में)	
ईडब्ल्यूएस भूखंड-भवन	100	5000
एलआईजी भूखंड-भवन	500	10,000
मिश्रित श्रेणी की सम्पत्ति	2100	50000
ग्रुप हाउसिंग	11000	500000
संस्थागत सम्पत्तियां	11000	500000
व्यावसायिक सम्पत्तियां	11000	500000
मानचित्र	5000	200000

परिषद से आवंटन या नीलामी के माध्यम से सभी प्रकार की संपत्ति खरीदने वाले आवंटियों को ओटीएस योजना का लाभ मिलेगा। योजना के तहत ऐसे डिफाल्टर आवंटियों से दंड ब्याज न लेकर साधारण ब्याज लिया जाएगा। इस योजना में डिफाल्टर आवंटी तीन महीने तक आवेदन कर सकेंगे। आवास विकास के सम्पत्ति कार्यालय प्रबंधकों ने ओटीएस योजना के लिए सभी डिफाल्टर आवंटियों को नोटिस भेजना शुरू कर दिया है। आवेदन के समय प्रोसेसिंग फीस और प्रारंभिक धनराशि जमा करनी होगी।

आभा आईडी बनाने में लक्ष्य से 9 करोड़ दूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डिजिटल हेल्थ सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए मंडल स्तरीय सम्मेलन

अमृत विचार: प्रदेश में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) को जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग की सचिव डॉ. रितु माहेश्वरी ने बताया कि प्रदेश में 24 करोड़ आभा आईडी बनाने का लक्ष्य है, जिसके सापेक्ष अब तक लगभग 15 करोड़ आईडी बनाई जा चुकी हैं। इनमें करीब 40 लाख आईडी निजी अस्पतालों द्वारा बनाई गई हैं।

स्वास्थ्य सचिव बुधवार को राजधानी स्थित निजी होटल में अपर मुख्य सचिव डॉ. अमित घोष के निर्देशन में आयोजित मंडल स्तरीय आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन सम्मेलन में संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि एबीडीएम से 76 हजार अस्पताल और 1.05 लाख चिकित्सक जुड़ चुके हैं। साथ ही उन्होंने आभा आईडी के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने, इसे हेल्थ रिकॉर्ड से जोड़ने और आभा आधारित ओपीडी, फार्मेसी व लैब सेवाओं को व्यापक स्तर पर लागू करने के निर्देश दिए।

उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित करतीं सचिव डॉ. रितु माहेश्वरी।

सम्मेलन में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी और लोकबंधु अस्पताल सहित कई संस्थानों के बेहतर प्रदर्शन को सराहा गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थानों लोकबंधु अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा राम सागर संयुक्त जिला अस्पताल को सर्वाधिक आभा आधारित ओपीडी पंजीकरण करने के लिए क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। इसी क्रम में लोकबंधु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय के नोडल ऑफिसर डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी तथा डाटा एग्जीक्यूटिव जुऐद अहमद को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

प्रदेश सरकार कर रही फर्जी एमओयू

अखिलेश यादव

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार झूठे प्रचार और दिखावे के लिए नकली एमओयू करती है। इस सरकार ने जितने एमओयू किए हैं, उसमें ज्यादातर फर्जी हैं। एआई की एक कंपनी 2025 में बनी, उसकी वेबसाइट 2025 की है, 2026 में उससे 25 हजार करोड़ का एमओयू हो गया। इसके डायरेक्टर्स की कोई वैल्यू नहीं है, कोई वेल्थ नहीं है। कहां से आकर इतना बड़ा एमओयू कर लिया। सपा प्रमुख बुधवार को पार्टी मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इसके पहले भी ऐसे कई एमओयू पकड़े गये थे, जिन कंपनियों के पास कुछ भी नहीं था, लेकिन उन्होंने हजारों करोड़ का एमओयू कर लिया। मुख्यमंत्री और भाजपाई निवेश का हवा-हवाई दावा करते हैं। जमीन पर कोई निवेश नहीं दिख रहा है। कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार चरम पर है। बिना कमीशन के कोई काम नहीं हो रहा है।

युवाओं को 'सहायक ग्राम प्रहरी' के रूप में जोड़ने का दिया सुझाव

अमृत विचार, लखनऊ : ग्राम चौकीदारों को ग्रामीण सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ बताते हुए विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने कहा कि चौकीदार सशक्त होंगे तो ग्रामीण भारत और अधिक सुरक्षित बनेगा। उन्होंने कहा कि चौकीदार गांव की आंख और कान होने के साथ ही पुलिस के लिए सूचना का प्रमुख स्रोत हैं। राजधानी स्थित खुर्रमनगर में चौकीदार प्रदेश समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उडॉ. निर्मल ने कहा कि वर्तमान समय में केवल चौकीदारों के भरोसे पूरे गांव की सुरक्षा संभव नहीं है। इसके लिए ग्रामीणों की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि गांवों में रात की संयुक्त पेट्रोलिंग को बढ़ावा दिया जाए और युवाओं को 'सहायक ग्राम प्रहरी' के रूप में जोड़ा जाए।

पीडीए है परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी

पंकज चौधरी

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सपा का तथाकथित पीडीए कोई सामाजिक न्याय का अभियान नहीं, बल्कि परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी है, जिसका उद्देश्य केवल एक परिवार की राजनीति को आगे बढ़ाना है। पंकज चौधरी ने कहा कि बुलडोजर कार्रवाई से वही लोग डरते हैं, जिनका संबंध माफियाओं और दंगाइयों से रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई गरीबों पर नहीं, बल्कि उन भू-माफियाओं और अपराधियों पर हो रही है, जिन्हें सपा सरकार के दौरान संरक्षण मिला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सपा शासनकाल में पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक सबसे ज्यादा पीड़ित रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा की राजनीति हमेशा परिवार पहले, दल बाद में और जनता सबसे बाद में- के सिद्धांत पर चली है।

श्रम संहिताओं में गिग वर्कर्स को मिली पहचान : डॉ.शन्मुगा सुंदरम

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में गिग एवं प्लेटफॉर्म वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने के लिए सरकार ने पहल तेज कर दी है। प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन डॉ. शन्मुगा सुंदरम् ने कहा कि श्रम संहिताओं में पहली बार गिग वर्कर्स को स्पष्ट पहचान दी गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अनुमानित 14-15 लाख गिग वर्कर्स हैं, जबकि अब तक करीब 1.34 लाख का ही पंजीयन हुआ है। इस अंतर को कम करने के लिए तेजी से काम करने की जरूरत है। प्रमुख सचिव बुधवार को उप्र.राज्य सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संबोधित कर रहे थे। इस कार्यशाला में वर्कर्स, ट्रेड यूनियनों, एग्रीगेटर्स और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर गिग वर्कर्स की समस्याओं और आवश्यकताओं पर खुलकर चर्चा की।

प्रीपेड स्मार्ट मीटर सुधार का समाधान नहीं : परिषद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कहा- नामचीन बिजली कंपनियों ने नहीं लगाए स्मार्ट मीटर

अमृत विचार: बिजली उपभोक्ताओं पर जबरन थोपे जा रहे प्रीपेड स्मार्ट मीटर को लेकर राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं की रेटिंग में ए-प्लस पाने वालीं देश की 36 शीर्ष बिजली कंपनियों ने प्रीपेड स्मार्ट मीटरों को नहीं अपनाया है। इससे साफ है कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर दक्षता और वित्तीय सुधार का समाधान नहीं है। ऐसे में प्रदेश के पावर कारपोरेशन द्वारा प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाना समझ से परे है।

परिषद के अध्यक्ष ने बताया कि निजी क्षेत्र की बिजली कंपनियों जैसे नोएडा पावर कंपनी और टोरेंट पावर में अभी तक प्रीपेड स्मार्ट मीटरिंग का व्यापक क्रियान्वयन नहीं किया गया है। इसके विपरीत सरकारी वितरण कंपनियों पर इस प्रणाली को तेजी से लागू किया जा रहा है, जिससे नीति के संतुलन एवं उद्देश्य पर सवाल उठते हैं। स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग पूरी तरह से संचार नेटवर्क पर आधारित है। नेटवर्क फेल होने पर रिचार्ज अपडेट और कनेक्शन का दोबारा जोड़ने में काफी विलंब होता है। उन्होंने कहा कि नेगेटिव बैलेंस के कारण डिस्कनेक्ट होने के बाद भुगतान करने के बाद भी प्रदेश के करीब दो लाख घरों में आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है।

समस्या | घटनाओं के सापेक्ष पोस्ट बाइट वैक्सीन की उपलब्धता कम

पशु चिकित्सालयों पर एंटी रेबीज वैक्सीन की कमी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पशुपालक खरीदकर लगवाते वैक्सीन या कर देते हैं अनदेखा

अमृत विचार : प्रदेश में संचालित राजकीय पशु चिकित्सालयों में एंटी रेबीज की प्री और पोस्ट बाइट वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में नहीं है। प्री- यानी सिंगल डोज पशु को रेबीज से बचाने के लिए पहले से लगाया जाता है, जबकि पोस्ट बाइट वैक्सीन गाय, भैंस, बकरी आदि को कुत्ता, नेवला, बंदर, छछूंदर के काटने यानी बाइट की घटना पर लगते हैं।

इन घटनाओं पर पोस्ट बाइट वैक्सीन की जरूरत ज्यादा होती है। इसके पूरे पांच डोज लगते हैं। विभाग भले ही आपूर्ति का दावा करता हो लेकिन, चिकित्सकों के अनुसार उन्हें मांगने पर पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में पशुपालक घटना के समय मेडिकल स्टोर से वैक्सीन खरीदकर लगवाते हैं तो कई के अनदेखा करने से रेबीज ग्रस्त पशु तड़पकर मर जाते हैं। ज्यादा परेशानी आवारा पशुओं से होती है। इनके संक्रमित होने से रेबीज एक से दूसरे में फैलता है और इन्हें बचाने की कोई व्यवस्था नहीं है। यदि संक्रमित पशु किसी अन्य पशुओं या मनुष्य को काटते या चाटते हैं तो उनकी लार से वह रेबीज का शिकार हो जाते हैं।

बांटी 2.52 लाख वैक्सीन, कई चिकित्सालय वंचित

वैक्सीन की आपूर्ति पशुपालन निदेशालय जिलों पर करता है। इस वित्तीय वर्ष में प्रदेश में करीब 24 हजार प्री बाइट और 2.52 लाख पोस्ट बाइट वैक्सीन की आपूर्ति की गई है। इसके अतिरिक्त 10 फीसद वैक्सीन रिजर्व हैं। फिर भी लखनऊ, प्रतापगढ़, उन्नाव, कानपुर समेत अन्य जिलों के कुछ चिकित्सालयों पर दोनों वैक्सीन नहीं है। जिन चिकित्सालयों पर बिजली कनेक्शन या फ्रिज नहीं है तो वहां वैक्सीन नहीं है। कुछ चिकित्सक तो वैक्सीन एक्सपायर होने के डर नहीं उठाते हैं। यदि इस्तेमाल न हुई तो उन पर कार्रवाई का प्रावधान है।

जिम्मेदारों के नहीं उठते फोन

इस संबंध में पशुपालन विभाग के निदेशक प्रशासन एवं विकास डॉ. मेम पाल सिंह और निदेशक रोग नियंत्रण डॉ. राजेंद्र प्रसाद से उनका पक्ष जानना चाहा तो फोन नहीं उठे। व्हाटसएप मैसेज पर भी किसी तरह का जवाब नहीं दिया। खबर के संबंध अक्सर इन जिम्मेदार अफसरों के फोन नहीं उठते हैं।

आम में लगा दहिया रोग, कम होगी पैदावार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : पिछले सप्ताह हुई बारिश से आम बेल्ट पर असर पड़ा है। दहिया रोग लगने से पेड़ों पर आई बौर काली पड़ गई है। इससे इस बार आम की पैदावार कम होगी। बागवान भी फसल बर्बाद देखकर चिंतित हैं और रोकथाम के इंतजाम कर रहे हैं।

जिले के मलिहाबाद, रहिमाबाद, काकोरी, माल और बीकेटी में इस बार आई अधिक आम की बौर ने बागवानों के चेहरे खिला दिए थे। उम्मीद थी कि इस बार आम की अधिक पैदावार होगी। लेकिन, पिछले सप्ताह हुई बारिश ने मेहनत और फसल पर पानी फेर दिया। बारिश से दहिया रोग फैल गया है। इससे पेड़ों पर आए बौर काले पड़कर झड़ने लगे हैं। ऐसे में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ कृषि विज्ञानी डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने बताया कि बौर काले पड़ने से उत्पादन पर प्रभाव पड़ेगा। बागवानों को चाहिए कि वह पहले दहिया रोग नियंत्रण के उपचार करें। इसके लिए एक ग्राम हेक्झाकोनॅझोल और .3 एमएल इमिडाक्लोप्रिड प्रति लीटर पानी में मिलाकर पेड़ों में छिड़काव करें। इससे दहिया रोग खत्म हो जाएगा।

पूर्व की सरकारें अपने परिवार तक सीमित रहीं: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने 136 परिवारों को सौंपे आवास के कागजात

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार: जनपद पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 136 परिवारों को आवास, शौचालय व भूमि के पट्टों का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर हमला बोला। बुधवार को मिहींपुरवा के सेमरहना ग्राम में उन्होंने कहा महर्षि बालार्क की पावन साधनास्थली, महराज सुहेलदेव के शौर्य पराक्रम की धरा है। आज से 1 हजार वर्ष पहले जिस धरती पर महराज सुहेलदेव ने अपने शौर्य और पराक्रम के तेज से विधर्मियों और विदेशी आक्रांताओं को नेस्तनाबूद कर, भारत की सनातन ध्वजपताका को जीवंत बनाये रखने के लिए अप्रतिम शौर्य और तेज का परिचय दिया था, आज 1 हजार वर्ष बाद भी उनका शौर्य पराक्रम हम सबको प्रेरणा दे रहा है। उन्होंने विपक्षी दलों पर हमला करते हुए कहा कि पूर्व सरकारें केवल अपने परिवार तक सीमित रहीं इसलिए विकास के नाम पर परेशान जनता को कोई सुविधा नहीं मिली। जिन लोगों को पिछली सरकारों ने भुला दिया था पिछली सरकारों की संवेदना जिनके लिए कभी नहीं जगी उन 500 परिवारों को एक नए जीवन के लिए आगे बढ़ने के लिए ये मंच और मैं स्वयं इस मिहींपुरवा में उपस्थित होकर उनके पुनर्वास करने के लिए आये हैं। उन्होंने कहा कि यहां के लोग जंगल के बीच में एक ओर बाघ, हाथी व तेंदुए का खतरा और नदी की ओर से मगरमच्छ का खतरा, जंगल के बीच से अजगर और विषैले सांपों के खतरों से पैदा होने वाली स्थिति के बीच ये 500 लोग रह रहे थे। आज हमने उन 500 लोगों को जंगल से निकालकर इन्हें पुनर्वासित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा सेमरहना में बनने वाले घरों को कॉलोनी के रूप में विकसित किया जाना चाहिए व इस कॉलोनी का नाम भरतपुर रखा जाए।

देवीपाटन धाम में मां पाटेश्वरी की पूजा करते सीएम योगी आदित्यनाथ।

कतर्नियाघाट: बाघिन अपने दो बच्चों के साथ देखी गई

बहराइच, अमृत विचार : दुधवा टाइगर रिजर्व के कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग से वन्य जीव प्रेमियों के लिए एक सुखद खबर सामने आ रही है। पिछले कुछ वर्षों में बाघों की असमय मृत्यु और कुछ बाघों को अन्य चिड़ियाघरों में स्थानांतरित किए जाने के बाद, अब कतर्नियाघाट के जंगलों में बाघों का कुनबा एक बार फिर तेजी से बढ़ता दिखाई दे रहा है। निशानगाढ़ा रेंज में हाल ही में सफारी शुरू होने के दौरान एक मादा बाघिन अपने दो बच्चों के साथ देखी गई तथा कतर्नियाघाट रेंज के पीडब्ल्यूडी रोड पर एक बाघिन को अपने तीन नन्हें शावकों के साथ आराम करते देखा गया।

2.72 करोड़ की वसूली के आदेश

बाराबंकी, अमृत विचार : जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने टोल अनुबंधों से जुड़े दो मामलों में सख्त कार्रवाई करते हुए 2.72 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली के आदेश दिए हैं। पहले मामले में शिवचन्द्र त्रिपाठी द्वारा जनवरी 2025 से जनवरी 2026 तक शहावपुर टोल प्लाजा के संचालन के अनुबंध में भारी स्टाम्प शुल्क की कमी पाई गई। जांच में सामने आया कि करीब 29.43 करोड़ रुपये के अनुबंध पर मात्र 200 रुपये का ई-स्टाम्प लगाया गया, जबकि नियमानुसार 1.17 करोड़ रुपये से अधिक शुल्क देय था। इस पर 1,17,73,920 रुपये की कमी और 11,77,000 रुपये जुर्माना लगाते हुए कुल 1,29,50,920 रुपये की वसूली के आदेश दिए गए। दूसरे मामले में ग्राम बारा, तहसील हैदरगढ़ स्थित टोल के संचालन से जुड़े फरवरी 2025 से फरवरी 2026 तक के अनुबंध में स्काईलार्क ई.ईजी. प्रा. लि. द्वारा भी करीब 64.68 करोड़ रुपये के अनुबंध पर केवल 200 रुपये का स्टाम्प शुल्क जमा किया गया, जबकि 1.29 करोड़ रुपये से अधिक शुल्क देय था। इस पर 1,29,37,360 रुपये की कमी और 12,93,000 रुपये जुर्माना लगाते हुए कुल 1,42,30,360 रुपये की वसूली तय की गई। जांच में स्पष्ट हुआ कि दोनों ही अनुबंध 'लीज (पट्टा)' की श्रेणी में आते हैं, जिन पर निर्धारित दर से स्टाम्प शुल्क देना अनिवार्य है। डीएम ने बताया कि दोनों पक्षों को सुनवाई का अवसर दिया गया, लेकिन उनके तर्क संतोषजनक नहीं पाए गए।

लखनऊ नगर निगम

टी.एन.मार्ग, लालबाग, लखनऊ, ई-मेल: nnlko@up.nic.in

ई-निविदा सू०सं०: 466/मु०अ०/2025-26 दिनांक : 24.03.2026

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत अल्पकालिक निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत लखनऊ नगर निगम द्वारा दिनांक 07.04.2026 को 01 कार्य हेतु ई-निविदायें, ई-निविदा पोर्टल https://etender.up.nic.in पर आमंत्रित की जाती हैं, पोर्टल https://etender.up.nic.in पर निविदा के साथ जमानत धनराशि एवं निविदा प्रपत्र की धनराशि आर०टी०जी०एस/एन०ई०एफ०टी०/इण्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल https://induscollect.indusind.com/pay/index.php पर लागिन करके जमा किया जायेगा। ई-निविदा दिनांक 07.04.2026 को अपराह्न 15.00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर प्राप्त की जायेगी जिन्हें दिनांक 07.04.2026 को 16:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। किसी भी ई-निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। अन्य समस्त विवरण/नियम/शर्तें यथा कार्य का नाम, आगणन धनराशि, निविदा प्रपत्र की धनराशि एवं जमानत धनराशि तथा निविदा प्रपत्र पोर्टल https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं। **मुख्य अभियन्ता**

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई-निविदायें सिंगिल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	106-सिग/टेंडर/71/2025-26
कार्य का नाम	उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के चौकहंडी (CHH) स्टेशन पर, लाइन संख्या 4 के दोनों ओर शंटिंग नेक के प्रावधान के संबंध में S&T कार्य।
अनुमानित लागत	रु.6652388.55/-
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रु.133100.00/-
कार्य पूरा करने की अवधि	365 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	14.04.2026 15:30 Hrs
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/ मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

- ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य हैं।
- समस्त नियम एवं शर्तों निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है।
- मैनुउल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी।
- निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेंमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू. सं. 106-सिग/टेंडर/71/2025-26 दिनांक : 24.03.2026 1024/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी/हजरतगंज, मंडल रेल प्रबंधक, कार्यालय लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा सूचना संख्या	टीआरडी-04-सीनि0डी0ई0ई0-लखनऊ-26
कार्य का नाम: एनटीपीसी-टांडा में कोयले की गुणवता विश्लेषण के लिए रेलवे वैगनों से ऑगर सैंपलिंग शुरू करने हेतु वैगन ट्रिपलर क्षेत्र के पास ओएचई हटाने के संबंध में ओएचई संशोधन कार्य।	
अनुमानित लागत	रु.37,46,477.67/-
बयाना राशि	रु.74,900.00/-
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह
निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 15.04.2026 को 15.00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15.00 बजे के बाद।
प्रस्ताव की वैधता	निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर चैक की जा सकती है।
पात्रता मापदण्ड	निविदाकर्ता तब तक निविदा डालने योग्य नही है, जब तक कि वह निम्नलिखित पात्रता मापदंड पूरा नही करता: निविदाकर्ता अपने आफर के साथ बिजली के ठेकेदारों के वैध लाइसेंस की प्रमाणित छायाप्रति अवश्य जमा करें।

नोट: इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव नजरअंदाज/खारिज कर दिया जाएगा। पूर्ण विवरण वेबसाईट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं टीआरडी-04-सीनि0डी0ई0ई0-लखनऊ-26 दिनांक: 24.03.2026 999/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या: 09-TMC-HYD-HOSE-2025-26, दिनांक: 24-03-2026

उप मुख्य इन्जी/टीएमसी, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ट्रैक मशीन कार्य हेतु ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रित करते हैं:-

पूर्वोत्तर रेलवे के ट्रैक मशीनों पर, जोनल ट्रैक मशीन डिपो/गो०छा० तथा सैटेलाइट ट्रैक मशीन डिपो/दुल्लहपुर में ब्रेकडाउन या मेजर रिपेयर या रेगुलर मेंटेनेंस के समय क्रीम्प्ड फिटेड हाइड्रोलिक होज की आपूर्ति एवं लगाने का कार्य, स्वीकार पत्र जारी होने की तिथि से 24 माह तक के लिए करना

क्रम सं.-1, खुली निविदा संख्या तथा खुलने की तिथि: 09-TMC-HYD-HOSE-2025-26 खोलने की तिथि 15-04-2026, संक्षिप्त विवरण: पूर्वोत्तर रेलवे के ट्रैक मशीनों पर, जोनल ट्रैक मशीन डिपो/गो०छा० तथा सैटेलाइट ट्रैक मशीन डिपो/दुल्लहपुर में ब्रेकडाउन या मेजर रिपेयर या रेगुलर मेंटेनेंस के समय क्रीम्प्ड फिटेड हाइड्रोलिक होज की आपूर्ति एवं लगाने का कार्य, स्वीकार पत्र जारी होने की तिथि से 24 माह तक के लिए करना-संलग्न शिड्यूल, कॉन्ट्रैक्ट के स्पेशल टर्म एण्ड कण्डीशन के अनुसार, आवश्यक मात्रा: संलग्न शिड्यूल के अनुसार, कार्यस्थल: पूर्वोत्तर रेलवे में कार्यरत ट्रैक मशीनों के वर्किंग साइट या जोनल ट्रैक मशीन डिपो/गो०छा० या सैटेलाइट ट्रैक मशीन डिपो/दुल्लहपुर, कार्य समापन अवधि: 24 माह, अनुमानित निविदा मूल्य (रू०): ₹ 73,59,886.50, बयाना राशि (रू०): ₹ 1,47,200.00

नोट:- (1) उपरोक्त ई-प्रोक्योरमेंट खुली निविदा से सम्बन्धित सम्पूर्ण सूचना एवं निविदा प्रपत्र वेबसाइट *https://ireps.gov.in* पर निविदा बन्द होने की तिथि को 15:00 बजे तक रहेगी। **(2)** उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेण्डरों को चाहिये की की अपना I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class-III, डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **(3)** दर, फाइनेन्शियल दर के पेज पर डिजिटल हस्ताक्षर के साथ ही विचार किया जायेगा। इससे इतर, वेण्डरों द्वारा अन्य वित्तीय इन्ट्री किसी अन्य रूप/लेटर हेड के साथ संलग्न करने पर विचार नहीं किया जायेगा। **(4)** संलग्न किये जा रहे प्रपत्र पर निविदाकर्ता का हस्ताक्षर आवश्यक है। **(5)** बयाना राशि ऑनलाइन जमा किया जायेगा। **(6)** जो निविदाकार अपना आफर देते समय ऐसी शर्तें जो टेण्डर डाक्यूमेन्ट में निहित शर्तो से अलग हों एवं जिनका फाइनेन्शियल इम्पलीकेशन बनता हो, यदि देना चाहें तो, उन शर्तों का फाइनेन्शियल इम्पलीकेशन बताना होगा, इसके लिये प्रमाणित दस्तावेज के साथ गणना शीट अपने आफर के साथ संलग्न करना होगा ताकि उस दशा में फाइनेन्शियल शर्त का प्रभाव निकाल कर निविदाओं को इन्टर-से-पोजिशन ज्ञात किया जा सके। यदि कोई निविदाकर बिना फाइनेन्शियल इम्पलीकेशन की गणना शीट दिये बिना ऐसी शर्तें देता है तो, ऐसे आफर/निविदा को Summarily Reject कर दिया जायेगा, जिसके लिये रेलवे प्रशासन कोई भी पत्राचार स्वीकार नहीं करेगा। **(7)** निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि पूरी निविदा प्रपत्र को सावधानी पूर्वक पढ़ें। **(8)** यदि कोई कठिनाई आती है तो हेल्प डेस्क IREPS की वेबसाइट पर उपलब्ध है जिससे सम्पर्क किया जा सकता है।

(1) उप मुख्य इन्जी०/टीएमसी-9794840218
(2) सीसेई/(टीएमसी)-9794840293

सहायक अधिशासी अभियन्ता/टीएमसी-II,
मुजाधि/डब्लू-525 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरा आधार कार्ड में नाम इरशाद पुत्र मेहदी हसन अंकित है जो कि शुद्ध व सही है। इसे विधिक - विभागीय मान्यता प्रदान की जाए। इरशाद पुत्र मेहदी हसन निवासी ग्राम दाडवापुर रुरगांव कानपुर देहात

सूचना

मैं कुसुम तिवारी पत्नी स्वर्गीय रमाकांत तिवारी ग्राम व पोस्ट सैयद यासीनपुर तहसील कुंडा जिला प्रतापगढ़ की निवासिनी हूं। आर्मी नंबर 1469480K रैंक नायक स्वर्गीय रमाकांत तिवारी मेरे पति के सरकारी दस्तावेज मे मेरा नाम श्रीमती कुसुम देवी दर्ज है जो कि गलत है मेरा वास्तविक नाम श्रीमती कुसुम तिवारी है। मेरा जन्म तिथि 3 मार्च 1964 है। कुसुम देवी व कुसुम तिवारी एक ही व्यक्ति हैं।

सूचना

मैने अपना नाम Shagun Srivastava से बदलकर Pratigya Srivastava कर लिया है। मुझे भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **Shagun Srivastava D/O Lavlesh Srivastava, R/O 32, Vrindavan Vihar, Kalyanpur, Vikas Nagar, District - Lucknow, Uttar Pradesh-226022.**

सूचना

मेरी पुत्री के आधार संख्या 67906130 1987 में त्रुटि वश गलत नाम दीक्षा दीक्षित पुत्री पंकज कुमार दीक्षित दर्ज हो गया है जबकि मेरी पुत्री का सही नाम दिशा दीक्षित पुत्री पंकज कुमार है। आधार में दिशा दीक्षित पुत्री पंकज कुमार निवासी ग्राम पूरे लाऊ पाठक पोस्ट छिवलहा जिला रायबरेली दर्ज किया जाना आवश्यक है।

सूचना

मैने अपना नाम SAIRA BANO से बदलकर SAYRA BANO रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **W/O-MOHAMMAD RAFI ADD-BASAIHIYA TOLA, LAHARPUR, DIST -SITAPUR - 261135 (U.P)**

सूचना

पहले मेरा नाम SHAFEEKUR RAHMAN था अब मैंने बदलकर अपना नाम SHAFIKUR RAHMAN रख लिया है। अब भविष्य में मुझे SHAFIKUR RAHMAN के नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-ABDUL HANNAN R/O, H. NO. 210, VILL BAIJPUR, POST DEVARIYA ALAWAL, GONDA**

सूचना

मैं KAMLESH KUMAR पुत्र GAYA PRASAD, निवासी-43, सेक्टर-जे, एलडीए कालोनी, कानपुर रोड, आशियाना, लखनऊ, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर KAMLESH KUMAR YADAV S/O GAYA PRASAD YADAV कर लिया है, अतः आज से मुझे KAMLESH KUMAR YADAV S/O GAYA PRASAD YADAV के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

मैं GULAM SABIR RAYEEN पुत्र श्री HAJI MOHAMMAD SIDDIQUE RAYEEN, निवासी मोहल्ला-सुटहटी, अमेठी, लखनऊ, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर GULAM SABIR S/O MOHD SIDDIQ कर लिया है, अतः आज से मुझे GULAM SABIR S/O MOHD SIDDIQ के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

सूचित हो कि कुछ जगहों पर मेरा नाम त्रुटिवश MADHURI MISRA तथा जन्मतिथि 27.11.1953 अंकित है। जबकि मेरा सही नाम MADHURI MISHRA व जन्मतिथि 27.11.1954 है। अतः भविष्य में मुझे MADHURI MISHRA व जन्मतिथि 27.11.1954 नाम व जन्मतिथि से जाना व पहचाना जाये। **MADHURI MISHRA W/o RAVINDRA KUMAR MISHRA R/o 128/16 Y Block Kidwai Nagar, Kanpur.**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अनम (Anam), पत्नी आदिल जफर खान, निवासी गोरखपुर (उ.प्र.) यह घोषित करती हूँ कि विवाहोपरांत मैंने अपना नाम अनम से बदलकर अनम खान (Anam Khan) रख लिया है। अतः भविष्य में मुझे सभी सरकारी/गैर-सरकारी अभिलेखों, दस्तावेजों में इसी नाम से ही जाना व लिखा जाए।

न्यूज ब्रीफ

जल संरक्षण के बारे में दी गई जानकारी

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। स्थानीय शिवपति पीजी कॉलेज के भूगोल विभाग के सभागार में बुधवार को विश्व जल दिवस के तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अरविन्द कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप प्रोफेसर अरविन्द कुमार सिंह ने छात्र-छात्राओं को जल संरक्षण के बारे में जानकारी दी। विशिष्ट वक्ता राजू प्रजापति ने छात्र-छात्राओं को अपने आस-पास के पेड़ पौधों से और प्रकृति से जल संरक्षण का उपाय बताया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजक इन्द्रदेव वर्मा ने किया। विश्व जल दिवस क्यों मनाया जाता है और जल संरक्षण की क्या उपयोगिता है? इस विषय में छात्र-छात्राओं को विस्तार से जानकारी दी। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर मुकेश कुमार, डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह (मीडिया प्रभारी), अश्वनी सिंह, रत्नेश सोनी, पंकज सिंह, सुरेन्द्र तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आज खुले रहेंगे न्यायालय, होगा काम

कुशीनगर, अमृत विचार : जिला जज संजीव कुमार त्यागी ने माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के पत्र के क्रम में अवगत कराया है कि जनपद कुशीनगर के दीवानी न्यायालय (पडरौना), बाह्य दीवानी न्यायालय (कसया) तथा ग्राम न्यायालय (तहसील तमकुहीराज एवं हाटा) में राम नवमी के अवसर पर घोषित अवकाश में परिवर्तन किया गया है। उन्होंने बताया कि पूर्व में 26 मार्च को घोषित अवकाश के स्थान पर अब 27 मार्च को अवकाश रहेगा। जबकि 26 को सभी न्यायालय खुले रहेंगे।

बकाया शुल्क/दंड की वसूली मृतक के उत्तराधिकारियों से संभव

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने केस की सुनवाई करते हुए कहा, कानूनी उत्तराधिकारियों की जिम्मेदारी केवल मृतक से प्राप्त संपत्ति तक

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बकाया स्टाम्प शुल्क/दंड की वसूली से जुड़े मामले में स्पष्ट किया कि स्टाम्प अधिनियम, 1899 के तहत देय राशि की वसूली मृतक के कानूनी उत्तराधिकारियों से की जा सकती है। लेकिन उनकी जिम्मेदारी केवल उतनी ही होगी, जितनी संपत्ति उन्हें मृतक से प्राप्त हुई हो। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि उत्तराधिकारी केवल मृतक की संपत्ति के प्रतिनिधि होते हैं, उसके व्यक्तिगत कर्ज के नहीं।

उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र की एकलपीठ ने आगरा निवासी राजकुमार वर्मा व अन्य की याचिका निस्तारित करते हुए की। दरअसल याचियों के पिता पर स्टाम्प शुल्क की कमी और जुर्माना लगाया गया था, जिसकी वसूली हेतु रिकवरी प्रमाणपत्र जारी हुआ था। अपील लंबित रहते हुए उनके निधन के बाद पुत्रों को पक्षकार बनाया गया। याचियों ने तर्क दिया कि उन्होंने पिता से कोई संपत्ति प्राप्त नहीं की, इसलिए उनसे वसूली नहीं की जा सकती। वहीं राज्य ने कहा कि वैधानिक प्रक्रिया के तहत किसी भी माध्यम से वसूली संभव है। अब कोर्ट के समक्ष यह विधिक प्रश्न था कि क्या स्टाम्प अधिनियम, 1899 के अंतर्गत बकाया स्टाम्प शुल्क/दंड की वसूली, उस व्यक्ति की मृत्यु के बाद, उसके कानूनी उत्तराधिकारियों से की जा सकती है? यदि हाँ, तो उनकी देयता की सीमा क्या होगी? इस पक्ष पर विचार करते हुए कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा 181 के अनुसार मृतक के विरुद्ध शुरू या लंबित वसूली कार्यवाही उसके विधिक प्रतिनिधियों के खिलाफ जारी रह सकती है, लेकिन उनकी देयता केवल विरासत में मिली संपत्ति तक सीमित रहेगी। हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि याचियों को वास्तव में कोई संपत्ति प्राप्त हुई या नहीं, तथ्यात्मक जांच का विषय है, जिसे रिट क्षेत्राधिकार में तय नहीं किया जा सकता। अंत में कोर्ट ने याची एक माह में कलेक्टर के समक्ष आपत्ति दाखिल कर सकते हैं। कलेक्टर जांच कर चार माह में कारणयुक्त आदेश पारित करेगा। देयता निर्धारित होने पर विधि अनुसार वसूली की जाएगी, तब तक याचियों पर कोई दमनात्मक कार्रवाई नहीं होगी। इसके साथ ही याची अपनी संपत्तियों में तीसरे पक्ष का अधिकार सृजित नहीं करेंगे और खातों में विवादित राशि के बराबर संतुलन बनाए रखेंगे। कोर्ट ने यह भी निष्कर्ष दिया कि राज्य को वसूली के विभिन्न वैधानिक उपाय अपनाने का अधिकार है, लेकिन यह प्रक्रिया विधिक सीमाओं के अधीन ही होगी।

स्वायत्त संस्थाएं 'सरकारी कार्यालय' की सीमित परिभाषा में शामिल नहीं

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा विज्ञापित उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय (केंद्रीयकृत) सेवा सहायक रजिस्ट्रार परीक्षा-2024 से जुड़े अभ्यर्थियों की याचिकाओं पर विचार करते हुए स्पष्ट किया कि "सरकारी कार्यालय" का दायरा सीमित रूप से ही समझा जाएगा और इसे विस्तारित करने के लिए न्यायालय राज्य को बाध्य नहीं कर सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि केवल वही कर्मचारी "सरकारी कार्यालय" का हिस्सा माने जाएंगे, जिनकी नियुक्ति सीधे राज्य या केंद्र सरकार के नियंत्रण में हो। सार्वजनिक उपक्रम, सरकारी कंपनियां, कॉरपोरेट निकाय या स्वायत्त संस्थाएं इस श्रेणी में स्वतः शामिल नहीं होंगी। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने गीता चंद्रा सहित कई अन्य संबंधित याचिकाएं खारिज करते हुए पारित किया। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि चयन प्रक्रिया में शामिल अन्य अभ्यर्थियों की पात्रता पर उठाई गई आपत्तियां निराधार हैं, यदि उनका अनुभव वास्तविक सरकारी कार्यालय में है। अंत में कोर्ट ने 'सरकारी कार्यालय' की संकीर्ण परिभाषा को बरकरार रखते हुए चयन प्रक्रिया में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया।

पुलिस अधिकारियों पर रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश पर रोक जारी

संभल हिंसा मामला

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को नवंबर 2024 के संभल हिंसा प्रकरण में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर लगी अंतरिम रोक को आगे बढ़ा दिया। यह राहत न्यायमूर्ति समित गोपाल की एकलपीठ ने पूर्व संभल सर्किल अधिकारी अनुज कुमार चौधरी और पूर्व कोतवाली प्रभारी अनुज तोमर की याचिका पर सुनवाई करते हुए दी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पूर्व में पारित अंतरिम आदेश अगली सुनवाई तक प्रभावी रहेगा। सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता पक्ष ने अपना प्रतिवाद हलफनामा दाखिल किया, जिसके जवाब में याचियों को तीन सप्ताह में प्रत्युत्तर दाखिल करने का समय दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 21 अप्रैल 2026 को होगी।

आपराधिक कार्यवाही रद्द करने की मांग वाली याचिकाएं खारिज

वर्ष1984 के सिख दंगों से जुड़ा मामला

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कानपुर में 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े मामलों में आपराधिक कार्यवाही रद्द करने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि इन घटनाओं को "नरसंहार" और "मानवता के खिलाफ अपराध" करार देते हुए कहा कि गवाहों के बयान दर्ज करने में देरी या मूल पुलिस अभिलेखों की अनुपलब्धता के आधार पर कार्यवाही समाप्त नहीं की जा सकती है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की एकलपीठ ने 9 आरोपियों द्वारा दाखिल याचिकाओं से संबंधित कुल सात आवेदनों को खारिज करते हुए पारित किया और कहा कि प्रथम दृष्टया उनके विरुद्ध मामला बनता है और ट्रायल जारी रहना चाहिए।

परिवार न्यायालय से ग्राम न्यायालय में भरण और पोषण वादों का स्थानांतरण वैध : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने परिवार न्यायालय में लंबित भरण-पोषण वादों को ग्राम न्यायालय में स्थानांतरित करने के मामले में स्पष्ट किया कि ग्राम न्यायालय अधिनियम, 2008 के तहत जिला न्यायाधीश को ऐसे मामलों के स्थानांतरण का अधिकार प्राप्त है और इस प्रकार के प्रशासनिक आदेशों में तब तक हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता, जब तक संबंधित वैधानिक प्रावधानों को चुनौती न दी जाए। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन, महाराजगंज और गोरखपुर द्वारा दाखिल याचिकाओं को खारिज करते हुए पारित किया। याचिकाओं में परिवार न्यायालय से ग्राम न्यायालय में भरण-पोषण मामलों के स्थानांतरण संबंधी प्रशासनिक आदेशों को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि परिवार न्यायालय अधिनियम, 1984 और ग्राम न्यायालय अधिनियम, 2008 दोनों विशेष कानून हैं, जो अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य करते हैं और इनका संचालन सामंजस्यपूर्ण व्याख्या के साथ संभव है। कोर्ट ने यह भी माना कि ग्राम न्यायालयों का उद्देश्य न्याय को जमीनी स्तर तक सुलभ और सस्ता बनाना है। कोर्ट ने याचियों के इस तर्क को खारिज किया कि स्थानांतरण से अपील के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ग्राम न्यायालय के आदेश के विरुद्ध सत्र न्यायालय में अपील और उसके बाद संवैधानिक उपाय उपलब्ध रहते हैं, जिससे पक्षकारों के अधिकार सुरक्षित रहते हैं। अतः कोर्ट ने माना कि दोनों कानूनों के बीच कोई ऐसी असंगति नहीं है, जिसे सामंजस्यपूर्ण व्याख्या से हल न किया जा सके, साथ ही टकराव की स्थिति में बाद का कानून प्रभावी होगा। इसी आधार पर कोर्ट ने स्थानांतरण को वैध ठहराते हुए दोनों याचिकाओं खारिज कर दीं।

अदालत ने आरोपी को फांसी की सजा सुनाई

कुशीनगर, अमृत विचार। अपर सत्र न्यायाधीश /विशेष न्यायाधीश पोक्सो एक्ट कुशीनगर द्वारा जिले में आठ वर्षीय मासूम से कुकर्म के बाद हत्या के मामले में कोर्ट ने आरोपी पिंटू उर्फ कोयल को फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट ने इस जघन्य अपराध को रेयरेस्ट ऑफ रेयर श्रेणी में रखते हुए कड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा इस फैसले से न सिर्फ पीड़ित परिवार को न्याय मिला, बल्कि ऐसा कुकर्म करने वालों के लिए एक सख्त नसीहत होगी। बताया जाता है कि अदालत का यह फैसला 13 दिन में आया है। घटना 22 फरवरी की शाम की है। जटहां बाजार थाना क्षेत्र में मासूम गांव में डीजे देखने गया था, जहां से आरोपी उसे बहला-फुसलाकर ले गया। इसके बाद उसके साथ कुकर्म कर हत्या कर दी गई। आरोपी की निशानदेही पर अहम साक्ष्य बरामद हुए। मामले की सुनवाई तेजी से पूरी की गई। कोर्ट ने मामले को लेकर कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी सजा से ही समाज में भय पैदा होगा और अपराधों पर अंकुश लगेगा।

गांजा तस्करी में चार सिपाहियों और आठ तस्करों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार: जिले के रामकोला थाना क्षेत्र में लाखों रुपए के लूट की सूचना झूठी निकली। गांजा तस्करी के बड़े गैंग का खुलासा होने के साथ इसमें शामिल चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है। सिपाही सूरज गिरी गांजा तस्करी के खेल का मास्टरमाइंड था। इनके द्वारा ओडिसा से गांजा लाया जाता था। बिहार के पश्चिमी चंपारण के भितहा थाने के गांव रूपही टाड का रहने वाला गिरोह का सरगना मनोज बिंद अपने नेटवर्क के जरिये गांजा की यह खेप बिहार के विभिन्न शहरों सहित गोरखपुर, कुशीनगर, मऊ आदि जनपदों में भेजता था। बुधवार को इस मामले का पर्दाफाश करते हुए पुलिस टीम ने आरोपित दो सिपाहियों सूरज गिरी उर्फ बाबा व नितेश यादव, सुंदर लाल निषाद, सुरेश यादव को गिरफ्तार कर लिया।अन्य की तलाश में टीमें दबिश दे रही हैं। 21.1 किलोग्राम गांजा, 72,000 रुपये नकद, तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी बरामद हुई है। मामला सामने आते ही एसपी केशव कुमार ने आरोपित चारों सिपाहियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए बर्खास्तगी की कार्रवाई को पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखा है।बीते 20 मार्च को विशुनपुरा थाने के गांव नौगांवा के टोला खैरा निवासी सुंदर लाल निषाद ने डायल 112 पर तीन लाख पांच हजार रुपये लूट की सूचना दी। मुकदमा दर्ज कर जब जांच शुरू की गई तो लूट की घटना तो फर्जी निकली ही पूछताछ और तकनीकी जांच में सुंदर लाल के मोबाइल से गांजे की तस्करी से जुड़ी भारी मात्रा में तस्वीरें और साक्ष्य मिले।

एसपी केशव कुमार ने बताया कि पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह अंतरराज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का सदस्य है। मनोज बिंद इसका सरगना है। गिरोह के सबसे चौंकाने वाले किरदार पुलिस लाइन के चार सिपाही सूरज गिरी उर्फ बाबा, विनोद गुप्ता, जितेंद्र पाल, नितेश यादव निकले। ये पुलिस की वर्दी और निजी वाहनों से गांजे की खेप को पहुंचाते थे।

तीन सीओ व छह एसओ से मांगा स्पष्टीकरण, 24 घंटे की मोहलत

संतकबीरनगर, अमृत विचार। वसूली वारंटों की तामिला और लंबित गिरफ्तारी मामलों में ढिलाई पर पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने सख्ती दिखाई है। उन्होंने तीन क्षेत्राधिकारी (सीओ) और छह थाना प्रभारियों (एसओ) से जवाब-तलब करते हुए 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। जानकारी के अनुसार एडीजी के निर्देश पर जनपद में दो दिवसीय विशेष अभियान चलाया गया था। इस दौरान वसूली वारंटों के निष्पादन और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी की समीक्षा की गई। समीक्षा में धनघटा, महुली, कोतवाली खलीलाबाद, बखिरा, मेंहदावल और दुधारा थाने से अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने और कई स्तर पर लापरवाही उजागर होने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई है। एसपी ने साफ कहा है कि कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लंबित वारंटों के शीघ्र निस्तारण और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए सभी थानाध्यक्षों और तीनों सर्कल के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं।

नाट्य मंचन कर पुरस्कार जीतने वाली पूर्वोत्तर रेलवे की टीम। अमृत विचार

पूर्वोत्तर रेलवे की टीम ने नाट्य मंचन में जीता तृतीय पुरस्कार

गोरखपुर, अमृत विचार। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में 22 से 25 मार्च तक आयोजित अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव-2025 के आखिरी दिन बुधवार को पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस नाट्योत्सव में अखिल भारतीय रेल के कुल 20 नाटक दलों ने भाग लिया। पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय, गोरखपुर की नाटक टीम ने पूर्वोत्तर रेलवे से प्रतिभाग कर नाटक 'प्रेशर' का मंचन किया। इस अवसर पर निदेशक (राजभाषा), रेलवे बोर्ड डॉ. वी. सुगुणा तथा महाप्रबन्धक, आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना विवेक खरे ने पूर्वोत्तर रेलवे, मुख्यालय के नाटक को 'तृतीय पुरस्कार' तथा नाटक 'प्रेशर' में सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेत्री के लिये मानसी यादव को पुरस्कार प्रदान किया। पूर्वोत्तर रेलवे के नाटक टीम के दल प्रबन्धक वरिष्ठ अनुवादक नागेश्वर नाथ श्रीवास्तव एवं नाट्य निर्देशक आसिफ जाहिर रहे।

रेलमदद भारतीय रेलवे की शिकायत निवारण प्रणाली : अश्विनी

नई दिल्ली, अमृत विचार। रेलमदद भारतीय रेलवे की शिकायत निवारण प्रणाली है, जो यात्रियों को शिकायत, सहायता और पूछताछ के लिए एक एकीकृत प्लेटफॉर्म प्रदान करती है। रेलमदद के माध्यम से यात्री हेल्पलाइन नंबर 139, रेलमदद वेब, ऐप और एसएमएस जैसे कई माध्यमों से अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। रेलमदद यात्रियों को उनकी शिकायत के समाधान पर फीडबैक देने की सुविधा भी प्रदान करता है। भारतीय रेलवे अपनी ट्रेनों में हर साल लगभग 58 करोड़ भोजन परोसता है, जिनमें शिकायतों की औसत दर केवल लगभग 0 .0008% है, जिसमें अधिक वसूली (ओवरचार्जिंग) से संबंधित शिकायतें भी शामिल हैं। यह जानकारी रेल, मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में दी।

घरेलू गैस की किल्लत से करनी पड़ रही मशक्कत

मेंहदावल (संतकबीरनगर)

अमृत विचार। जनपद में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत ने उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ा दी है। मेंहदावल नगर पंचायत स्थित शिवांशु गैस सर्विस पर बुधवार को सिलेंडर पहुंचते ही उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। स्थिति को नियंत्रित करने में एजेंसी कर्मचारियों और पुलिस प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

मंगलवार को गैस सिलेंडर की आपूर्ति न होने से नाराज उपभोक्ताओं ने मेंहदावल-खलीलाबाद मार्ग जाम कर विरोध प्रदर्शन किया था। करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद पुलिस ने जाम खुलवाया। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका। बुधवार को एजेंसी पर 1008 सिलेंडर वितरण के लिए पहुंचे, जबकि उपभोक्ताओं की संख्या 1500 से अधिक रही। मांग के मुकाबले आपूर्ति कम होने से लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ा, जिससे नाराजगी बढ़ती जा रही है। एजेंसी परिसर में रोजाना भीड़ और विवाद की स्थिति बन रही है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि प्रशासन गैस किल्लत को लेकर संतोषजनक व्यवस्था नहीं कर पा रहा है। वहीं, एजेंसी प्रबंधक रामकेश मिश्रा का कहना है कि उपलब्ध सिलेंडरों का पारदर्शी तरीके से वितरण किया जा रहा है और लगातार आपूर्ति के बावजूद भीड़ कम नहीं हो रही है।

महाप्रबंधक ने निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने बुधवार को पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय स्थित राजभाषा विभाग के लाल शुक्ला हिंदी पुस्तकालय एवं वाचनालय, केन्द्रीय ग्रंथालय, आवासीय कॉलोनियों के साथ ही ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय में हो रहे नाले के निर्माण का निरीक्षण किया। उनके साथ प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी मनोज कुमार, मुख्य इंजीनियर/पी एण्ड डी आर.सी. श्रीवास्तव, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह, सचिव/महाप्रबन्धक आनन्द ऋषि श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ रेल अधिकारी भी मौजूद रहे।

निरीक्षण करते महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर।

महाप्रबन्धक ने प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी कार्यालय में राजभाषा अनुभाग में स्थापित लाल शुक्ला हिंदी पुस्तकालय एवं वाचनालय, महिला कॉमन रूम, प्रसाधन आदि का निरीक्षण किया तथा इसमें आवश्यक सुधार लाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। इसके पश्चात महाप्रबन्धक ने कार्मिक विभाग के केन्द्रीय ग्रंथालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने केन्द्रीय ग्रंथालय में शीर्षक सूची, लेखक सूची, अध्ययन कक्ष, पत्रिका एवं समाचार अध्ययन कक्ष तथा कार्यालय का निरीक्षण किया एवं पुस्तकालय में रखे विभिन्न प्रकार की पुस्तकों का अवलोकन किया तथा उन्होंने पुस्तकों के समुचित रखरखाव पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये और बेहतर और जन उपयोगी बनाये रखने हेतु सुझाव दिया।

रेल संरक्षा आयुक्त ने किया निरीक्षण

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे के भटनी-औंड़िहार रेलखण्ड पर पिवकोल-सलेमपुर-लार रोड (14 .51 किमी) रेल खण्ड का दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण होने के बाद बुधवार को रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल प्रणजीव सक्सेना ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी(निर्माण) अभय कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक (वाराणसी) आशीष जैन सहित मुख्यालय, मंडल तथा रेल विकास निगम लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। रेल संरक्षा आयुक्त ने यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। ओ.एम.एस. स्पेशल ट्रेन से पिवकोल से लार रोड रेल खण्ड का स्पीड ट्रायल 127 किमी/घंटे की अधिकतम रफ्तार से पूरा किया।

नकली सोना थमाकर कुशीनगर के व्यापारी से 8 लाख रुपये की ठगी

जिला संवाददाता, संतकबीरनगर।

अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र में नकली सोना देकर 08 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। कुशीनगर के एक गल्ला व्यापारी को झांसे में लेकर आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ने दो नामजद समेत चार आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। कुशीनगर जनपद के खड्डा के रहने वाले सन्नी कुमार गुप्ता पुत्र अयोध्या प्रसाद गुप्ता का आरोप है कि वह गल्ला कारोबारी है। करीब एक वर्ष पूर्व उसकी पहचान नेपाल के नवल परासी जिले के कुसम्हा गांव निवासी एक व्यक्ति से हुई थी। उक्त व्यक्ति ने उन्हें सोने के कारोबार में अधिक मुनाफा होने का लालच दिया और व्हाट्सएप कॉल के जरिए अपने एक साथी से बात कराकर भरोसा दिलाया। पीड़ित के अनुसार, 14 मार्च 2026 को उसे खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के जिगिना गांव के पास केनौना तालाब के दक्षिण सड़क पर बुलाया, जहां आरोपियों ने सोने की खरीद-फरोख्त का प्रदर्शन कर उसका विश्वास जीत लिया। इसके बाद 23 मार्च को दोबारा मिलने का समय तय हुआ। आरोप है कि नेपाली व्यक्ति के साथ वह महाराजगंज जिले के निचलौल से कुर्थिया पेट्रोल पंप के पास पहुंचा, तभी एक अन्य युवक बिना नंबर प्लेट की बाइक से आया और उसे केनौना तालाब के पास ले गया।

आस्था | राम नवमी पर काशी में मठ से लेकर मंदिरों और घरों तक में होंगे अनुष्ठान

19 नदियों व 22 कुंडों के जल से होगा श्रीराम का अभिषेक

वाराणसी, अमृत विचार। जिले में प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव पर मठ से लेकर मंदिरों और घरों में अनुष्ठान होंगे। घरों में रामनवमी की पूजा होगी। अखंड रामायण, मानस पारायण, सुंदरकांड का पाठ होगा।

चैत्र नवरात्र की नवमी तिथि पर मां भगवती के पूजन-अर्चन के साथ प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव भी मनाया जाएगा। दक्षिण से उत्तर भारत के भक्त काशी में रामनवमी की पूजा करेंगे। प्रभु श्रीराम के जन्म पर देश की 19 नदियों, समुद्र और रामेश्वरम मंदिर में मौजूद 22 कुंडों के वाल्मीकि रामायण के पारायण से पूजित जल से अभिषेक होगा। शोभायात्राएं निकाली जाएंगी। घरों से लेकर मठ, आश्रमों और मंदिरों में कन्या पूजन के साथ प्रभु के जन्मोत्सव पर अनुष्ठान होंगे। वासंतिक नवरात्र में सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि पर पूजन का विशेष महत्व है। मठ और मंदिरों में खासकर इन तीनों दिन देवी की पूजा होगी। मगर, रामनवमी पर मंदिरों से लेकर घरों तक पूजा होगी। महिलाएं विशेष पूजा करेंगी।

श्रीराम जानकी मंदिर अस्सी, श्रीराम मंदिरों में विशेष अनुष्ठान होंगे। घरों में रामनवमी की पूजा होगी। अखंड रामायण, मानस पारायण, सुंदरकांड का पाठ होगा। अस्सी घाट के पास से रामकथा मंदाकिनी संस्था की ओर से गंगा में राममंदाकिनी यात्रा निकाली जाएगी। बजड़ों पर श्रद्धालु शामिल रहेंगे। नागरिक संघ की ओर से राजेंद्र प्रसाद घाट पर प्रभु श्रीराम की आरती होगी।

कलाकारों और कवियों की प्रस्तुतियां होंगी। आनंदमयी आश्रम, भोला गिरि आश्रम, विश्वनाथ मंदिर के पास कालिका गली, शिवपुर में मां दुर्गा की प्रतिमा रखकर सप्तमी से दशमी तक पूजा होगी। श्रीरामतारका आंध्रा आश्रम में 10 दिवसीय अनुष्ठान के तहत श्रीरामनवमी पर प्रभु श्रीराम का 19 नदियों, समुद्र और रामेश्वरम मंदिर के 22 कुंडों के जल से अभिषेक होगा।

आश्रम में प्रबंधक वीवी सुंदरम् शास्त्री ने बताया कि एक लाख से ज्यादा गायत्री मंत्र और वाल्मीकि रामायण के पारायण से ये जल पूजित है। बीते एक साल से ये जल एकत्र किया जा रहा है। कीनाराम आश्रम, पातालपुरी मठ सहित अन्य मठों में रामनवमी की पूजा होगी। हनुमान मंदिर पुराना पान दरीबा से श्रीराम ध्वजा यात्रा निकाली जाएगी।

ये नदियों के जल से होगा अभिषेक

हरिद्वार, काशी के गंगा, त्रिवेणी प्रयागराज, गोदावरी, नर्वदा, कावेरी, तुंगभद्रा, कृष्णा, सरयु, मानसरोवर, धनुषकोटि, महानदी, अग्नि तीर्थ, प्रयागराज के महाकुंभ, चक्रतीर्थ, अहोबिलभ तीर्थ, स्वामी पुष्कर्णि तीर्थ, कपिल तीर्थम् नदियों के अलावा रामेश्वरम् के पास धनुषकोटि से समुद्र जल लाया गया है। जबकि रामेश्वरम् मंदिर के 22 कुंडों के जल लाया गया है। एक साल में इन जलों को एकत्रित किए गए हैं।

गुरुकुल में हुआ 40 कन्याओं का पूजन

प्रभुजन सेवा संस्थान की ओर से रामापुरा स्थित मातृ मंदिर कन्या पाठशाला गुरुकुल में 40 कन्याओं का पूजन किया गया। संस्था की संस्थापिका लक्ष्मी पाठक और सचिव डॉ. नीता सिंह ने कन्याओं का पूजन कर भोज कराया और उपहार दिया। उधर, रवींद्रपुरी में इंटरनेशलन वेदांत सोसाइटी की ओर से षष्ठी पूजा हुई।

सिद्धार्थनगर में पम्पों पर पेट्रोल व डीजल की कमी के नोटिस चस्पा

शोहरतगढ/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। तहसील क्षेत्र शोहरतगढ़ में पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत ने आम जनता की परेशानी बढ़ा दी है। जहां एक तरफ सरकार लगातार यह दावा कर रही है कि ईंधन की कोई कमी नहीं है, वहीं जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। सिद्धार्थनगर व बढ़नी 730 राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित एचडीएफसी बैंक के बगल स्थित बोरा पेट्रोल पम्प, अग्रवाल पेट्रोल पम्प व शोहरतगढ़ खुनुवां बाईपास मार्ग पर महादेवा चौराहा स्थित श्रीराम फीलिंग पेट्रोल पर "पेट्रोल और डीजल उपलब्ध नहीं है" के बोर्ड साफ तौर पर टंगे हुए दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्हें रोजमर्रा के कामों के लिए भी ईंधन के लिए भटकना पड़ रहा है। किसानों, व्यापारियों और आम यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग घन्टों लाइन में खड़े रहने के बाद भी खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं। इस सम्बन्ध में जिलापूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि पेट्रोल डीजल की कमी नहीं होने पायेगी।

पेट्रोल पंप पर लगाया गया नोटिस।

पेट्रोल पंप बंद होने से लोगों में मचा हड़कंप

संतकबीरनगर, अमृत विचार। शहर में पेट्रोल-डीजल संकट की खबर फैलते ही बुधवार को अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बड़गो स्थित शेखर पेट्रोल पंप, मुखलिसपुर चौराहा, शुगर मिल रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, कसैला व बनकटवा चौराहे के पेट्रोल पंप निर्धारित समय से पहले बंद होने की सूचना से वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। कई स्थानों पर पंप बंद मिले और मौके पर जिम्मेदार कर्मचारी भी नजर नहीं आए, जिससे उपभोक्ताओं में नाराजगी रही। उधर, मेंहदावल बाईपास स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। लोग घंटों लाइन में खड़े होकर ईंधन भरवाते दिखे।

न्यूज ब्रीफ

सांबा में पाकिस्तानी घुसपैठिया पकड़ा गया

जम्मू। जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास बुधवार दोपहर को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने 70 वर्षीय एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को पकड़ा। अधिकारियों ने बताया कि लेहारी खुर्द गांव के निवासी अब्दुल हुसैन को हिरासत में लिए जाने के छह घंटे के भीतर ही पाकिस्तान वापस भेज दिया गया, क्योंकि यह साबित हो गया वह अनजाने में सीमा पार करके भारतीय सीमा में प्रवेश कर गया था। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ के सतर्क जवानों ने रामगढ़ सेक्टर में सीमा चौकी भल्लर के सामने घुसपैठिये को देखा और उसे चेतावनी दी। जवानों की चेतावनी पर व्यक्ति ने आत्मसमर्पण कर दिया, हालांकि, प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि उसने अनजाने में सीमा पार की थी। इसके बाद बीएसएफ ने अपने पाकिस्तानी समकक्षों से संपर्क किया और हुसैन को शाम करीब सात बजे पाकिस्तान रेंजर्स के हवाले कर दिया गया।

दिल्ली में विदेशी हथियारों का जखीरा बरामद, 10 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने बड़े अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार इस नेटवर्क के तार पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश से जुड़े हुए हैं। इन लोगों के कब्जे से विदेश निर्मित अत्याधुनिक हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद किया गया है। इनमें चेक गणराज्य में बना सबमशीन गन, विदेशी कंपनियों की सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल और 200 से अधिक कारतूस शामिल हैं। सरगना बुलंदशहर (यूपी) का शाहबाज अंसारी है जो बांग्लादेश से यह नेटवर्क चला रहा था।

पश्चिम एशिया के लिए आज 62 उड़ानें

नई दिल्ली। एयर इंडिया समूह और इंडिगो ने गुरुवार के लिए भारत और पश्चिम एशिया के बीच कुल 62 उड़ानों की घोषणा की है। एयर इंडिया ने बुधवार को बताया कि वह अपनी सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ 26 मार्च को कुल 32 नियमित तथा विशेष उड़ानों का परिचालन करेगी। इनमें 20 नियमित और 12 विशेष उड़ानें होंगी। एयर इंडिया सऊदी अरब के जेद्दा से दिल्ली के लिए एक और मुंबई के दो नियमित उड़ानों का परिचालन करेगी। सऊदी अरब के ही रियाद से दिल्ली और मुंबई के लिए उसकी एक-एक उड़ान होगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने जेद्दा से हैदराबाद और कोझिकोड के लिए एक-एक और रियाद से कोझिकोड के लिए एक नियमित उड़ान की घोषणा की है। ओमान की राजधानी मस्कट से दिल्ली और मुंबई के लिए उसकी एक-एक उड़ान उपलब्ध होगी। एयर इंडिया की एक मात्र विशेष उड़ान यूएई के दुबई से दिल्ली के लिए होगी।

बड़ी कार्रवाई, आईआरसीटीसी पर रेलवे ने ठोंका 10 लाख रुपये जुर्माना

खाना परोसने वाली कंपनी पर भी 50 लाख का जुर्माना, अनुंबध समाप्त

नई दिल्ली, एजेंसी

रेलवे ने पटना - टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस में खराब खाना परोसने को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए अपनी ही कंपनी भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) 10 लाख रुपये तथा सेवा प्रदाता कंपनी पर 50 लाख का जुर्माना लगाया है और उसका अनुबंध समाप्त कर दिया है।

रेलवे ने बुधवार को यहां बताया कि भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ने अपनी ही आईआरसीटीसी पर शिकंजा कसते हुए 10 लाख का जुर्माना ठोका है। यह कार्रवाई 15 मार्च को ट्रेन संख्या 21896 पटना - टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस में पाई गई अनियमितता को लेकर की गई है। रेलवे ने यात्री द्वारा भोजन की गुणवत्ता को लेकर की गई शिकायत को गंभीरता से लिया गया और आईआरसीटीसी पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही संबंधित सेवा प्रदाता

• पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस में खराब खाना देने की यात्री की शिकायत पर कार्रवाई

पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है तथा अनुबंध समाप्ति का आदेश दिया है।

भारतीय रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा एवं गुणवत्ता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। गौरतलब है कि रेलवे आईआरसीटीसी के माध्यम से अपने विशाल नेटवर्क में प्रतिदिन 15 लाख से अधिक यात्रियों को भोजन परोसता है, जो विश्व के सबसे बड़े ऑनबोर्ड खाद्य संचालनों में से एक है। यात्री सुरक्षा और खाद्य गुणवत्ता इस मिशन की आधारशिला है। इस मानक का कोई भी उल्लंघन होने पर तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाती है।

1,236 करोड़ की परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय रेलव ने अपने संचार नेटवर्क को बेहतर बनाने और कई जोन में कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली का विस्तार करने के उद्देश्य से लगभग 1,236 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। रेल मंत्रालय की बुधवार को जारी बयान के अनुसार इनमें दो परियोजनाएं मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे पर ऑप्टिकल फाइबर और ग्राउंड वायर इंफ्रास्ट्रक्चर पर केंद्रित हैं, और एक परियोजना दक्षिणी रेलवे के उच्च उपयोग वाले मार्गों पर कवच की तैनाती पर केंद्रित है। मध्य रेलवे के सभी पांच डिवीजनों में 623 .63 करोड़ रुपये की लागत से ड्यूल फाइबर संचार नेटवर्क स्थापित किया जाएगा भारतीय रेलवे गुजरात के राजकोट और भावनगर डिवीजनों में 302 .26 करोड़ रुपये की लागत से फाइबर संचार नेटवर्क का निर्माण पूरा करेगा। तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक के 548 किलोमीटर लंबे व्यस्त मार्गों पर 310 .18 करोड़ की लागत से कवच 4 .0 टक्कर निवारण प्रणाली लगाई जाएगी।

सीसीआई 50 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

रांची। झारखंड में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची के चीफ कमर्शियल इंस्पेक्टर (सीसीआई) को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने आज जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि आरोपी अधिकारी पर आरोप है कि उसने एक शिकायतकर्ता के लंबित बिलों के भुगतान के एवज में 10 प्रतिशत कमीशन की मांग की थी। इन लंबित बिलों की कुल राशि लगभग 8 .70 लाख रुपये बताई जा रही है। सीबीआई ने इस मामले में ट्रैप बिछाया। कार्रवाई के दौरान आरोपी को शिकायतकर्ता से 50 हजार रुपये की पहली किस्त रिश्वत के रूप में लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया।

लोक और आदिवासी संगीत को मिलेगी वैश्विक पहचान

नई दिल्ली। भारत की समृद्ध लोक और आदिवासी संगीत परंपराओं को वैश्विक मंच पर पहुंचाने के उद्देश्य से बुधवार को संस्कृति मंत्रालय और यूट्यूब के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवके अग्रवाल और यूट्यूब इंडिया की प्रबंध निदेशक गुंजन सोनी उपस्थित रहीं। शेखावत ने कहा कि यूट्यूब के साथ यह सहयोग रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और लोक कलाकारों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य देश के कोने-कोने में मौजूद लोक कलाकारों तक पहुंच को आसान बनाना है, ताकि वे अपनी परंपराओं को बनाए रखते हुए आत्मनिर्भर बन सकें। यूट्यूब इंडिया की प्रबंध निदेशक गुंजन सोनी ने कहा कि यह साझेदारी कलाकारों को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचने और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ले जाने में मदद करेगी। इस समझौते के तहत लोक, आदिवासी और पारंपरिक कलाकारों को डिजिटल कंटेंट निर्माण, चैनल प्रबंधन, कॉपीराइट, मॉनिटाइजेशन और दर्शकों की समझ से जुड़ी ट्रेनिंग दी जाएगी।

जेल काटने के बाद भी पति को देना पड़ेगा गुजारा भत्ता

प्रयागराज, एजेंसी

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने व्यवस्था दी है कि पत्नी को गुजारा भत्ता देने में चूक के कारण पति को भले ही जेल काटनी पड़े, फिर भी वह मासिक गुजारा भत्ता देने के वैधानिक दायित्व से मुक्त नहीं होता। न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि ने स्पष्ट किया कि घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत भरण पोषण आदेशों के निष्पादन पर दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 300 के तहत दोहरे दंड का सिद्धांत पूरी तरह लागू नहीं होता है।

अदालत ने हसीना खातून नाम की महिला की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। खातून ने मुरादाबाद के दीवानी न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन) की ओर से जनवरी 2023 में पारित आदेश को चुनौती दी थी। तथ्यों के मुताबिक, जुलाई 2019 में मजिस्ट्रेट ने याचिकाकर्ता के पति को उसकी पत्नी को 4,000 रुपये और दिव्यांग बेटे को 4,000 रुपये अंतरिम गुजारा भत्ता देने

का निर्देश दिया था। इसके बावजूद पति ने 2,64,000 रुपये के बकाए का भुगतान नहीं किया जिसके बाद याचिकाकर्ता पत्नी की ओर से सजा देने का आवेदन किया गया। इस पर वसूली वारंट जारी कर पति को गिरफ्तार कर लिया गया। गुजारा भत्ता की रकम देने से मना करने पर न्यायिक मजिस्ट्रेट ने उसे 30 दिनों के लिए जेल भेज दिया।

रिहाई के बाद भी उसने पत्नी को गुजारा भत्ता का भुगतान नहीं किया जिसके उपरांत पत्नी ने नया रिकवरी वारंट जारी करने का अनुरोध करते हुए फिर आवेदन किया लेकिन अदालत ने इस बार 2,64,000 रुपये की वसूली का आवेदन इस आधार पर खारिज कर दिया गया कि उसका पति गुजारा भत्ता बकाये के संबंध में पहले ही 30 दिन जेल में बिता चुका है।

विधायक पठान माजरा ग्वालियर से गिरफ्तार

पटियाला, एजेंसी। पंजाब से आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं विधायक हरमीत सिंह पठान माजरा को दुष्कर्म के मामले में पुलिस हिरासत से फरार होने के छह महीने बाद मध्य प्रदेश के ग्वालियर से गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि पटियाला के सनौर से पहली बार विधायक निर्वाचित हुए पठान माजरा को मंगलवार देर रात ग्वालियर शहर के बाहरी इलाके से पकड़ा गया। पटियाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) वरुण शर्मा ने बताया कि पठानमाजरा को पटियाला लाया गया है।

मोदी सरकार में संकल्प के साथ हो रहा आर्थिक सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार से पहले मजबूरी के चलते आर्थिक सुधार किए जाते थे, लेकिन अब संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ यह किया जा रहा है तथा देश रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार होकर निरंतर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने वित्त विधेयक, 2026 पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह भी कि देश को विकसित बनाने और 140 करोड़ भारतीय नागरिकों की अकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। मंत्री के जवाब के बाद सदन ने विपक्षी सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए विधेयक को ध्वनिमत से स्वीकृति प्रदान की। सीतारमण ने कहा कि पहले की तरह मजबूरी में सुधार नहीं किए जा रहे हैं, बल्कि संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ सुधार किए जा रहे हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार होकर निरंतर आगे बढ़ रहा है। उनका कहना था कि विश्वास आधारित कर व्यवस्था बनाने पर काम किया

• वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त विधेयक पर दिया चर्चा का जवाब

गया है ताकि ईमानदार करदाताओं को कठिनाई नहीं हो। सीतारमण ने कहा कि विपक्ष के कुछ सदस्यों ने जीवनयापन की सुगमता और कारोबार की सुगमता का मजाक बनाया, लेकिन सरकार इन दोनों पहलुओं पर लगातार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हम एमएसएमई, किसानों और सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बना रहे हैं क्योंकि ये देश के विकास के लिए बहुत जरूरी हैं। वित्त विधेयक इन्हें सशक्त बनाने का प्रावधान करता है।

वित्त मंत्री का कहना था कि भारत को वैश्चिक व्यावसायिक केंद्र बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। सीतारमण ने कहा कि इस वित्त विधेयक में मध्य वर्ग के लिए बहुत कुछ है।

सलमान खान के खिलाफ जमानती वारंट जारी

जयपुर। राजस्थान में जयपुर जिला विवाद प्रतितोष उपभोक्ता आयोग ने पान मसाला के कथित भ्रामक प्रचार-प्रसार और अवमानना से जुड़े मामले में अभिनेता सलमान खान के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। आयोग के अध्यक्ष जीएल मीणा एवं सदस्यों की पीठ ने यह आदेश पारित किया। आयोग ने पुलिस महानिदेशक/आयुक्त को निर्देश दिए हैं कि एक विशेष टास्क फोर्स गठित करके वारंट की तामील कराई जाए। आयोग ने यह भी आदेश दिया है कि गठित विशेष टास्क फोर्स मुंबई जाकर तीसरे जमानती वारंट की तामील कराए।

मामले की अगली सुनवाई छह अप्रैल को निर्धारित की गई है। यह मामला परिवादी योगेन्द्र सिंह द्वारा दायर अर्जी से जुड़ा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि प्रतिबंध के बावजूद पान मसाला का प्रचार-प्रसार जारी रखा गया और आमजन के साथ भ्रामक तरीके से धोखाधड़ी की गई। अर्जी में यह भी उल्लेख किया गया है कि पांच और 20 रुपए के पाउच में चार लाख रुपए प्रति किलो कीमत वाली केसर मिलाना व्यवहारिक रूप से असंभव है।

नाराज सीजेआई बोले- क्या वह मुझे आदेश देंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

• वादी के पिता ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत के भाई को किया था फोन

• सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायिक आदेश पर जताई थी आपत्ति

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने एक याचिकाकर्ता के पिता द्वारा उनके भाई को फोन कॉल कर चिकित्सा के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अल्पसंख्यक आरक्षण से संबंधित एक न्यायिक आदेश पर आपत्ति जताने को लेकर, बुधवार को कड़ी नाराजगी जताई।

यह मामला हरियाणा के जाट पुनिया समुदाय में जन्मे निखिल कुमार पुनिया से संबंधित है, जिन्होंने उत्तर प्रदेश के सुभारती चिकित्सा महाविद्यालय में बौद्ध धर्म अपनाने के बाद अल्पसंख्यक कोटे के तहत प्रवेश दिलाने की गुहार लगाई थी। उच्चतम न्यायालय ने 28 जनवरी को याचिका को एक नए प्रकार की धोखाधड़ी करार देते हुए याचिकाकर्ता के अल्पसंख्यक प्रमाण पत्रों की जांच का निर्देश दिया था। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने बुधवार को इस चौंकाने वाली घटना का जिक्र करते हुए आक्रोश व्यक्त किया और कहा कि ऐसा करने की हिम्मत कोई नहीं करता। और आपको लगता है कि मैं इस वजह से मामला स्थानांतरित कर दूंगा? मैं पिछले 23 वर्षों से ऐसे तत्वों से निपटता आ रहा हूं। उन्होंने

कहा कि अब आप हमें बताइए कि हमें आपके मुवक्किल के पिता के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही क्यों नहीं शुरू करनी चाहिए।

उन्होंने (पिता ने) क्या किया है, क्या मुझे उसे खुली अदालत में बताना चाहिए? प्रधान न्यायाधीश ने कहा, वह मेरे भाई को फोन करते हैं और उनसे पूछते हैं कि प्रधान न्यायाधीश ने यह आदेश कैसे पारित किया। क्या वह मुझे फैसला लिखवाएंगे? इस आचरण की कड़ी निंदा करते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने वकील से कहा कि आप इसकी (व्यवहार की) पुष्टि कीजिए। वकील होने के नाते आपको पहले मामले से हटने पर विचार करना चाहिए। यह सरासर कदाचार है। भले ही वह भारत से बाहर हो, मुझे ऐसे लोगों से निपटना आता है। इसपर वकील ने माफी मांगी। उन्होंने कहा कि मुझे बहुत खेद है, महोदय, लेकिन मुझे इन सब बातों की जानकारी नहीं है। अदालत ने इस तथ्य पर संज्ञान लेते हुए मामले को अगले सप्ताह तक के लिए स्थगित कर दिया।

10.6 करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी का पर्दाफाश

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कई अंतरराज्यीय साइबर अपराध गिरोहों से जुड़े छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर डिजिटल अरेस्ट, फर्जी आईपीओ और ट्रेडिंग धोखाधड़ियों में शामिल थे। इस दौरान 89 शिकायतों से संबंधित लगभग 10.6 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है।

एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि झारखंड, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर छापेमारी के बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों का संबंध साइबर ठगी कम से कम चार मामलों से है, जिनमें मुख्य रूप से बुजुर्गों सहित भोले-भाले नागरिकों को निशाना बनाया गया था। डिजिटल अरेस्ट से संबंधित एक मामले में, एक बुजुर्ग दंपति को कथित तौर पर साइबर अपराधियों ने ट्राई और सीबीआई अधिकारी बनकर 20 लाख रुपये का चूना लगाया। जांच में पता चला कि इस ठगी से संबंधित 18.5 लाख रुपये शशिकांत कुमार नामक शख्स के एक उद्यम से जुड़े बैंक खाते में डाले गए थे। उसे रांची से गिरफ्तार कर लिया गया।

क्रूज मामले में समीर वानखेड़े को अंतरिम राहत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी समीर वानखेड़े को उस याचिका पर अंतरिम राहत प्रदान की, जिसमें उन्होंने 2021 के कॉर्डेलिया क्रूज मादक पदार्थ मामले की जांच के संबंध में उनके खिलाफ शुरू की गई अनुशासनात्मक कार्यवाही को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ वानखेड़े की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय के एक हालिया आदेश को चुनौती दी थी।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

तमिलनाडु: अन्नाद्रमुक ने जारी की प्रत्याशियों की पहली सूची

चेन्नई, एजेंसी।

तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का नेतृत्व कर रही प्रमुख विपक्षी अन्नाद्रमुक ने बुधवार को उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, जिसमें 20 पूर्व मंत्रियों सहित वरिष्ठ नेताओं को बरकरार रखा गया है।

यह सूची सभी प्रमुख सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे के समझौते को अंतिम रूप देने और मुफ्त वादों वाले घोषणापत्र जारी करने के एक दिन बाद जारी की गई है। इनमें से अधिकांश लोकप्रिय चेहरे हैं जो दिवंगत अन्नाद्रमुक नेता जे जयललिता के कार्यकाल में मंत्री रह चुके हैं। वे उन सीटों से चुनाव लड़ेंगे जिन्हें उनका पारंपरिक गढ़ माना जाता है और जहां वे कई बार जीत हासिल कर चुके हैं। पार्टी के दिग्गज नेताओं को मैदान में उतारकर, अन्नाद्रमुक के महासचिव के एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि वह सत्तारूढ़ द्रमुक के खिलाफ एक मजबूत चुनौती पेश करने का इरादे रखते हैं, जिसे उन्होंने सत्ता से बेदखल करने की कसम खाई है।

पार्टी ने अभी तक आधिकारिक तौर पर उन सीटों की संख्या नहीं बताई है जिन पर वह चुनाव लड़ेगी, लेकिन उसने कुल 234 विधानसभा सीटों में से 63 सीटें अपने सहयोगियों को आवंटित कर दी है।

द्रमुक के चिह्न पर लड़ेंगे 175 उम्मीदवार: स्टालिन

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम . के . स्टालिन ने बुधवार को कहा कि धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) के भागीदारों के साथ सीट बंटवारा पूरा कर लिया गया है। द्रमुक के 'उगते सूरज' के चिन्ह के तहत कुल 175 उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। द्रमुक ने अपने नौ सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे का समझौता किया है, जिसके तहत कुल 234 विधानसभा सीटों में से 66 सीटें आवंटित की गई हैं। पार्टी ने लंबे समय से सहयोगी रहे मुस्लिम संगठनों इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और एमएमके को दो-दो सीटें, अपने मुख्य सहयोगी कांग्रेस को 28, एमडीएमके को 4, केएमडीके को दो, भाकपा माकपा को पांच-पांच सीटें दी हैं।

वो आज वोट का अधिकार छीन रहे कल नागरिकता छीन लेंगे: ममता

मैनागुड़ी (पश्चिम बंगाल), एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी, केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर बुधवार को तीखा हमला करते हुए उनपर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने यह चेतावनी दी कि उनका अगला कदम राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के जरिये नागरिकता छीनने का प्रयास हो सकता है। बनर्जी ने आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए अपने अभियान की शुरुआत राजनीतिक रूप से अहम उत्तर बंगाल से करते हुए यह टिप्पणी की। उत्तर बंगाल एक ऐसा क्षेत्र है जो 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गढ़ बनकर उभरा है।

जलपाईगुड़ी जिले के मैनागुड़ी क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से संवैधानिक संस्थानों का उपयोग लोगों के मतदान के अधिकारों को छीनने के लिए किया जा रहा है।

तृणमूल कांग्रेस ने मुस्लिम वोट तो लिये लेकिन उनके लिए किया कुछ नहीं: ओवैसी

कोलकाता, एजेंसी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने मुस्लिम वोट तो हासिल कर लिए लेकिन समुदाय के लिए कुछ नहीं किया। ओवैसी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीति ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उभरने में मदद की। ओवैसी ने कोलकाता में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि पश्चिम बंगाल के लोग घुटन महसूस कर रहे हैं और उनकी पार्टी ने हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ हाथ मिलाया है ताकि जनता को वह विकल्प प्रदान किया जा सके जिसकी उन्हें तलाश है। उन्होंने सवालिया अंदाज में कहा कि लगभग पांच लाख ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) प्रमाणपत्र रद्द कर दिए गए। इनमें से कई मुस्लिम परिवारों से थे।

बंगाल: भाजपा की तीसरी सूची जारी आरजी कर पीड़िता की मां को पानीहाटी से उम्मीदवार बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा ने बुधवार को आगामी पश्चिम बंगाल चुनावों के लिए 19 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की। इसमें आरजी कर की पीड़िता की मां का नाम भी शामिल है, जिन्हें पानीहाटी विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है। अगस्त 2024 में कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बेटी के साथ हुए बलात्कार और हत्या की जांच की सबसे मुखर आलोचकों में से एक के रूप में उभरी उम्मीदवार ने हाल ही में दावा किया था कि वह और उनके पति भाजपा में शामिल हो गए हैं। घोषणा के बाद एक टीवी चैनल से बात करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव लड़ना गर्व की बात नहीं बल्कि एक पीड़ादायक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मैं उम्मीदवार बन गई हूं। अगर मैं जीतती हूं तो पानीहाटी के लोग जीतेंगे। मैं उन लोगों के लिए आवाज उठाऊंगी जो विरोध करना भूल चुके हैं। उन्होंने कहा कि वह निर्वाचन क्षेत्र की स्थिति में सुधार लाने और लोगों की सेवा करने के लिए काम करेंगी। उन्होंने कहा कि अगर मैं लोगों की सेवा कर सकूं तो मेरी बेटी भी खुश रहेगी। मैं चाहती हूं कि पश्चिम बंगाल में कमल खिले और तृणमूल कांग्रेस जड़ से उखड़ जाए।

पश्चिम बंगाल में नमाज की आजादी लेकिन पूजा के लिए लेनी पड़ती है अनुमति: नितिन नवीन

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के नेता नितिन नवीन ने पश्चिम बंगाल में धार्मिक गतिविधियों की अनुमति को लेकर दोहरे मानदंड अपनाए जाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि राज्य में नमाज अदा करने की पूरी आजादी है लेकिन पूजा आयोजित करने या पंडाल लगाने के लिए अदालत से अनुमति लेनी पड़ती है। नवीन ने कोलकाता के बाहरी इलाके में स्थित दक्षिणेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद पत्रकारों से कहा कि यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यहां नमाज अदा करने की अनुमति है लेकिन पूजा करने और पंडाल लगाने के लिए उच्च न्यायालय से अनुमति मांगनी पड़ती है। नवीन ने कहा कि मैंने दक्षिणेश्वर में पूजा की और राज्य के लोगों के कल्याण तथा 'विकसित बंगाल' एवं 'सोनार बांग्ला' के निर्माण के लिए देवी से प्रार्थना की।

केरल: खाता नहीं खोल पाएगी भाजपा यूडीएफ को मिलेगी जीत: वेणुगोपाल

त्रिशूर (केरल), एजेंसी। कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने बुधवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केरल में खाता नहीं खोल पाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कर्नाटक और तेलंगाना की तर्ज पर यूडीएफ द्वारा प्रस्तावित कल्याणकारी गारंटी इस दक्षिणी राज्य में भी सफल साबित होंगी। वेणुगोपाल ने एजेंसी से कहा कि यह केवल एक धारणा थी कि भाजपा केरल में यूडीएफ के लिए खतरा है, क्योंकि हाल के स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा को नाममात्र की सफलता मिली। कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने कहा कि उन्हें कितने जिला पंचायत सदस्य मिले, उन्हें कितनी नगरपालिकाएं मिलीं? नाममात्र की। कुछ भी ठोस नहीं है। केरल में भाजपा का खाता भी नहीं खुल सकता।

असम: मुझे पाकिस्तान से जोड़ना हिमंत के दिमाग की कोरी कल्पना: गोगोई

जोरहाट, एजेंसी। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने उनके एवं उनकी पत्नी के पाकिस्तान के साथ संबंध होने के आरोपों को बुधवार को खारिज करते हुए इन्हें मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के दिमाग की उपज करार दिया। गोगोई ने कहा कि ऐसे दावे मुख्यमंत्री की कमजोरी को उजागर करते हैं। यह भी दिखाते हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर मामले में वह किस हद तक जा सकते हैं। जोरहाट से सांसद ने कहा कि शर्मा द्वारा किए जा रहे हमलों और कांग्रेस द्वारा मुख्यमंत्री पर लगाए आरोपों में स्पष्ट अंतर है।

बारपेटा से कांग्रेस प्रत्याशी का पर्चा खारिज

गुवाहाटी, एजेंसी। बारपेटा से कांग्रेस उम्मीदवार महानंदा सरकार के नामांकन पत्र बुधवार को खारिज कर दिए गए, जबकि निर्वाचन क्षेत्र में शेष तीन उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज वैध पाए गए। चुनाव अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बारपेटा और ढेकियाजुली दोनों के लिए नामांकन पत्रों की जांच बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई, जबकि असम के शेष 124 निर्वाचन क्षेत्रों में यह जांच पिछले दिन ही पूरी हो गई थी। कैबिनेट मंत्री अशोल सिंघल और कांग्रेस उम्मीदवार बताश ओरांग सहित ढेकियाजुली के सभी 10 उम्मीदवारों के नामांकन वैध पाए गए। सरकार का नामांकन इस आधार पर खारिज कर दिया गया कि फॉर्म ए पर पार्टी नेता के हस्ताक्षर नहीं थे।

अमृत विचार

गुरुवार, 26 मार्च 2026

यदि विश्वास विवेक का ताप नहीं सह सकता है, तो वह अपने आप ध्वस्त हो जाएगा।
–शहीदे आजम भगत सिंह

स्वागत योग्य निर्णय

भारत के सामाजिक न्याय ढांचे के केंद्र में धर्म और जाति के अंतर्संबंधों का प्रश्न अत्यंत संवेदनशील है। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय का हालिया निर्णय दूरगामी प्रभावों वाला साबित हो सकता है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अतिरिक्त किसी अन्य धर्म, जैसे इस्लाम या ईसाई धर्म को अपनाने पर व्यक्ति का अनुसूचित जाति का स्वतः दर्जा समाप्त हो जाता है। यह व्यवस्था मूलतः 1950 के राष्ट्रपति आदेश पर आधारित है, जिसे 1956 में संशोधित कर सिख और 1990 में बौद्ध धर्म को भी शामिल किया गया। यह फैसला इस मामले में एक ओर संवैधानिक स्पष्टता लाता है, तो दूसरी ओर सामाजिक यथार्थ के कई जटिल प्रश्नों को भी उजागर करता है। स्वागत योग्य पहलू यह है कि न्यायालय ने "धर्म-आधारित आरक्षण" की अवधारणा को सीमित करते हुए यह स्पष्ट करती है कि अनुसूचित जाति की पहचान ऐतिहासिक रूप से हिंदू सामाजिक संरचना में निहित अस्पृश्यता से जुड़ी है। इस दृष्टि से यह फैसला उन वर्गों के लिए लाभकारी है, जो मानते हैं कि आरक्षण का आधार सामाजिक-ऐतिहासिक उत्पीड़न होना चाहिए, न कि केवल आर्थिक या सामान्य पिछड़ापन। किंतु इसके सामाजिक और राजनीतिक फलितार्थ किंचित अधिक जटिल हैं।

भारत में धर्म परिवर्तन के बावजूद जातिगत पहचान का पूर्ण लोप कभी नहीं होता, यह एक स्थापित सामाजिक सत्य है। इस्लाम में पसमांदा, अशरफ, अंसारी जैसे वर्ग और ईसाई समाज में भी दलित ईसाइयों की अलग पहचान, यह दर्शाती है कि सामाजिक भेदभाव धर्म बदलने से स्वतः समाप्त नहीं होती। ऐसे में, अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त होने से इन समुदायों के कमजोर वर्गों को कानूनी सुरक्षा, विशेषकर अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989 और आरक्षण लाभ से वंचित होना पड़ेगा। यह उनके लिए एक वास्तविक नुकसान है, जहां तक अनुसूचित जनजाति का प्रश्न है, वे इस संदर्भ में अलग स्थिति में हैं। इनकी पहचान धर्म से नहीं, बल्कि जनजातीय-भौगोलिक और सांस्कृतिक विशेषताओं से जुड़ी है। इसलिए धर्म परिवर्तन के बाद भी उनका दर्जा सामान्यतः बना रहता है। यही कारण है कि यह निर्णय अनुसूचित जाति पर तो लागू होता है, पर अनुसूचित जनजाति पर नहीं। यह एक विवेक सम्मत निर्णय है।

इस फैसले से अत्याचार संबंधी मामलों में कमी नहीं आएगी, बल्कि यह संभव है कि पीड़ित वर्गों के पास कानूनी संरक्षण के सीमित विकल्प रह जाएं, जिससे न्याय तक पहुंच और कठिन हो। "घर वापसी" या पुनर्परिवर्तन के मामलों में न्यायालय ने यह स्पष्ट किया है कि व्यक्ति को यह प्रमाणित करना होगा कि उसका पुनः धर्मांतरण वास्तविक और स्वैच्छिक है, न कि केवल आरक्षण लाभ पाने के उद्देश्य से। इसके लिए सामाजिक स्वीकृति, समुदाय में पुनः समावेश और व्यावहारिक परिवर्तन जैसे मानदंड देखे जाएंगे, जो सर्वथा उचित है। यह निर्णय भारत के सामाजिक न्याय विमर्श को एक नए मोड़ पर ले जाता है। अब आवश्यकता इस बात की है कि सरकार और समाज मिलकर उन कमजोर वर्गों के लिए वैकल्पिक सुरक्षा तंत्र विकसित करें, जो धर्म परिवर्तन के बाद भी भेदभाव का सामना करते हैं। न्याय केवल विधिक परिभाषाओं से नहीं, बल्कि सामाजिक वास्तविकताओं के संतुलन से सुनिश्चित होता है।

प्रसंगवश

युद्ध, मौसम और बाजार के बीच फंसता आम आदमी

प्रो. आरके जैन
शिक्षाविद्

मार्च 2026 की यह वसंत ऋतु किसी नवजीवन की नहीं, बल्कि एक ऐसे मौन तूफान की कहानी कह रही है, जिसने भारत के आम घर की रसोई से लेकर खेत की मेड़ तक हर सांस को भारी कर दिया है। एक ओर पश्चिम एशिया में युद्ध की आग भड़क रही है, तो दूसरी ओर धरती पर तपता सूरज और बेमौसम बरसते ओले किसान की उम्मीदों को कुचल रहे हैं। इन सबके बीच एमएसपी को लेकर सुलगता असंतोष उस आग में घी डालने का काम कर रहा है। यह सिर्फ खबरों का विषय नहीं, बल्कि हर उस परिवार की हकीकत है, जिसकी थाली और आजीविका इन संकटों से सीधे जुड़ी है। रसोई का चूल्हा, जो हर घर की धड़कन होता है, आज अनिश्चितता के धुएं में घिरा हुआ है। ईरान के आसपास बढ़े तनाव और हॉर्मुज जैसे महत्वपूर्ण मार्गों पर आई बाधा ने एलपीजी आपूर्ति की रीढ़ हिला दी है। छोटे ढाबे, होटल और ठेले वाले, जो शहरों की जीवंतता का हिस्सा हैं, अब अपने चूल्हे बुझाने को मजबूर हो रहे हैं। महिलाओं की दिनचर्या, जो गैस के इर्द-गिर्द चलती थी, अब इंतजार और चिंता में बदल गई है। यह संकट केवल ईंधन का नहीं, बल्कि जीवन की गति का ठहराव है।

उधर खेतों में खड़ा किसान आसमान की ओर देखता है, लेकिन अब वहां से राहत नहीं, बल्कि अनिश्चितता बरस रही है। मार्च की असामान्य गर्मी ने रबी फसलों को समय से पहले ही झुलसा दिया, जिससे गेहूं के दाने सिकुड़ गए और पैदावार पर गहरा असर पड़ा। जैसे-तैसे बची फसल को अचानक आई बारिश और ओलावृष्टि ने जमीन पर गिरा दिया। यह दोहरी मार किसान की साल भर की मेहनत पर एक क्रूर प्रहार है, जो खेत कुछ दिन पहले सुनहरे दिखते थे, आज वहां बिखरी उम्मीदें नजर आ रही हैं। यह बदलाव केवल मौसम का नहीं, बल्कि उस जलवायु संकट का संकेत है, जो अब हर खेत में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहा है। इस प्राकृतिक और वैश्विक संकट के बीच एमएसपी को लेकर उठती आवाजें एक और संघर्ष का रूप ले चुकी हैं। किसानों का भरोसा पहले ही कमजोर था, और अब अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौतों की चर्चाओं ने उनकी चिंता को और गहरा कर दिया है। सड़कों पर उतरते किसान केवल अपनी फसल का मूल्य नहीं, बल्कि अपने भविष्य की सुरक्षा मांग रहे हैं। उनके लिए एमएसपी सिर्फ एक आर्थिक नीति नहीं, बल्कि जीवन की गारंटी है। जब 86 प्रतिशत छोटे किसान पहले से कर्ज में डूबे हों, तब यह डर स्वाभाविक है कि सस्ते आयात उनकी मेहनत को बेमानी बना देंगे। यह संघर्ष केवल खेत का नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का भी है।

इन तीनों मोर्चों पर चल रहा यह संकट एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि गहराई से जुड़ा हुआ है। रसोई में महंगा होता गैस सिलेंडर, बाजार में बढ़ती अनाज की कीमतें और खेतों में घटती पैदावार, ये सब मिलकर एक ऐसा दबाव बना रहे हैं, जिससे आम आदमी की जिंदगी हर दिन कठिन होती जा रही है। सरकार की ओर से प्रयास जरूर किए जा रहे हैं, लेकिन उनकी पहुंच और प्रभाव पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अब समय है कि समाधान भी उतना ही व्यापक और साहसिक हो जितना यह संकट गहरा है। ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, किसानों को मजबूत सुरक्षा कवच, एमएसपी पर स्पष्ट नीति और जलवायु के अनुरूप खेती को बढ़ावा ये केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता हैं। साथ ही, आम आदमी की आवाज को नीतियों के केंद्र में रखना होगा। क्योंकि जब रसोई सुरक्षित होगी और खेत मजबूत, तभी देश स्थिर और समृद्ध बन सकेगा। यह परीक्षा कठिन जरूर है, लेकिन सही दिशा में उठाए गए कदम इसे एक नए अवसर में बदल सकते हैं। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

मानसूनी आपदाओं से निपटना गंभीर चुनौती

अमित शर्मा
हल्द्वानी

हिमालयी राज्य उत्तराखंड विविधताओं से भरा प्रदेश है। प्राकृतिक सुंदरता के साथ यहां मौसमी चुनौतियां भी बेशुमार हैं। यहां जंगलों की आग के साथ कहीं बादल फटने तो सूखे जैसी आपदाओं से जूझना नियति सी बन जाती है। इस साल का शीत सीजन काफी उथल-पुथल भरा रहा है, जो आने वाले ग्रीष्मकालीन मौसम के लिए गंभीर चुनौती के संकेत दे रहा है।

बदलते समय में उत्तराखंड का मौसम कब बदल जाए, यह सटीक कहा नहीं जा सकता, लेकिन अमूमन राज्य में प्रतिकूल मौसम का समय आमतौर पर मानसून के दौरान (जुलाई से सितंबर) और सर्दियों में (दिसंबर से फरवरी) माना जाता है, क्योंकि इस समय में भारी बारिश, बर्फबारी और भूस्खलन की संभावना अधिक होती है। हालांकि अप्रैल में मौसम आमतौर पर सुहावना रहता है, तापमान 15-25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है और बारिश की संभावना कम ही होती है। अप्रैल माह के मौसम की खासियत यह भी रहती है कि मौसम दिन में गर्म और रात में ठंडा रहता है। निचले इलाकों में भले ही मौसम सुहाना रहता हो, लेकिन उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी की संभावना बनी रहती है। यही कारण होता है कि इस बनते-बिगड़ते मौसम के लिहाज से संवेदनशील उत्तराखंड राज्य की चुनौतियां देश के दूसरे राज्यों की तुलना में कहीं अलग और गंभीर होती हैं।

मानसून कम बरसे या अधिक, चुनौतियां तो दोनों तरफ हैं। गर्मी अधिक हुई तो पहाड़ों का तपना जोखिम भरा होता है, तो बादल फटने और भूस्खलन जैसी आपदाओं से निपटने की चुनौतियां का सामना करना मजबूरी ही होती है। यहां यह बात उल्लेखनीय है कि सरकार अपने स्तर पर दैवीय आपदाओं से निपटने की साल भर पूरी तैयारी रखती है, जिससे आपदाओं का जख्म गहरा होने से बच जाता है, लेकिन यह भी सत्य है कि कुदरत के कहर के आगे किसी का जोर नहीं चलता और जब यह बरपता है, तो सारी तैयारियां धरी की धरी रह जाती हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अप्रैल और मई के महीने में सामान्य से अधिक तापमान का पूर्वानुमान पहले ही जता दिया है, तो बारिश को लेकर भी बताया जा रहा है कि मानसून के शुरुआती चरण में संभवतः सामान्य से अधिक बारिश होगी। देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी और तराई के इलाके ऊधमसिंह नगर जिले में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने पर हीट वेब यानी लू से जूझने की संभावना रह सकती है। मानसूनी बारिश भी सामान्य से 105 प्रतिशत बरसने का शुरुआती पूर्वानुमान जारी किया गया है। हालांकि यह अनुमान सही रहता है, तो अधिक गर्मी और बारिश, इन दोनों ही परिस्थितियों का प्रभाव पहाड़ों को झेलना पड़ेगा।

गौरतलब है कि इस राज्य में मानसून काल में तीन तरह की चुनौतियों से निपटना प्रमुख होता है। यहां बादल फटना सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक माना जाता है। तेज बारिश के दौरान, जहां बाढ़ जैसे हालात पैदा होते हैं, तो कहीं-कहीं पूरी बस्ती ही बड़े-बड़े बोल्डरों के नीचे समा जाती है। उत्तराखंड के लिए हिमस्खलन की घटनाएं भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं रहती हैं। हिमालय की चोटियों पर गर्मी के दौरान बनने वाली झीलें भी अधिक वर्षा के दौरान फटने लगती हैं। वर्ष 2013 में केदारनाथ की आपदा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। अब अल नीनो भी सक्रिय होने जा रहा है, जिसका असर संभवतः अगस्त माह में भारतीय क्षेत्र में नजर आएगा।

> उत्तराखंड के लिए हिमस्खलन की घटनाएं भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं रहती हैं। हिमालय की चोटियों पर गर्मी के दौरान बनने वाली झीलें भी अधिक वर्षा के दौरान फटने लगती हैं।

गढ़वाल मंडल के चमोली, रुद्रप्रयाग आदि जिलों में हाल की आपदाओं ने जान-माल की बड़ी क्षति पहुंचाई है और इस सच्चाई से भी कोई इनकार नहीं कर सकता है कि साल-दर-साल की इन आपदाओं के लिए दैवीय से ज्यादा मानवीय गतिविधियां ज्यादा जिम्मेदार हैं, जो चंद वर्षों में ज्यादा बढ़ी हैं। पर्वतीय इलाकों में अवैध निर्माण जहां भूस्खलन और बाढ़ की संभावनाओं को बढ़ाता है, तो लगातार हो रही जंगलों की कटाई से देवभूमि उत्तराखंड की बेशकीमती वपस्पति का विनाश हो रहा है। पहाड़ों पर अनियोजित विकास से आपदाओं की संभावना बढ़ती है, तो सीमित होते जंगलों से होने वाला जलवायु परिवर्तन मौसम चक्र बदलता है, जैसा कि हर साल और इस साल भी देखने को मिल रहा है।

अब सवाल यही बचता है कि मौसम की इन ढेर सारी चुनौतियों से निपटने के लिए करें तो क्या करें? इसका हर बार यही जवाब होता है कि हमें प्रकृति में मानव हस्तक्षेप को बहुत ही सीमित करना होगा। जल-जंगल को बचाने के लिए उनके अंधाधुंध दोहन के बजाय उनके संवर्द्धन पर ज्यादा ध्यान देना होगा। मौसम जनित आपदाओं से निपटने के लिए समयपूर्व तैयारियों को और ज्यादा पुख्ता करना होगा। विशेषज्ञ भी इस बात से इनकार नहीं करते हैं। कहते हैं कि हमारे लिए आपदाओं को रोकना संभव नहीं है, लेकिन आपदा प्रबंधन को बेहद मजबूत करते हुए उसके प्रभाव को कम तो किया ही जा सकता है। हालांकि राज्य सरकार इसको लेकर काफी गंभीर भी दिख रही है और उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की समयपूर्व तैयारियां आपदाओं का प्रभाव कम करने में कारगर भी साबित हुई हैं।

नैनीताल के आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह भी मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रभावित क्षेत्र हिमालय राज्य हैं। आपदाओं को रोकना संभव नहीं, लेकिन राहत के लिए आपदा प्रबंधन का सशक्त होना सबसे जरूरी है। इसके साथ ही मजबूत नेटवर्क और संचारतंत्र होना चाहिए। सेटेलाइट नेटवर्क बेहतर होगा, तो आपदा प्रभावित क्षेत्रों में जल्द राहत पहुंचाई जाना आसान होगा। राज्य में बादल फटने की घटनाएं सर्वाधिक घातक होने लगी हैं, जिससे निपटना मानसून में सबसे बड़ी चुनौती होगी।

आमने सामने

पश्चिम बंगाल में धार्मिक गतिविधियों की अनुमति को लेकर दोहरे मानदंड हैं। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है। यहां नमाज अदा करने की अनुमति है, लेकिन पूजा करने और पंडाल लगाने के लिए हाई कोर्ट से अनुमति मांगनी पड़ती है। मैंने दक्षिणेश्वर में पूजा की और राज्य के लोगों के कल्याण तथा 'विकसित बंगाल' एवं 'सोनार बांग्ला' के निर्माण के लिए देवी से प्रार्थना की। – **नितिन नबीन**, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा

निर्वाचन आयोग, भाजपा और केंद्र सरकार संविधान का पालन नहीं कर रहे। मतदान के अधिकार छीनने की कोशिश कर रहे हैं। आज वे मतदान के अधिकार छीन रहे हैं। मैं अपने उम्मीदवारों से नामांकन दाखिल करते समय वकीलों को साथ ले जाने के लिए कहूंगी। असम में कई नामांकन रद्द कर दिए गए हैं। मुझे बीजेपी और निर्वाचन आयोग पर भरोसा नहीं है। – **ममता बनर्जी**, टीएमसी प्रमुख

मध्य-पूर्व युद्ध में नवीन मार्शल प्लान की प्रासंगिकता

डॉ. कल्याण कुमार गांगुली
वरिष्ठ, वैज्ञानिक

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दुनियाभर में भारी विनाश एक दुःस्वप्न था। युद्ध का केंद्र बिंदु पश्चिमी यूरोप और पूर्वी यूरोप के कुछ हिस्सा था, कुछ ही दिनों बाद सोवियत संघ और जापान भी जुड़ गया। द्वितीय विश्व युद्ध की परिणति जर्मनी के बिना शर्त आत्मसमर्पण और जापान द्वारा पॉट्सडैम समझौते को स्वीकार करने के साथ हुई। छः मिलियन यहूदियों का हाड़ कंपा देने वाला नरसंहार अभी भी जीवित बचे लोगों के लिए दुःस्वप्न है। इस युद्ध के बाद अनेक वर्षों तक कई मोर्चों पर बड़े पैमाने पर आर्थिक मंदी और गिरावट महसूस की गई। इस स्थिति का वर्णन कई बार किया जा चुका है।

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन की मंजूरी के साथ तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री जॉर्ज सी. मार्शल की ओर से एक व्यापक सहायता योजना लागू की गई, जिसे बाद में मार्शल प्लान के नाम से में जाना गया। इस मार्शल प्लान के अंतर्गत वर्ष 1947-48 में स्वीकृत राशि 13 बिलियन अमेरिकी डॉलर थी, जो आज के अनुमान के अनुसार 150 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है। हालांकि यह विरोधाभास ही है कि जर्मनी को केक का एक बड़ा हिस्सा मिला, परंतु जापान को मार्शल प्लान के अंतर्गत एक भी कौड़ी नहीं दी गई। कई राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना था कि यह सहायता केवल जीर्ण-शीर्ण राष्ट्रों के पुनर्निर्माण और विकास के लिए नहीं थी, बल्कि यह देखने के लिए भी थी कि प्रभावित यूरोपीय राष्ट्र कहीं सोवियत छत्रछाया में कम्युनिस्ट न बन जाएं।

मार्शल प्लान 2: आज के मध्य पूर्व युद्ध को अधिक उपयुक्तता से समझने के लिए इन तथ्यों को दोहराया गया। एक तरफ शिया कट्टरपंथ का समर्थन करता है, तो दूसरी तरफ यहूदियों के विनाश के सिद्धांत का पालन करता है। अमेरिकी अपनी सहज प्रवृत्ति के कारण ऐसे राज्य को पनपने नहीं दे सकते, जो उनके तेल के सुचारु प्रवाह के लिए खतरा हों और भला अमेरिका को कौन चुनौती दे सकता है। अमेरिकी सरकार उन्हीं की मदद करती है, जो पिछलग्गू अरब देशों की तरह उनकी हां में हां मिलाएं, जबकि ईरान ऐसा हरगिज नहीं करता। इजराइल अपने अस्तित्व के लिए अमेरिकी लॉबी में शामिल हो गया और निशाना साधने के लिए दोनों देशों को एक साझा लक्ष्य मिल गया। इसके अलावा नेतन्याहू अमेरिकी यहूदियों के प्रिय हैं। अमेरिका में अपने प्रवास के दौरान उन्होंने इजरायली प्रवासियों से यह वादा करके बहुत सहानुभूति बटोरी थी कि वह इजरायल के यहूदी को सम्मान देंगे।

यद्यपि, दिनांक 28 फरवरी, 2026 का दुर्भाग्यपूर्ण दिन पूरी तरह से आश्चर्यचकित करने वाला नहीं था, परंतु ईरान पर हमले की भयावहता कई लोगों की कल्पना से परे थी। डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू की जोड़ी ने अली खामेनी और उनके परिवार सहित ईरान के इस्लामी गणराज्य की केंद्रीय कमान को नष्ट कर दिया। यह एक लॉक स्टॉक और बैरल हमला था। उन्होंने सुनिश्चित किया कि यह हमला उन्हें जल्द से जल्द लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करेगा और वे पृथ्वी पर से सभी बुराइयों से छुटकारा पा लेंगे, अफसोस कि ऐसा नहीं हुआ। युद्ध लगभग एक महीने से चल रहा है और ऐसा प्रतीत होता है कि इस युद्ध की चिंगारी तो दिखाई नहीं देगी, पर युद्ध जारी रहेगा। कई विशेषज्ञों के अनुसार यह एक और इराक या लीबिया बन रहा है।

> युद्ध लगभग एक महीने से चल रहा है और ऐसा प्रतीत होता है कि इस युद्ध की चिंगारी तो दिखाई नहीं देगी, पर युद्ध जारी रहेगा। कई विशेषज्ञों के अनुसार यह एक और इराक या लीबिया बन रहा है।

युद्ध के बाद देश के पुनर्निर्माण और विकास के लिए ईरान को एक और मार्शल प्लान (मार्शल प्लान 2) से समर्थन मिलना चाहिए। इराक-लीबिया सिंड्रोम से बचने के लिए व्यापक चौतरफा सहायता और समर्थन अपरिहार्य है। इजरायली सरकार को नए शासन का भागीदार होना चाहिए। इजराइल को पुनर्निर्माण में भागीदार बनाना हास्यास्पद लग सकता है। पर साझेदारी न केवल दोनों देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, बल्कि दोनों देशों के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की गारंटी भी देगी। इसका उदाहरण वर्ष 1967 के बाद मिस्र और जॉर्डन के साथ इजरायल के मध्य-पूर्व संघर्ष और उसके बाद हुए युद्धविराम से समझा जा सकता है। हालांकि सब कुछ इतना आसान नहीं है, फिर भी, वर्तमान अशांत स्थिति में भी इन देशों के बीच युद्धविराम है।

युद्ध के बाद की किसी भी कार्रवाई को शून्य कर देना और ईरान को अपनी मनमानी करने देना आधुनिक राज्य की राजनीति का हाराकिरी होगा। यदि मार्शल प्लान 2 के अंतर्गत सर्वांगीण अनुदान, सहायता और सहयोग नहीं दिया गया तो ईरान में एक और कट्टर उग्रवादी समूह उभर आएगा, जो इजरायल जैसे पड़ोसी देशों से और दुश्मनी ठानते हुए अमेरिका का दुश्मन बना रहेगा। इस स्थिति में सामान्य जनता के हितों की अनदेखी होने के साथ उग्रवाद को और बढ़ावा मिलता रहेगा। पुनर्निर्माण सहायता और सर्वांगीण समर्थन का मैग्नम हिस्सा संयुक्त राज्य अमेरिका से आना चाहिए। मार्शल प्लान 2 की सफलता से इजराइल और ईरान दोनों के लिए सांस्कृतिक/सभ्यतागत अहंकार से बचने का एक मार्ग प्रशस्त होगा। सह-अस्तित्व ही राज्यों को शांतिपूर्वक रहने में मदद करता है। हालांकि मार्शल प्लान 2 का आयोजन इतना आसान भी नहीं है, परंतु देश के सर्वांगीण विकास के लिए, इस दिशा में काम करना न्यायसंगत होगा। अमेरिका और यूरोपीय देशों को चाहिए कि वे मार्शल प्लान 2 के प्रभावी रूप से अनुपालन में अधिक से अधिक सहयोग प्रदान करें।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

विस्थापन संकट

दिलीप खान
ब्लॉगर

इजरायल, लेबनान की सीमा में 30 किलोमीटर अंदर घुस गया है। सिर्फ तीन हफ्तों में दक्षिणी लेबनान से 10 लाख लोग विस्थापित हुए हैं, जो उसकी आबादी का लगभग 20 फीसदी है। यह दुनिया का सबसे तेज विस्थापन संकट है। सीरिया और सोमालिया में भी इतनी तेजी से इतना बड़ा विस्थापन नहीं हुआ था। इजरायल ने ये सब हिजबुल्लाह के खिलाफ ऑपरेशन के नाम पर किया है, लेकिन हकीकत यह है कि ग्रेटर इजरायल के तहत यह उसकी पुरानी योजना का हिस्सा है। हिजबुल्लाह अब तक इजरायल को लिटानी नदी पार नहीं करने दे रहा था। वह उसे रोके हुए था। इजरायल ने बीते दिनों लिटानी के ऊपर बने सात पुलों को उड़ा दिया। इन पुलों के ध्वस्त होने से दक्षिणी लेबनान, मुख्य हिस्से से कट गया है।

मैंने पहले भी कहा था कि इजरायल का ज्यादा ध्यान अभी लेबनान पर है। वह ईरान पर हमले जरूर कर रहा है, लेकिन लेबनान उसके एजेंडे में अहम है, क्योंकि वहां उसे 'जीत' की गुंजाइश नजर आ रही थी। पिछले तीन हफ्तों से वेस्ट बैंक में भी फिलिस्तीनियों के साथ इजरायली सेना और सेटलर (वहां आकर बसे या बसने की तमन्ना पाले हथियारबंद इजरायली-यहूदी) ने अभूतपूर्व हिंसा की है। व्यापक हत्याएं, बलात्कार, छिनैती, लूट जैसी वीभत्स खबरें तमाम सेंसरशिप के बावजूद रिपोर्ट हो रही हैं। पिछले हफ्ते एक फिलिस्तीनी पत्रकार को सुन रहा था, जिसका कहना था कि उसने ऐसी हिंसा अपनी जिंदगी में नहीं देखी। वह पिछले दो-तीन दशकों की बात कर रही थी। नए इलाके कब्जाने के लिए इजरायली सेना ने सेटलर्स को हथियार दिए हैं और वे गांव के गांव लूट रहे हैं। इन्होंने कई बस्तियों को आग लगाकर खाक कर दिया। इजरायल का शुरू से लक्ष्य है कि वह दक्षिणी लेबनान पर कब्जा कर ले। पहले उसके कुछ नेताओं ने यह मंशा जाहिर की कि वह वहां उसी तरह का घेरा बनाए, जैसा वह गाजा में बना रहा है। इसके बाद की क्रोनोलॉजी देखिए। उसने पहले दक्षिणी लेबनान पर आसमानी हमले किए। फिर लोगों से कहा कि घर छोड़कर भागो। फिर कहा कि जब तक हिजबुल्लाह का असर खत्म नहीं होता, तब तक लौटना मत। फिर टैंक लेकर जमीनी हमले शुरू किया। फिर लिटानी नदी के पुल तोड़े। फिर सेना वहां पहुंची और अब इजरायली नेता कह रहे हैं कि इस इलाके को इजरायल में मिला लो। यानी जो पुराना सपना था, वह इस क्रोनोलॉजी में बाद में जाहिर हो रहा है, लेकिन मूल सपना वही था। हिजबुल्लाह उस सपने के बीच में खड़ा था और अभी भी है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

कानूनी रूप से गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार

आकाश सपेलकर
अधिवक्ता

किसी भी समाज में यह प्रबल धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की तब तक सेवा की जाए, जब तक उसके प्राण कुदरती तौर पर न निकल जाएं। खासकर भारतीय समाज में इस मुद्दे को लेकर गहरी संवेदनशीलता रही है, लेकिन जब कोई अपना प्रिय उस स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौट पाना संभव ही न हो, तो बदलते वक्त के साथ कानून के दायरे में उसकी मुक्ति की भी बात होने लगी है।

हाल ही में देश के सुप्रीम कोर्ट का 13 वर्ष से कोमा में रहने वाले एक युवा के लिए निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देने का निर्णय, जीवन के अंतिम चरण की देखभाल पर भारत में विकसित होते न्यायशास्त्र में नया मोड़ है। किसी असाध्य स्थिति में कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की अनुमति देने वाला यह फैसला, अदालत द्वारा पहले से निर्धारित प्रक्रिया का पहला व्यावहारिक प्रयोग है। इस मामले में चिकित्सा बोर्डों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य नहीं था। इससे केवल जैविक अस्तित्व को ही लंबा खींच दिया गया। इस बाबत अदालत की स्वीकृति एक कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा, मृत्यु में भी गरिमा तक विस्तारित होनी चाहिए। निस्संदेह, भारत में इच्छामृत्यु पर कानूनी प्रगति धीमी रही है। इस मामले में पहली बार अरुणा शानबाग मामले में ध्यान दिया गया था। वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुच्छेद-21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार के अंतर्गत गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार देने के साथ यह मुद्दा अपने चरम पर पहुंचा।

दरअसल, इच्छामृत्यु से जुड़ी दुविधा, इससे जुड़े सिद्धांतों के क्रियान्वयन की अनिश्चितता को लेकर बनी रही है, जिसके चलते परिवारों व डॉक्टरों को जटिल प्रकिया व कानूनी चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। हालिया फैसले से भी न्यायिक दिशा-निर्देशों मात्र पर निर्भर रहने की सीमाएं उजागर हुई हैं, बल्कि यहां तक कि देश की शीर्ष अदालत ने भी निष्क्रिय इच्छामृत्यु, लिविंग बिल और जीवन को लेकर अंतिम निर्णय को नियंत्रित करने वाले व्यापक कानून की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। ऐसे कानून में नैतिक संवेदनशीलता और प्रक्रियात्मक स्पष्टता के बीच बेहद संतुलन होना चाहिए। यह प्रक्रिया कमजोर रोगियों को दुर्व्यवहार से बचाते हुए, यह भी सुनिश्चित करे कि परिवार और चिकित्सा पेशेवर कानूनी परिणामों के भय के बिना कार्य कर सकें। इस मामले में स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्तता का सम्मान आवश्यक है। निष्कर्ष यह भी है कि जब उपचार असंभव हो, तो चिकित्सा उपायों से रोगी की पीड़ा को लंबा नहीं खींचा जाना चाहिए। शीर्ष अदालत की कारगर सलाह के मद्देनजर देश के नीति-नियंताओं को एक मानवीय कानूनी ढांचा तैयार करने के बारे में गंभीरता से सोचना चहिए, जो टाली न जा सकने वाली विषम स्थिति में व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने और मरने की अनुमति दे सके। देश में इस बाबत एक संवेदनशील कानून बनाने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। साथ ही ऐसा कानून बनाते वक्त मानवीय संवेदनशीलता तथा कानूनी सुरक्षा कवच के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही जरूरी होगा। वहीं हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा संकीर्ण लक्ष्यों को पूरा करने के लिए किसी व्यक्ति की दबाव में इच्छामृत्यु के लिए परिस्थितियां पैदा न की जा सकें। दुनिया के तमाम विकसित देशों में इस आशंका के चलते ही इच्छामुत्यु को कानूनी रूप देने से परहेज किया गया है। यह जटिल मामला भी है, जिसके निर्धारण के लिए कानूनी स्पष्टता और मामले की गहन निगरानी भी उतनी ही जरूरी है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

अमृत विचार

कैम्पस

वर्ड स्मिथ

एक मजाक से हुई थी 'OK' की शुरुआत

'OK' सिर्फ दो अक्षरों का यह छोटा-सा शब्द आज पूरी दुनिया की साझा भाषा बन चुका है। चाहे आप किसी अनजान देश में हों या अलग भाषा बोलने वाले लोगों के बीच, 'OK' हर जगह समझा जाता है। इसकी शुरुआत जितनी साधारण दिखती है, उतनी ही दिलचस्प भी है। दरअसल, साल 1839 में अमेरिका के अखबारों में एक अनोखा ट्रेंड चल रहा था। शब्दों को जानबूझकर गलत लिखना और उन्हें छोटा करके पेश करना। इसी

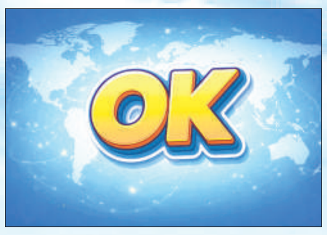

मजाकिया अंदाज में 'all correct' को 'oll korrect' लिखा गया और इसका संक्षिप्त रूप बना 'O.K.'। धीरे-धीरे यह मजाक लोगों की जुबान पर चढ़ गया। फिर आया 1840 का अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव, जिसने 'OK' को नई पहचान दी। उम्मीदवार मार्टिन वैन ब्यूरन के समर्थकों ने "OK Club" बनाकर इसे प्रचार का नारा बना दिया- "We're OK!"। यहीं से यह शब्द आम लोगों के बीच लोकप्रिय हो गया। 'OK' की उत्पत्ति को लेकर कई और सिद्धांत सामने आए। कुछ लोगों ने इसे चॉकटॉ जनजाति के शब्द "okeh" से जोड़ा। यहां तक कि अमेरिका के राष्ट्रपति वुडरो विल्सन भी "OK" की जगह "okeh" लिखते थे। भाषा वैज्ञानिकों ने शोध के आधार पर यह साफ कर दिया कि 'OK' की असली जड़ें 'oll korrect' से ही जुड़ी हैं। समय के साथ 'OK' ने भाषाओं की सीमाएं तोड़ दीं और आज यह सहमति, संतोष और सामान्य प्रतिक्रिया का प्रतीक बन गया है। मजाक से जन्मा यह शब्द अब वैश्विक संवाद का सबसे आसान माध्यम बन चुका है।

नोटिस बोर्ड

पीएचडी प्रवेश परीक्षा

■ लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए पीएचडी (नियमित) कार्यक्रम में प्रवेश हेतु अनुसंधान प्रवेश परीक्षा की संभावित तिथि घोषित कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह परीक्षा 30 और 31 मार्च को आयोजित की जाएगी। दोनों दिन यह परीक्षा सुबह 10:30 बजे से 12:00 बजे तक संचालित की जाएगी। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचें और प्रवेश पत्र सहित सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें। परीक्षा से संबंधित अन्य जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

परीक्षाओं का कार्यक्रम

■ महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली ने वर्ष 2026 के लिए बीएससी नर्सिंग, बीपीटी और बीएससी एमएलटी पाठ्यक्रमों की मुख्य एवं पूरक परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार ये परीक्षाएं 30 मार्च से शुरू होकर अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षाओं के लिए एक समान समय निर्धारित किया गया है। परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगी।

नए युवा और बदलती करियर संभावनाएं

संध्या राजपुरोहित
शिक्षिका

आज का समय अवसरों, संभावनाओं और प्रतिस्पर्धा का समय है। बदलती तकनीक, वैश्वीकरण और नई आर्थिक संरचनाओं ने करियर के पारंपरिक ढांचे को पूरी तरह परिवर्तित कर दिया है। एक समय था जब डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी नौकरी को ही सफलता का पर्याय माना जाता था, लेकिन आज डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल मीडिया, डिजाइन, खेल, उद्यमिता और अनेक कौशल आधारित क्षेत्रों में भी उज्ज्वल भविष्य के द्वार खुले हैं। यह विविधता जहां एक ओर युवाओं को नए अवसर प्रदान करती है, वहीं दूसरी ओर उनके सामने सही चुनाव की चुनौती भी खड़ी करती है।

रोजगार योग्य कौशल

भारत का वर्तमान जनसांख्यिकीय परिदृश्य इस चर्चा को और अधिक महत्वपूर्ण बना देता है। देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है और हर वर्ष लगभग 1.2 करोड़ युवा कार्यबल में प्रवेश करते हैं। यह स्थिति भारत को एक बड़ी संभावित शक्ति प्रदान करती है, जिसे "डेमोग्राफिक डिविडेंड" कहा जाता है। यदि इस युवा शक्ति को उचित दिशा, कौशल और अवसर नहीं मिले, तो यही संभावना एक चुनौती में परिवर्तित हो सकती है। यही वह बिंदु है, जहां कैरियर चयन और कौशल विकास के बीच का संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। विभिन्न रिपोर्ट्स यह संकेत करती हैं कि देश में रोजगार की समस्या से अधिक "रोजगार योग्य कौशल" की कमी एक बड़ी चुनौती है। आज भी लगभग आधे युवा ऐसे हैं, जो उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप पूरी तरह तैयार नहीं हैं। कई अध्ययन बताते हैं कि केवल लगभग 50 प्रतिशत ग्रेजुएट ही वास्तव में जॉब-रेडी माने जाते हैं। इसका अर्थ यह है कि शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद बड़ी संख्या में युवा रोजगार के लिए आवश्यक व्यावहारिक दक्षताओं से वंचित रह जाते हैं। यह स्थिति शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ती खाई को भी उजागर करती है।

युवाओं के लिए अवसर और चुनौती

देश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है, फिर भी बेरोजगारी के आंकड़ों में बड़ी हिस्सेदारी शिक्षित युवाओं की ही दिखाई देती है। लगभग 65 से 67 प्रतिशत बेरोजगार युवाओं का ग्रेजुएट होना इस तथ्य को स्पष्ट करता है कि केवल डिग्री हासिल करना सफलता की गारंटी नहीं है। इसका एक प्रमुख कारण यह है कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली अभी भी अधिकतर सैद्धांतिक ज्ञान पर आधारित है, जबकि उद्योग और समाज को व्यावहारिक कौशल, नवाचार और समस्या समाधान की क्षमता रखने वाले युवाओं की आवश्यकता है। कौशल अंतर या "स्किल गैप" भी इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। देश में औपचारिक रूप से प्रशिक्षित युवाओं का प्रतिशत अभी भी बहुत कम है, जो लगभग 4 से 5 प्रतिशत के आसपास माना जाता है। वहीं, नई तकनीकी क्षेत्रों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और डिजिटल तकनीक में कुशल युवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन उस अनुपात में प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध नहीं है। यह अंतर युवाओं के लिए अवसर भी है और चुनौती भी, क्योंकि जो इस दिशा में स्वयं को तैयार करेगा, वही भविष्य में आगे बढ़ेगा।

रोजगार की गुणवत्ता

रोजगार की गुणवत्ता भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनकर उभर रही है। बड़ी संख्या में युवा अपनी योग्यता से कम स्तर के कार्य करने के लिए मजबूर हैं, जिससे उनमें असंतोष और अस्थिरता की भावना बढ़ती है। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी प्रभाव डालती है। इन सभी तथ्यों और आंकड़ों के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि विद्यार्थी अपने कैरियर का चुनाव किस प्रकार करें। इसका उत्तर आत्म पहचान में निहित है। प्रत्येक विद्यार्थी की अपनी रुचियां, क्षमताएं और सपने होते हैं। जब कोई व्यक्ति अपनी रुचि के अनुरूप क्षेत्र का चयन करता है, तो वह उसमें अधिक समय तक टिकता है, बेहतर प्रदर्शन करता है और अंततः संतुष्टि भी प्राप्त करता है। इसके विपरीत, यदि कैरियर का चुनाव केवल सामाजिक दबाव, तुलना या अधूरी जानकारी के आधार पर किया जाता है, तो वह आगे चलकर असंतोष का कारण बनता है। सही निर्णय के लिए आवश्यक है कि विद्यार्थी अपने भीतर झांकें, अपनी रुचियों और क्षमताओं को समझें और विभिन्न कैरियर विकल्पों के बारे में ठोस जानकारी प्राप्त करें।

रुचि, क्षमता और लक्ष्य

आज सूचना के अनेक स्रोत उपलब्ध हैं, लेकिन सही और प्रामाणिक जानकारी का चयन करना भी उतना ही आवश्यक है। इसके साथ ही शिक्षकों, अभिभावकों और कैरियर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लेना निर्णय को अधिक सुदृढ़ बनाता है। इस प्रक्रिया में परिवार और विद्यालय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों पर अपने सपनों का बोझ न डालें, बल्कि उनकी रुचियों और क्षमताओं को समझते हुए, उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। वहीं शिक्षकों का दायित्व केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि वे विद्यार्थियों के मार्गदर्शक बनकर उन्हें जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए तैयार करते हैं। एक सकारात्मक और सहयोगात्मक वातावरण बच्चों में आत्मविश्वास विकसित करता है और उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। आज का समय निरंतर सीखने का समय है। कैरियर अब एक स्थिर विकल्प नहीं, बल्कि एक गतिशील यात्रा बन चुका है, जिसमें समय-समय पर नए कौशल सीखना, स्वयं को अपडेट करना और बदलती परिस्थितियों के अनुसार ढलना आवश्यक है। यही लचीलापन और सीखने की प्रवृत्ति व्यक्ति को दीर्घकालिक सफलता की ओर ले जाती है। अंततः यह स्पष्ट है कि कैरियर का सही चुनाव केवल एक निर्णय नहीं, बल्कि जीवन की दिशा तय करने वाली प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया तभी सफल हो सकती है, जब उसमें आत्मविश्वास, सही जानकारी, कौशल विकास और स्पष्ट लक्ष्य का समन्वय हो। आज के विद्यार्थी यदि इन आधारों को समझकर अपने कैरियर की दिशा तय करते हैं, तो वे न केवल अपने लिए एक सफल भविष्य का निर्माण करेंगे, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे। याद रखना होगा कि कैरियर का चुनाव भीड़ का अनुसरण नहीं, बल्कि अपनी पहचान को समझते हुए अपनी राह बनाने की प्रक्रिया है। सही कैरियर वही है, जहां रुचि, क्षमता और लक्ष्य एक साथ मिलकर जीवन को सार्थकता प्रदान करते हैं।

कॉलेज का पहला दिन

जब सपना बना हकीकत

भावना
हल्द्वानी

मेरे जीवन के अनुभवों में कॉलेज में मेरा पहला दिन शामिल है, जिन्हें मैं हमेशा संजोकर रखना चाहूंगी। यह सिर्फ एक नए कॉलेज में प्रवेश नहीं था, बल्कि अपने सपनों की दिशा में पहला ठोस कदम भी था। पत्रकारिता की पढ़ाई शुरू करना मेरे लिए लंबे समय से एक सपना रहा था और जब वह दिन आया, तो मेरे मन में उत्साह, जिज्ञासा और हल्की-सी घबराहट एक साथ उमड़ रही थी।

सुबह जब मैं कॉलेज परिसर में पहुंची, तो हर चीज मुझे नई और अलग लग रही थी। चारों ओर अनजान चेहरे, नई-नई इमारतें और एक बिल्कुल अलग माहौल मानो मैं एक नई दुनिया में प्रवेश कर रही थी। दिल की धड़कनें थोड़ी तेज थीं, लेकिन भीतर कहीं एक खुशी भी थी कि अब मैं अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रही हूं। पहले दिन की शुरुआत परिचय सत्र से हुई। कक्षा में बैठते ही शिक्षकों ने बड़े सहज और प्रेरणादायक अंदाज में पत्रकारिता के महत्व को समझाना शुरू किया। उन्होंने बताया कि पत्रकारिता केवल खबरें लिखने या दिखाने का काम नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का एक सशक्त माध्यम है। एक सच्चा पत्रकार वही होता है, जो निष्पक्ष होकर सच को सामने लाए, लोगों की आवाज बने और समाज की समस्याओं को उजागर करे। उनकी बातें सुनकर मेरे भीतर इस पेशे के प्रति सम्मान और भी बढ़ गया। क्लास के दौरान मैं ध्यान से हर बात सुन रही थी, लेकिन साथ ही अपने आसपास बैठे छात्रों को देखकर थोड़ी झिझक भी महसूस हो रही थी। सब एक-दूसरे से अनजान थे, फिर भी हर किसी के चेहरे पर कुछ नया सीखने की उत्सुकता साफ दिखाई दे रही थी। पहली क्लास खत्म होने के बाद धीरे-धीरे माहौल थोड़ा सहज होने लगा। मैंने हिम्मत जुटाकर अपने सहपाठियों से बातचीत शुरू की। शुरुआत में थोड़ी झिझक थी, लेकिन जल्द ही वह घुलने लगी। कुछ ही देर में मेरी कुछ नए दोस्तों से अच्छी पहचान हो गई। उनसे बात करके ऐसा लगा जैसे हम पहले से ही एक-दूसरे को जानते हों। इस छोटी-सी पहल ने मेरे आत्मविश्वास को काफी बढ़ा दिया। दिन के अंत तक मेरी सारी घबराहट लगभग खत्म हो चुकी थी और उसकी जगह एक नई ऊर्जा ने ले ली थी। मुझे एहसास हुआ कि यह सफर न केवल सीखने का होगा, बल्कि खुद को समझने और निखारने का भी अवसर देगा। ज्ञानार्थी मीडिया कॉलेज का वह पहला दिन मेरे लिए सिर्फ शुरुआत नहीं, बल्कि एक नई पहचान की नींव था।

करेंट अफेयर्स

- हाल ही में 1998 बैच के अधिकारी कृष्ण कुमार ठाकुर ने NMDC लिमिटेड में निदेशक (कार्मिक) का पदभार ग्रहण कर लिया है। NMDC भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी है। उन्होंने भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा के अधिकारी के रूप में अपनी सेवा शुरू की थी। उनके पास भारतीय रेलवे और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में मानव संसाधन प्रबंधन का दो दशकों से भी अधिक का अनुभव है।
- भारत जून 2026 से लिपुलेख दर्रा के माध्यम से चीन के साथ सीमा व्यापार फिर से शुरू करने जा रहा है। यह कदम 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान लगाए गए सात साल के प्रतिबंध को समाप्त करेगा। यह निर्णय विभिन्न मंत्रालयों की मंजूरी और महत्वपूर्ण कूटनीतिक वार्ताओं के बाद लिया गया है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित यह ऐतिहासिक व्यापार मार्ग लंबे समय से स्थानीय लोगों की आजीविका का आधार रहा है और इसके दोबारा खुलने से व्यापारियों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है।
- हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के ओपनर साहिबजादा फरहान को फरवरी 2026 के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ घोषित किया गया है। यह सम्मान उन्हें आईसीसी मेन्स टी-20 विश्व कप 2026 में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मिला। फरहान ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक रन बनाए और इतिहास रच दिया। उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ते हुए एक ही टी-20 वर्ल्ड कप संस्करण में सबसे ज्यादा रन बनाने का नया रिकॉर्ड बनाया।
- हाल ही में भारत ने वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। नई दिल्ली में आयोजित इस प्रतियोगिता में भारत ने कुल 208 पदक जीतकर पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। तीन दिन तक चले इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन का आयोजन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया गया, जिसमें आठ देशों के 257 एथलीटों ने भाग लिया। भारतीय पैरा एथलीटों ने ट्रैक और फील्ड स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 75 स्वर्ण, 69 रजत और 64 कांस्य पदक जीते।

जॉब अलर्ट

IDBI बैंक लिमिटेड

- पद का नाम : स्पेशलिस्ट ऑफिसर (डीजीएम, एजीएम, मैनेजर, जूनियर असिस्टेंट मैनेजर–सिक्योरिटी ऑफिसर)
- कुल पद :33
- योग्यता- आई/कंप्यूटर साइंस/इलेक्ट्रॉनिक्स/डेटा/एआई/रिलेटेड फील्ड में ग्रेजुएट/पोस्टग्रेजुएट डिग्री या XII/डिप्लोमा जेसीओ सर्विस (सिक्योरिटी ऑफिसर के लिए) के साथ, तय एक्सपीरियंस के साथ
- आयु सीमा-25 से 45 साल, सिक्योरिटी ऑफिसर के लिए 50 साल तक, रिलैक्सेशन के साथ)
- वेबसाइट- https://www.idbibank.in

को-ऑपरेटिव बैंकिंग एंड टेक्निकल सर्विसेज परीक्षा

- पद का नाम : मैनेजर, जूनियर मैनेजर, असिस्टेंट कैशियर, असिस्टेंट/टाइपिस्ट, असिस्टेंट इंजीनियर (सिविल)
- कुल पद-116 पोस्ट
- वेबसाइट- https://upcisb.org

IRB GD कांस्टेबल रिक्रूटमेंट

- पद का नाम-कांस्टेबल बैंड, कांस्टेबल बगलर, कांस्टेबल, कॉन्स्टेबल सिविल पुलिस (महिला), कांस्टेबल सिविल पुलिस (पुरुष), फायरमैन, स्पेशल टाइगर गार्ड
- कुल पद -984 (APST, UR और एक्स-सर्विसमैन कोटा मिलाकर)
- पे स्केल- पे मैट्रिक्स लेवल-3 (21,700 – 69,100)
- योग्यता- क्लास 10 वीं, (पोस्ट के हिसाब से तय फ़िज़िकल स्टैंडर्ड और दूसरी एलिजिबिलिटी शर्तें)
- आयु सीमा- 18-22 साल कांस्टेबल पोस्ट (पोस्ट कोड 5/26 से 9/26), फायरमैन और स्पेशल टाइगर गार्ड के लिए 18–32 साल (पोस्ट कोड 10/26 और 11/26), एपीएसटी और एक्स-सर्विसमैन के लिए नियम के अनुसार ऊपरी उम्र में छूट
- वेबसाइट- https://apssb.nic.in

इसरो यूआरएससी

- पद का नाम : वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एससी', वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एसडी', चिकित्सा अधिकारी 'एससी'
- कुल पद : 4
- पे स्केल : पद के हिसाब से अलग-अलग स्केल
- योग्यता : पदानुसार
- आयु सीमा : 25-35 वर्ष
- वेबसाइट : www.isro.gov.in & www.ursc.gov.in

स्टडी से लेकर ट्रैवल तक, अपनाएं ये स्मार्ट कोर्स

ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर, बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

12 वीं के बाद करियर चुनना केवल पारंपरिक ग्रेजुएशन तक सीमित नहीं रह गया है। आज के समय में कई ऐसे प्रोफेशनल और डिप्लोमा कोर्स मौजूद हैं, जो न सिर्फ बेहतर करियर के अवसर देते हैं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का रास्ता भी खोलते हैं। इन कोर्स के जरिए छात्रों को विदेश में ट्रेनिंग, सेमिनार, प्रोजेक्ट और यहां तक कि नौकरी के मौके भी मिल सकते हैं। यदि आप पढ़ाई के साथ-साथ दुनिया घूमने का सपना देखते हैं, तो सही कोर्स का चुनाव आपके भविष्य को नई दिशा दे सकता है। आइए जानते हैं ऐसे पांच प्रमुख कोर्स के बारे में, जो आपको वैश्विक मंच तक पहुंचा सकते हैं।

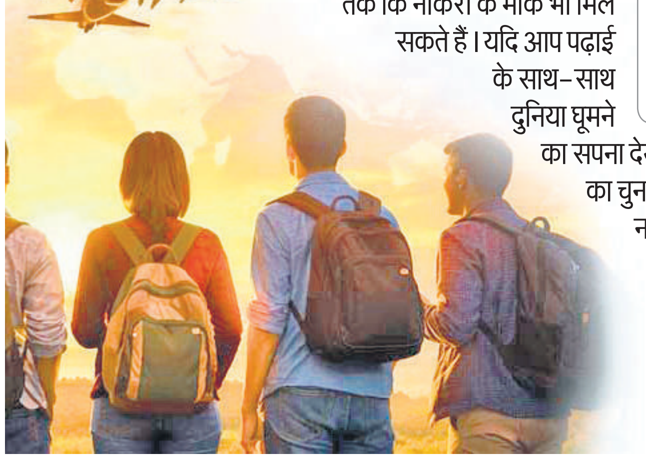

एमबीए इन इंटरनेशनल रिलेशन

आज के दौर में एमबीए इन इंटरनेशनल रिलेशन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यह कोर्स उन छात्रों के लिए उपयुक्त है, जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, वैश्विक व्यापार और कूटनीति में रुचि है। इसमें देशों के आपसी संबंध, अंतर्राष्ट्रीय संगठन, विदेशी नीतियां और वैश्विक अर्थव्यवस्था जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इस कोर्स की खासियत यह है कि पढ़ाई के दौरान छात्रों को इंटरनेशनल सेमिनार, एक्सचेंज प्रोग्राम और रिसर्च प्रोजेक्ट में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। भारत में जवाहरलाल नेहरू विश्वविघालय,जाधवपुर विश्वविघालय जैसे संस्थान इस क्षेत्र में बेहतरीन शिक्षा प्रदान करते हैं।

डिप्लोमा इन इंटरनेशनल रिलेशन

यदि कोई छात्र जल्दी इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहता है, तो डिप्लोमा इन इंटरनेशनल रिलेशन एक अच्छा विकल्प है। यह कोर्स सामान्यत: एक से दो वर्ष का होता है और इसमें वैश्विक राजनीति, अंतर्राष्ट्रीय कानून और कूटनीति की बुनियादी जानकारी दी जाती है।

ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट

अगर आपको घूमना-फिरना पसंद है और नई संस्कृतियों को जानने का शौक है, तो ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इस कोर्स में टूर प्लानिंग, एयरलाइन ऑपरेशन, होटल मैनेजमेंट और इंटरनेशनल टूरिज्म जैसे विषय शामिल होते हैं। इस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को अक्सर विदेश यात्रा करनी पड़ती है, क्योंकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय टूर पैकेज तैयार करने, क्लाइंट्स से मिलने और विभिन्न देशों में सेवाएं समन्वित करने का काम करना होता है। कई कंपनियां अपने कर्मचारियों को विदेश में ट्रेनिंग और बिजनेस ट्रिप के लिए भी भेजती हैं, जिससे अनुभव और आय दोनों बढ़ते हैं।

फॉरेन ट्रेड एंड इंटरनेशनल बिजनेस

ग्लोबलाइजेशन के दौर में फॉरेन ट्रेड एंड इंटरनेशनल बिजनेस से जुड़े कोर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। इस कोर्स में इंपोर्ट-एक्सपोर्ट, अंतर्राष्ट्रीय बाजार, फाइनेंस और ट्रेड पॉलिसी की जानकारी दी जाती है। इस क्षेत्र में कार्यरत प्रोफेशनल्स को ट्रेड फेयर, बिजनेस मीटिंग और मार्केट रिसर्च के लिए विदेश जाना पड़ सकता है। भारत में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड (आईआईएफटी) इस क्षेत्र का प्रमुख संस्थान है। यहां से पढ़ाई करने के बाद छात्रों को बेहतरीन प्लेसमेंट मिलते हैं और सैलरी पैकेज भी आकर्षक होता है।

यूपीएससी के जरिए इंडियन फॉरेन सर्विसेस

अगर आप सरकारी सेवा के माध्यम से विदेश में काम करना चाहते हैं, तो संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा के जरिए भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) में शामिल हो सकते हैं। यह भारत की सबसे प्रतिष्ठित सेवाओं में से एक है। आईएफएस अधिकारी भारत का प्रतिनिधित्व विदेशों में करते हैं और उन्हें विभिन्न देशों में दूतावासों में नियुक्त किया जाता है। हालांकि इसमें चयन के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा और उच्च रैंक आवश्यक होती है, लेकिन यह करियर सम्मान, अनुभव और अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर का अनूठा अवसर प्रदान करता है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	75,273.45	23,306.45
बढ़त	1205.00	394.05
प्रतिशत में	1.63	1.72

सोना 1,49,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,41,250 प्रति किलो

अमृत विचार
लखनऊ, गुरुवार, 26 मार्च 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

टाटा ने यूपी कमीशन कीं में दो ट्रांसमिशन लाइनें

नयी दिल्ली। टाटा पावर ने बुधवार को उत्तर प्रदेश में 154 सर्किट किलोमीटर में फैली दो ट्रांसमिशन लाइनों - 400 किलोवोल्ट टांडा-गोंडा और 400 किलोवोल्ट (केवी) गोंडा-बस्ती डबल सर्किट - की कमीशनिंग की घोषणा की। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इसके साथ ही उसने साउथ ईस्ट यूपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (एसईयूपीपीटीसीएल) परियोजना के अंतर्गत सभी एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) ट्रांसमिशन लाइनों और सबस्टेशनों का सफलतापूर्वक कमीशनिंग कर लिया है। इस नेटवर्क में अब राज्य भर में 951 सर्किट किमी की तीन 765 केवी लाइनें, 566 सर्किट किमी की चौदह 400 केवी लाइनें और 3,460 एमवीए ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता वाले तीन 765/400 केवी सबस्टेशन हैं।

रेल मार्ग से 35 फीसदी वाहन भेजेगी मारुति

नयी दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड की योजना वित्त वर्ष 2030-31 तक रेल मार्ग से वाहनों की आपूर्ति की हिस्सेदारी बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने की है। वर्तमान में यह हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि मानेसर संयंत्र के अंदर रेल पटरी सुविधा (इन-प्लांट रेलवे साइडिंग) से जून 2025 में परिचालन शुरू होने के बाद से अब तक एक लाख वाहनों की ढुलाई (डिस्पैच) की जा चुकी है। इससे करीब 16,800 मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य उत्सर्जन कम हुआ। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा कि कैलेंडर वर्ष 2025 में कंपनी ने रेलवे के जरिये 5.85 लाख से अधिक वाहनों की ढुलाई कर रिकॉर्ड बनाया।

अकासा एयर ने बनाया 42 माह में 2.5 करोड़ यात्रियों का रिकॉर्ड

नयी दिल्ली। नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर ने संचालन शुरू करने के मात्र 42 महीनों (साढ़े तीन साल) से थोड़े अधिक समय में 2.5 करोड़ से अधिक यात्रियों को सेवा देने की उपलब्धि हासिल कर ली है। अकासा ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाली सबसे तेज भारतीय एयरलाइन बन गयी है। एयरलाइन ने अगस्त 2022 में पहली उड़ान भरी थी और लगातार उद्योग में उच्च पैसेंजर लोड फैक्टर (भरी सीटों का अनुपात) दर्ज किया है। यह मांग की मजबूती, नेटवर्क की दक्षता और अकासा अनुभव के प्रति बढ़ती ग्राहक पसंद को दर्शाता है। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए अकासा एयर के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय दूबे ने कहा कि केवल साढ़े तीन साल में 2.5 करोड़ यात्रियों का आंकड़ा पार करना हमारे लिए गर्व का विषय है।

हर तीन में से एक पीसी साइबर हमलों का शिकार

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत में वर्ष 2025 के दौरान प्रत्येक तीन में से एक निजी कंप्यूटर (पीसी) उपयोगकर्ता स्थानीय स्तर पर होने वाले ऑफलाइन साइबर हमलों का निशाना बना। साइबर सुरक्षा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कैस्परस्काई ने मंगलवार को जारी अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

कच्चे तेल में नरमी से बाजार में दूसरे दिन भी तेजी
सेंसेक्स 1,205 और निफ्टी 394 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 1,205 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 394 अंक के लाभ में रहा। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद के बीच कच्चे तेल के दाम में कमी और वैश्विक बाजारों में मजबूती के साथ घरेलू शेयर बाजार बढ़त में रहे।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,205 अंक यानी 1.63 प्रतिशत बढ़कर 75,273.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,781.31 अंक चढ़कर 75,849.76 अंक पर पहुंच गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 394.05 अंक यानी 1.72 प्रतिशत बढ़कर 23,306.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, टाइटन, इंटरग्लोब एविएशन और ट्रेंट प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 5.07 प्रतिशत टूटकर 99.19 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वैश्विक जोखिम धारणा में सुधार और पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद बढ़ने से शेयर बाजारों में तेजी बनी रही।

अमेरिका और ईरान के बयान में विरोधाभास के बावजूद, दोनों देशों के बीच संभावित राजनयिक प्रगति के कारण कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर से नीचे आ गईं, जिसका बाजार ने स्वागत किया।

छोटी कंपनियों से जुड़ा बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 3.05 प्रतिशत चढ़ गया, जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप 2.50 प्रतिशत चढ़ा। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त के साथ बंद हुए।

यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 8,009.56 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,867.15 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

रुपया 29 पैसे टूटकर 94.05 प्रति डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। रुपया बुधवार को 29 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर 94.05 (अस्थायी) पर आ गया। विदेशी पूंजी की भारी निकासी और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से निवेशक चिंतित हैं। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, डॉलर के कमजोर रुख और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक धारणा के बावजूद स्थानीय मुद्रा को कोई राहत नहीं मिल सकी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 93.94 पर खुला। डॉलर के मुकाबले 93.86 से 94.08 की सीमा में कारोबार करने के बाद अंततः यह 94.05 (अस्थायी) के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 29 पैसे की गिरावट है।

15.80 लाख करोड़ रुपये बढ़ी निवेशकों की संपत्ति

नयी दिल्ली, एजेंसी। स्थानीय शेयर बाजार में आई तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति दो सत्र में 15.80 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई है। कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट और पश्चिम एशिया युद्ध को लेकर तनाव कम होने की उम्मीद से बाजार में सुधार देखा गया। शेयर बाजार में पिछले दो कारोबारी सत्र से तेजी बनी हुई है और इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 2,577.06 अंक यानी 3.54 प्रतिशत चढ़ा है। बुधवार को 30 शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स 1,205 अंक यानी 1.63 प्रतिशत चढ़कर 75,273.45 अंक पर बंद हुआ। निवेशकों की सकारात्मक धारणा से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण दो सत्र में 15,80,204.92 करोड़ रुपये बढ़कर 4,31,01,834.74 करोड़ रुपये हो गया।

एक अप्रैल से पुनर्खरीद के तहत शेयर बेचने से पूंजीगत लाभ पर एक समान 12% अधिभार

- सरकार ने लोस में पेश किए वित्त विधेयक 2026 में 32 संशोधन
- राज्यसभा में इन संशोधनों पर शुक्रवार को होगी चर्चा

नयी दिल्ली, एजेंसी

कंपनियों की पुनर्खरीद पेशकश में शेयर बेचकर व्यक्तिगत या कॉरपोरेट शेयरधारकों द्वारा अर्जित पूंजीगत लाभ पर एक अप्रैल से 12 प्रतिशत का एक समान अधिभार लगाया जाएगा। लोकसभा से बुधवार को वित्त विधेयक को मिली मंजूरी में यह संशोधन किया गया है। सरकार ने बुधवार को वित्त विधेयक 2026 में 32 संशोधन पेश किए। विधेयक को बाद में सदन ने मंजूरी दे दी। संशोधित वित्त विधेयक पर शुक्रवार को राज्यसभा में विचार ह।

संशोधनों पर टिप्पणी करते हुए, नांगिया ग्लोबल एडवाइजर्स के कर भागीदार (विलय एवं अधिग्रहण) संदीप झुनझुनवाला ने कहा कि व्यक्तिगत शेयरधारकों के लिए पुनर्खरीद से प्राप्त पूंजीगत लाभ पर 12 प्रतिशत का एकसमान अधिभार लगाने से उनकी प्रभावी कर लागत में काफी वृद्धि होगी, क्योंकि पहले कम अधिभार लागू था। वर्तमान में, 50 लाख रुपये तक की कर योग्य आय पर कोई अधिभार नहीं लगाया जाता है, जबकि 50 लाख रुपये और एक करोड़ रुपये के बीच की कर योग्य आय पर पुनर्खरीद (बायबैक) से प्राप्त पूंजीगत लाभ पर 10 प्रतिशत का अधिभार लगता है। झुनझुनवाला ने कहा कि एकसमान 12 प्रतिशत अधिभार लगाने से इन सभी श्रेणियों में कर का भुगतान बढ़ जाएगा, जिससे लाभांश जैसे विकल्पों की तुलना में पुनर्खरीद नकदी जुटाने का एक महंगा तरीका बन जाएगा। इससे व्यक्तिगत शेयरधारकों की पुनर्खरीद में रुचि कम होने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि इस संशोधन का प्रभाव मुख्य रूप से छोटी और मध्यम आकार की पुनर्खरीद तक ही सीमित रहेगा। झुनझुनवाला ने कहा कि बड़ी यानी एक करोड़ रुपये से अधिक की पुनर्खरीद पर पहले से ही 15 प्रतिशत का उच्च अधिभार लागू होता है। ऐसे में यह संशोधन वास्तव में इस श्रेणी के लिए अधिभार में तीन प्रतिशत की कमी का संकेत देता है।कॉरपोरेट शेयरधारकों के लिए, पुनर्खरीद पर एकसमान 12 प्रतिशत अधिभार उन स्थितियों में प्रभाव डाल सकता है जहां कर योग्य आय एक करोड़ रुपये तक है, जहां पहले कोई अधिभार लागू नहीं होता था।

वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की वृद्धि दर 7.1 फीसदी रहने का अनुमान

नयी दिल्ली, एजेंसी

- एजेंसी ने 2025-26 के वृद्धि अनुमान को 0.4 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान 0.2 फीसदी अंक बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि निजी खपत, निवेश एवं निर्यात वृद्धि के प्रमुख चालक रहेंगे। हालांकि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वित्तीय स्थिति पर दबाव पड़ सकता है।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र पर अपनी नवीनतम त्रैमासिक आर्थिक टिप्पणी में एसएंडपी ने कहा कि नए भू-राजनीतिक तनाव और लगातार बने व्यापार संबंधी अनिश्चितता के जोखिम से भारत पर वस्तु कीमतों, व्यापार मात्रा एवं पूंजी प्रवाह में उतार-चढ़ाव के माध्यम से असर पड़ सकता है।

इसमें कहा गया कि यदि कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं तो भारत में ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं, ताकि सब्सिडी लागत को नियंत्रित किया जा सके। हालांकि कीमतों का पूरा असर उपभोक्ताओं तक पहुंचने के आसार नहीं हैं। एसएंडपी ने कहा कि हमारा अनुमान है कि 31 मार्च 2027 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.1 प्रतिशत रहेगी, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मजबूत निजी खपत, निजी निवेश में मध्यम सुधार और ठोस निर्यात इसके मुख्य चालक होंगे। एजेंसी ने 2025-26 के वृद्धि अनुमान को 0.4% अंक बढ़ाकर 7.6 और 2026-27 के लिए 0.2 % अंक बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है।

एसएंडपी के अनुसार, महंगाई के कमस्तर से सामान्य पर आने से वित्त वर्ष 2026-27 में इसके बढ़कर 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। एजेंसी का अनुमान है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) फिलहाल नीतिगत दरों को स्थिर रखेगा और रुख 'तटस्थ' बनाए रखेगा।

रमण मूर्ति तीन साल के लिए बने सेबी के पूर्णकालिक सदस्य

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने के वी रमण मूर्ति को तीन साल के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया है। इसके साथ ही नियामक बोर्ड में अब चारों पूर्णकालिक सदस्यों का पद भर गया है। अन्य तीन सदस्य अमरजीत सिंह, कमलेश चंद्र वार्ष्णेय और संदीप प्रधान हैं।

मूर्ति 1991 बैच के भारतीय रक्षा लेखा सेवा के रिटायर्ड अधिकारी हैं। इससे पहले वह रक्षा मंत्रालय में अतिरिक्त रक्षा लेखा महानियंत्रक के रूप में कार्य कर चुके हैं।

घरों में रखे सोने को वित्तीय प्रणाली में लाना चाहिए

पूर्व मंत्री ने कहा-आर्थिक वृद्धि में सीमित रह जाती है भौतिक रूप से जमा सोने की भूमिका

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारत को घरों में रखे सोने के भंडार को वित्तीय प्रणाली में लाया जाना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी.पी. चौधरी और बाजार के वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को यह बात कही और तर्क दिया कि भौतिक रूप से सोना जमा रखने से आर्थिक वृद्धि में उसकी भूमिका सीमित रह जाती है। संसद की वित्त पर स्थायी समिति के सदस्य चौधरी ने कहा कि सोने के अधिक वित्तीयकरण से भारत की सर्राफा आयात पर निर्भरता कम हो सकती है और चालू खाते के घाटे (कैड) पर दबाव घट सकता है।

उद्योग मंडल एसोचैम के एक कार्यक्रम में यहां उन्होंने कहा कि रत्न एवं आभूषण क्षेत्र पहले ही देश के कुल माल निर्यात में करीब 15 प्रतिशत योगदान देता है और करीब 50 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करता है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के मुख्य कारोबार विकास अधिकारी श्रीराम कृष्णन ने कहा कि भारत के घरों तथा मंदिरों में मिलाकर कुल 50,000 टन सोना है जिसकी कीमत करीब 10,000 अरब डॉलर आंकी जाती है और इसका बड़ा हिस्सा औपचारिक वित्तीय प्रणाली से बाहर है। उन्होंने सरकार से इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (ईजीआर) के माध्यम से सोने के वित्तीयकरण में आने वाली बाधाओं को दूर करने का आग्रह करते हुए कहा कि हमारे पास मंच है, क्षमता है एवं प्रौद्योगिकी भी है।

- घरों और मंदिरों में है करीब 10,000 अरब डॉलर कीमत का कुल 50,000 टन सोना

ईजीआर, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) समर्थित एक साधन है जिसके तहत उपभोक्ता भौतिक सोना जमा कर उसे शेयर की तरह स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार के लिए उपयोग कर सकते हैं।

जापानी तकनीकी से बढ़ेगा यूपी का निवेश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) ने भारत-जापान औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक सक्रिय कदम उठाया है।

आईआईए और इंडो-जापान चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईजेसीसी) ने एमओयू साइन किया है। इससे उत्तर प्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम उन्नत जापानी तकनीक को बढ़ावा देगा। इससे उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्कता बढ़ेगी। साथ ही जापानी उद्योगों की स्थापना से निवेश और औद्योगिक विकास को बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री की जापान यात्रा के बाद मंगलवार को आईआईए और आईजेसीसी के बीच वर्चुअल बैठक की गई। इस अवसर पर आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अवधेश अग्रवाल व अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ आईजेसीसी के चेयरमैन और अन्य सदस्य शामिल हुए। इस रणनीतिक सहयोग का उद्देश्य आईआईए को एक प्रमुख निष्पादन संस्था के रूप में स्थापित करना था ताकि एमएसएमई के विकास और वैश्विक एकीकरण को सुगम बनाकर विकसित उत्तर प्रदेश के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया जा सके। इसके लिए दोनों के बीच एमओयू साइन किया गया है। यह पहल उत्तर प्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय निवेश के लिए एक पसंदीदा गंतव्य में बदलेगी। साथ ही नवाचार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और रणनीतिक वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त बनाएगी।

आईजेसीसी के साथ वर्चुअल मीटिंग के दौरान आईआईए के पदाधिकारी।

- आईआईए ने इंडो-आईजेसीसी के साथ साइन किया एमओयू

गुणवत्ता सुधार के साथ बढ़ेगी निर्यात क्षमता

साझेदारी में मुख्य रूप से एमएसएमई द्वारा उन्नत जापानी तकनीक अपनाने को बढ़ावा दिया जाएगा। ताकि उनकी उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ सके। इसके अलावा प्रदेश में जापानी उद्योगों की स्थापना को सुगम बनाया जाएगा। इससे निवेश और औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय और जापानी उद्यमों के बीच व्यवस्थित बीटूबी बैठकों और व्यावसायिक सत्रों का आयोजन किया जाएगा। एमएसएमई के विकास के लिए काइजेन यानी बेहतरी के लिए बदलाव और जेपीओ आधारित प्रशिक्षण आयोजित करके विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त जापानी उत्पादकता पद्धतियां लागू की जाएंगी। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कौशल विकास और क्षमता निर्माण की पहल मजबूत की जाएगी।

पांच साल में 700 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है भारत का स्वास्थ्य क्षेत्र

नयी दिल्ली, एजेंसी

- प्रैक्सिस ग्लोबल अलायंस और नैटहेल्थ की संयुक्त रिपोर्ट

भारत का स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र वर्ष 2030 तक 700 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, लेकिन इसके लिए पैसा जुटाने की व्यवस्था अब भी बेहद बिखरी हुई और कमजोर है। एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, देश में इलाज के कुल खर्च का एक बड़ा हिस्सा आज भी लोगों को अपनी जेब से ही भरना पड़ता है।

'प्रैक्सिस ग्लोबल अलायंस' और 'नैटहेल्थ' की संयुक्त रिपोर्ट 'इंडिया हेल्थ फाइनेंसिंग पोजिशन पेपर 2026' यानी भारत में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पैसा जुटाने की मौजूदा स्थिति पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय स्वास्थ्य सेवा का मूल्य लगभग 300 अरब डॉलर था, जिसके 2030 तक 700 अरब डॉलर होने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर की बीमारियों का 20 प्रतिशत बोझ यानी हर पांचवां मरीज भारत में है, लेकिन वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य पर होने वाले कुल खर्च में भारत की हिस्सेदारी महज एक प्रतिशत है। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 2035 तक 200 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की आवश्यकता है।

रिपोर्ट बताती है कि भारत में इलाज के कुल खर्च का 44 प्रतिशत हिस्सा 'आउट-ऑफ-पॉकेट' यानी अपनी जेब से दिया जाता है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। लगभग 43 करोड़ भारतीय किसी भी प्रभावी बीमा कवर से बाहर हैं। इसके अनुसार, भारत में प्रति 1,000 लोगों पर केवल 0.9 चिकित्सक और 1.6 बिस्तर उपलब्ध हैं। नैटहेल्थ की अध्यक्ष और मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर लि. की प्रवर्तक एवं कार्यकारी चेयरपर्सन अमीरा शाह ने कहा-बिना स्वस्थ भारत के 'विकसित भारत' का सपना पूरा नहीं हो सकता।

नगर निगम के खातों में घोटाले का आरोप कोटक बैंक ने खुद दर्ज कराया मुकदमा

पंचकूला, एजेंसी

हरियाण में पंचकूला नगर निगम के खातों में घोटाले के आरोपों पर कोटक महिंद्रा बैंक ने बुधवार को एक स्पष्टीकरण जारी कर दावा किया कि लेनदेन में नियमों का पूरी तरह से पालन किया गया है और मामले में उसने भी पुलिस के पास शिकायत दर्ज करायी है।

कोटक महिंद्रा बैंक के एक प्रवक्ता ने कहा कि पंचकूला नगर निगम से मिले निर्देशों के अनुरूप बैंक ने निगम के सावधि जमा और संबंधित बैंक खातों में त्रुटियों को दूर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। उन्होंने कहा, समीक्षागत राशि का एक बड़ा हिस्सा नगर निगम को हस्तांतरित दिया गया है और त्रुटियों को दूर करने की चरणबद्ध प्रक्रिया अभी जारी है।

प्रवक्ता ने बताया कि संचालन मानकों के अनुरूप और मामले की व्यापक तथा स्वतंत्र जांच सुनिश्चित करने के लिए बैंक ने पंचकुला पुलिस के पास औपचारिक शिकायत भी दर्ज करायी है और बैंक जांच में नगर निगम, सरकारी अधिकारियों तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों का पूरा सहयोग कर रहा है।

जानकारी के मुताबिक, पंचकूला नगर निगम ने सेक्टर-11 स्थित कोटक महिंद्रा बैंक शाखा में खाता खुलवाया था, जिसमें निगम के 16 सावधि जमा (एफडी) खाते थे। ये एफडी पूर्व में भारतीय बैंक से ट्रांसफर करवायी गयी थीं। जांच के दौरान सामने आया कि इनमें से पांच एफडी का बैंक रिकॉर्ड ही मौजूद नहीं है। निगम अधिकारियों ने बैंक और हरियाणा सरकार को पत्र लिखकर मामले की जानकारी दी।

इसके बाद बैंक ने भी पंचकूला डीसीपी को शिकायत सौंपी, जिसकी जांच आर्थिक अपराध शाखा को सौंपी गयी है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि एफडी के फर्जी रिन्यूअल दस्तावेज हर बार निगम को भेजे जाते रहे, जिससे अधिकारियों को शक नहीं हुआ। आरोप है कि एक ही दस्तावेजों पर अतिरिक्त खाते खोलकर रकम अन्य खातों में ट्रांसफर की गयी।

खाता खोलने की प्रक्रिया में नहीं थी कोई खामी

बयान के अनुसार, बैंक ने रिकॉर्डों की अब तक की जांच में पाया है कि खाते खोलने की प्रक्रिया, केवाईसी के दस्तावेज लेने, प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता बनाने और नगर निगम से प्राप्त निर्देशों में किसी तरह की खामी नहीं थी। साथ ही सभी खातों के रखरखाव और लेनदेन में प्रक्रियाओं और बैंकिंग नियमों का पूरी तरह पालन किया गया है।

अनुमान — टीमलीज सर्विसेज की एम्प्लॉयमेंट आउटलुक रिपोर्ट

भारत में अगले छह माह में 4.7 फीसदी बढ़ेगा रोजगार

मुंबई, एजेंसी

ई-कॉमर्स, प्रौद्योगिकी स्टार्टअप, स्वास्थ्य सेवा, दवा व विनिर्माण क्षेत्रों में वृद्धि के कारण वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में भारत में रोजगार में 4.7 प्रतिशत बढ़ोतरी होने का अनुमान है। एक रिपोर्ट में बुधवार को यह जानकारी दी गई।

टीमलीज सर्विसेज की एम्प्लॉयमेंट आउटलुक रिपोर्ट (ईओआर) के अनुसार, भर्ती में सुधार का रुझान बड़ी कंपनियों में सबसे अधिक दिखाई दे रहा है, जहां 74 प्रतिशत कंपनियों ने विस्तार का संकेत दिया है। इसके मुकाबले मध्यम आकार की कंपनियों में यह आंकड़ा 57 प्रतिशत और छोटे व्यवसायों में 38 प्रतिशत है। यह दर्शाता है कि रोजगार वृद्धि में बड़े पैमाने पर संचालित कंपनियों की भूमिका अहम है। रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल-सितंबर 2026 की अवधि में रोजगार मांग में यह रुझान डिजिटल व पारंपरिक दोनों अर्थव्यवस्था क्षेत्रों में देखने को मिलेगा। इसमें कहा गया कि ई-कॉमर्स व प्रौद्योगिकी स्टार्टअप क्षेत्र में नेट एम्प्लॉयमेंट चेंज (एनईसी) 8.9 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक रहेंगे। इसके बाद सात प्रतिशत के साथ स्वास्थ्य सेवा व दवा क्षेत्र और 6.6 प्रतिशत के साथ विनिर्माण, इंजीनियरिंग एवं अवसंरचना क्षेत्र का स्थान रहेगा। रिपोर्ट में इस अवधि में कुल एनईसी 4.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। यह रिपोर्ट 23 उद्योगों एवं 20 शहरों में 1,268 नियोक्ताओं से सर्वे के आधार पर तैयार की गई है।

यह सर्वेक्षण नवंबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच किया गया था। टीमलीज सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बालासुब्रमण्यम ए. ने कहा कि भारत में कार्यबल की गतिशीलता अब चक्रीय मांग की बजाय संरचनात्मक एवं नीतिगत बदलावों से अधिक प्रभावित हो रही है। श्रम संहिताओं के लागू होने के बाद 64 प्रतिशत संगठनों ने रोजगार लागत बढ़ने की बात कही है और 80 प्रतिशत कंपनियां वेतन संरचना में बदलाव कर रही हैं। कंपनियां नए कानूनी ढांचे के अनुरूप अपने कार्यबल मॉडल को पुनर्गठित कर रही हैं।

- 23 उद्योगों एवं 20 शहरों में 1,268 नियोक्ताओं के सर्वे पर आधारित है रिपोर्ट
- वेतन संरचना में बदलाव कर रही हैं 80 प्रतिशत कंपनियां
- ई-कॉमर्स और प्रौद्योगिकी स्टार्टअप में सर्वाधिक बढ़ेंगी भर्तियां

वर्ल्ड ब्रीफ

झारखंड में द्वितीय विश्व युद्ध के दो बम निष्क्रिय

रांची। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा प्रखंड के पानीपाड़ा नागुडसाई क्षेत्र में सेना की बम निरोधक विशेषज्ञ टीम ने अत्याधुनिक उपकरणों और तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए दोनों बमों को सफलतापूर्वक आज निष्क्रिय कर दिया गया। स्वर्णरेखा नदी किनारे बीते दिनों द्वितीय विश्व युद्ध काल के दो बम बरामद हुए जो लोगों के बीच कौतूहल का विषय बना हुआ था। सूचना मिलते ही प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं थी। घाटशिला के एसडीओ सुनील चन्द्रा ने घटना की पुष्टि की है। वहीं घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल के आसपास लगभग एक किलोमीटर के क्षेत्र को खाली करा दिया गया। आम लोगों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी गई और पूरे इलाके की घेराबंदी कर सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई थी, ताकि किसी भी संभावित खतरे से बचा जा सके।

रूस ने करीब 400 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए

मॉस्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि उसकी हवाई सुरक्षा प्रणाली ने यूक्रेन के 389 ड्रोन मार गिराए। यह हमला रात के दौरान रूस के अलग-अलग इलाकों व क्रीमिया पर किया गया। बताया जा रहा है कि यह हमला चार साल पहले यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला था। ड्रोन को रूस के 13 क्षेत्रों के साथ-साथ क्रीमिया प्रायद्वीप के ऊपर भी रोका गया, जिसे रूस ने 2014 में यूक्रेन से अवैध रूप से अपने कब्जे में ले लिया था। इस हमले ने यूक्रेन के स्वदेशी रूप से विकसित और निर्मित लंबी दूरी के ड्रोनों की बढ़ती क्षमता को रेखांकित किया। यह घटना एक दिन बाद हुई, जब रूस ने 24 घंटे के भीतर यूक्रेन के नागरिक इलाकों पर लगभग 1,000 ड्रोन और 34 मिसाइलें दागी थीं।

गुरुग्राम में स्कूल बम से उड़ाने की धमकी

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस ने बुधवार को एक निजी स्कूल को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, सूचना मिलते ही डीएलएफ फेज वन थाना, श्वान दस्ता, बम निरोधक दस्ता और अन्य विशेष दलों की एक टीम मौके पर पहुंची तथा स्कूल परिसर, कक्षाओं, इमारतों व आसपास के क्षेत्र की गहन तलाशी ली। पुलिस ने बताया कि जांच में कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है।

तेलंगाना में फर्जी दंत चिकित्सक गिरफ्तार

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में पिछले 14 वर्षों से कथित तौर पर एक अवैध क्लिनिक संचालित करने और खुद को दंत चिकित्सक बताने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि निरीक्षण के दौरान पता चला कि आरोपी के पास बीडीएस (बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी) की डिग्री नहीं थी और वह बिना अनुमति के 14 वर्षों से दंत चिकित्सालय का संचालन कर रहा था। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि ओल्ड नेरेडमेट स्थित क्लीनिक के संबंधित विभाग से अनुमति लिए बिना संचालित होने की विश्वसनीय सूचना के आधार पर 24 मार्च को वहां निरीक्षण किया गया था।

बांग्लादेश में 40 यात्रियों सहित बस नदी में गिरी

ढाका। बांग्लादेश में बुधवार को 40 लोगों को ले जा रही एक बस परिवहन नौका पर चढ़ने की कोशिश करते समय नदी में गिर गई जिसमें कई यात्रियों के लापता होने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना दक्षिण-पश्चिमी राजबारी में दौलाडिया टर्मिनल पर शाम लगभग 5.15 बजे हुई और बस पद्मा नदी में गिर गई। घटनास्थल पर मौजूद एक अधिकारी ने बताया कि ढाका जा रही बस में तकरीबन 40 यात्री सवार थे।

आतंकवादी संगठनों से संपर्क रखने में 12 संदिग्ध गिरफ्तार

- आंध्र प्रदेश की पुलिस ने आधा दर्जन राज्यों में की कार्रवाई

अमरावती, एजेंसी

आंध्र प्रदेश पुलिस ने समन्वित बहु-राज्य अभियान के तहत आतंकवादी संगठन से संबंध के आरोप में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि संदिग्धों को गिरफ्तार करने के लिए बिहार, दिल्ली, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और राजस्थान में विशेष टीम तैनात की गई थी।

एक खुफिया अधिकारी ने बताया कि बिहार, दिल्ली, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और राजस्थान में कई टीम तैनात कर चरमपंथी नेटवर्क से जुड़े 12 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें आंध्र प्रदेश से तीन लोग शामिल हैं। आंध्र प्रदेश से गिरफ्तार तीन आरोपियों की पहचान बाइक टैक्सी चालक मोहम्मद रहमतुल्ला शरीफ, लेजर मार्किंग पेशेवर मोहम्मद दानिश मिर्जा और रेस्तरां में काम करने वाले सोहेल बेग के रूप में हुई है। ये सभी विजयवाड़ा शहर के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, तीनों चरमपंथी विचारधारा को फैलाने और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से जुड़ी गतिविधियों में सहयोग करने में शामिल थे। आरोपियों का विदेश स्थित अल-कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट और इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया के सरगनाओं से संपर्क था।

तेजी से बढ़ रही अदृश्य महामारी

आज हम जिस हवा में सांस ले रहे हैं, वह जीवन देने के बजाय धीरे-धीरे मौत का कारण बन रही है। स्विस एयर क्वालिटी टेक्नोलॉजी कंपनी आईक्यू एयर की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के अधिकांश हिस्से अब जहरीली हवा की चपेट में हैं। रिपोर्ट ने वैश्विक स्तर पर वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर को लेकर एक बार फिर दुनिया को सतर्क किया है। वायु प्रदूषण अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुका है। वर्ष 2025 की रिपोर्ट दिखाती है कि जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों ने वायुमंडल में सूक्ष्म कणों (पीएम 2.5) की सघनता को इस हद तक बढ़ा दिया है कि केवल 14-17% शहर ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों पर खरे उतर पा रहे हैं। प्रदूषण एक तरह से महामारी का रूप ले रहा है जो तेजी के साथ बढ़ रहा है।

दुनिया में प्रदूषण का संकट

एक अदृश्य हत्यारा

- यह प्रदूषण एक अदृश्य हत्यारा है। दुनिया भर में हर साल लाखों लोग इसके कारण अपनी जान गंवाते हैं। विशेष रूप से दक्षिण और मध्य एशिया में स्थिति बेहद भयावह है, जहां भौगोलिक परिस्थितियाँ और औद्योगिक उत्सर्जन मिलकर एक जानलेवा मिश्रण तैयार करते हैं। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देश इस संकट के केंद्र में हैं।
- प्रदूषण की यह बढ़ती स्थिति केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह हमारी अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य व्यवस्था और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जब तक हम सामूहिक रूप से स्वच्छ ऊर्जा और टिकाऊ विकास की ओर नहीं बढ़ेंगे, यह संकट गहराता ही जाएगा।

मुख्य कारक

- जीवाश्म ईंधन का दहन : वाहनों, बिजली संयंत्रों और उद्योगों में कोयले व तेल का अत्यधिक उपयोग।
- कृषि गतिविधियां : पराली जलाना और उर्वरकों से होने वाला उत्सर्जन। ● निर्माण और धूल : तेजी से होता शहरीकरण और निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल। ● जलवायु परिवर्तन : जंगलों की आग (वाइल्ड फायर) और धूल भरी आंधियों की बढ़ती आवृत्ति। ● डेटा सेंटर : उभरते हुए स्रोतों में एआई के लिए उपयोग होने वाले डेटा सेंटर और उनके डीजल जनरेटर भी अब प्रदूषण में योगदान दे रहे हैं।

पीएम 2.5 क्या है ● वायु प्रदूषण को मुख्य रूप से पीएम 2.5 की सांद्रता के आधार पर मापा जाता है। ये सूक्ष्म कण 2.5 माइक्रोमीटर से भी छोटे होते हैं। ये सांस के जरिए सीधे फेफड़ों और रक्त प्रवाह में प्रवेश कर जाते हैं। ● डब्ल्यूएचओ मानक : 5 माइक्रो ग्राम प्रति घन मीटर वार्षिक औसत। ● भारतीय मानक : 40 माइक्रो ग्राम प्रति घन मीटर, जो डब्ल्यूएचओ के मानक से 8 गुना अधिक उदार है।

टॉप 10 प्रदूषित देश

- रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान लगातार दूसरे वर्ष शीर्ष पर है। भारत की स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ है लेकिन यह अभी भी बेहद खतरनाक स्तर पर है। पीएम 2.5 औसत के अनुसार पाकिस्तान प्रदूषण के मामले में नंबर एक पर है। उसके बाद क्रमश: बांग्लादेश, ताजिकिस्तान, चाड, कांगो, भारत, इराक, नेपाल, यूएई और उजबेकिस्तान है।

कैसे बचेगी दुनिया

- नवीकरणीय ऊर्जा : कोयले और तेल के बजाय सौर और पवन ऊर्जा को अपनाना।
- इलेक्ट्रिक मोबिलिटी : सार्वजनिक परिवहन और निजी वाहनों को इलेक्ट्रिक में बदलना।
- कठोर मानक : उद्योगों के लिए उत्सर्जन मानकों को सख्त करना और निरंतर निगरानी।
- हरित क्षेत्र : शहरों में वनीकरण बढ़ाना और प्रदूषण सोखने वाले अर्बन फॉरेस्ट विकसित करना।

बच्ची से दुष्कर्म मामले में हरियाणा की पुलिस का रवैया बेहद शर्मनाक

सुप्रीम कोर्ट ने मामले में हल्की धारा लगाने पर गुरुग्राम पुलिस को लगाई कड़ी फटकार

- जांच के लिए महिला आईपीएस अधिकारियों की बनाई टीम

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने हरियाणा के गुरुग्राम में तीन साल की बच्ची से बलात्कार के मामले में राज्य पुलिस के रवैये को बेहद शर्मनाक और असंवेदनशील बताते हुए बुधवार को इसकी निंदा की तथा इस घटना की निष्पक्ष जांच के लिए महिला आईपीएस अधिकारियों की एक विशेष जांच टीम का गठन किया।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने हरियाणा सरकार को तत्काल विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करने का निर्देश दिया और गुरुग्राम पुलिस को मामले के रिकॉर्ड जांच समिति को सौंपने के निर्देश दिए। पीठ ने हरियाणा पुलिस को इस बात के लिए फटकार लगाई कि उसने पॉक्सो (यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी में गंभीर धारा लगाने की बजाय हल्की धारा लगाकर अपराध को कमतर दिखाने की कोशिश की। न्यायालय ने बच्ची के बयान पर अपना पक्ष पूरी तरह से बदलने के लिए एक निजी अस्पताल की डॉक्टर को भी फटकार लगाई और कहा कि एक डॉक्टर का ऐसा करना शर्मनाक है।

शीर्ष अदालत ने गुरुग्राम पुलिस के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा कि मामले में लापरवाही से जांच के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने पुलिस के रवैये को शर्मनाक और असंवेदनशील बताते हुए कहा कि पुलिस पीड़ित के घर क्यों नहीं जा सकती? क्या वे राजा हैं? जो गया भी था, उसे भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया था कि सेक्टर 54 स्थित एक सोसाइटी में तीन साल की बच्ची से दो महिला घरेलू सहायिकाओं और उनके एक पुरुष साथी ने लगभग दो महीने तक कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया था।

बच्ची के माता-पिता द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद चार फरवरी को सेक्टर 53 थाने में भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस के अनुसार, यह घटना दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 के बीच हुई थी, लेकिन लड़की द्वारा अपनी आपबीती अपनी मां को बताने के बाद ही माता-पिता ने पुलिस को मामले की सूचना दी।

वंदे मातरम् को गाने का निर्देश अनिवार्य नहीं

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आधिकारिक कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन से संबंधित गृह मंत्रालय के एक परिपत्र के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई से बुधवार को इनकार करते हुए कहा कि यह निर्देश अनिवार्य नहीं है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने मोहम्मद सईद नूरी द्वारा दायर याचिका को समय से पहले दायर की गई याचिका बताया और इसे भेदभाव की अस्पष्ट आशंका पर आधारित करार दिया। नूरी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने कहा कि वे देश के हर धर्म का सम्मान करते हैं, लेकिन यह गीत गाने के लिए बाध्य किया जाता है।

गुरुग्राम बाल कल्याण समिति को भी जारी किया कारण बताओ नोटिस

पीठ ने गुरुग्राम बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया कि उन्हें क्यों नहीं हटाया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि पांच फरवरी की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि सीडब्ल्यूसी सदस्यों के आचरण ने उत्पीड़न को और बढ़ा दिया। आयुक्त से लेकर उप-निरीक्षक तक, पूरे पुलिस बल ने यह साबित करने की हरसंभव कोशिश की कि बच्ची के पास कोई सबूत नहीं है और माता-पिता ने कोई मामला नहीं बनाया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पॉक्सो की धारा छह के तहत अपराध को स्पष्ट रूप से अंजाम दिया गया है। इसके बाद शीर्ष अदालत ने गुरुग्राम के जिला न्यायाधीश को निर्देश दिया कि वह इस मामले को गुरुग्राम में पॉक्सो अदालत की अध्यक्षता करने वाली एक वरिष्ठ महिला न्यायिक अधिकारी को सौंप दें।

राज्यसभा में पेश किया गया केंद्रीय सशस्त्र बल बिल

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को सरकार ने विपक्ष के विरोध के बीच केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 पेश किया और सदन ने इस संबंध में विपक्ष के नोटिस को ध्वनिमत से खारिज कर दिया। यह विधेयक पांच केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए अलग-अलग सेवा नियम व्यवस्था के मौजूदा तंत्र की जगह, विभिन्न सीएपीएफ बलों में कर्मियों को नियंत्रित करने वाला एक एकीकृत कानूनी ढांचा बनाने का प्रावधान करता है।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विधेयक पेश करते हुए इससे संबंधित चिंताओं को दूर करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, सीएपीएफ धारा 312 के तहत शासन प्रणाली को प्रभावित या परिवर्तित नहीं करता है, उन्होंने कहा कि बलों के कर्तव्य, शक्तियां और शासन उनके मौजूदा जनादेश के तहत बरकरार रहेंगे।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने संसद के विधायी अधिकार का जोरदार बचाव किया और कहा कि संसद को कानून बनाने का अधिकार संविधान ने दिया। विपक्षी सदस्य इस बात पर बल दे रहे थे कि यह विधेयक न्यायालय में खारिज हो जाएगा। रीजीजू ने कहा हम इस सदन की विधायी क्षमता कैसे छीन सकते हैं?

उभयलिंगी व्यक्ति संशोधन विधेयक पर संसद की मुहर

- लोकसभा के बाद राज्यसभा ने भी ध्वनिमत से किया पारित

नई दिल्ली, एजेंसी

उभयलिंगी व्यक्तियों को कानूनी अधिकार देने और उनके हितों की रक्षा करने से संबंधित उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक 2026 को राज्यसभा ने बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। सदन ने विधेयक को प्रवर समिति को भेजे जाने से संबंधित विपक्षी सदस्यों के संशोधन प्रस्तावों को ध्वनिमत से खारिज कर दिया। लोकसभा इस विधेयक को पहले ही पारित कर चुकी है और राज्यसभा में पारित होने के साथ ही इस पर संसद की मुहर लग गई।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार ने विधेयक पर करीब तीन घंटे की चर्चा का जवाब देते हुए सदन को आश्वस्त किया कि इस विधेयक के प्रावधानों से उभयलिंगी व्यक्तियों की गरिमा और अधिकार सुरक्षित रहेंगे। मंत्री के जवाब के बाद सदन ने विधेयक ध्वनिमत से पारित कर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले 11 वर्षों में आर्थिक विकास को गति देने के साथ- साथ सामाजिक समावेशन को भी बढावा दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अपनी नीतियों और योजनाओं से समावेशी समाज बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार इन्हीं योजनाओं के आधार पर उभयलिंगी व्यक्तियों को सम्मान और गरिमामय जीवन देने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है । कहा कि सरकार इस समुदाय के लोगों के हर संभव कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। कुमार ने कहा कि समाज की कठिनाईयों को समझकर उनका सही समाधान करना सरकार का फर्ज है। यह कानून गंभीर सामाजिक बहिष्कार का सामना कर रहे लोगों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए बनाया गया है।

हितधारकों से भी की की गई थी बातचीत

मंत्री ने कहा कि यह विधेयक समुचित विचार विमर्श और संबंधित हितधारकों के साथ बातचीत के आधार पर लाया गया है और इसे प्रवर समिति में भेजे जाने की जरूरत नहीं है। यह विधेयक उभयलिंगी व्यक्तियों को कानूनी अधिकार देता है और आम लोगों की तरह उनके अधिकार सुनिश्चित करता है। इससे सभी नागरिक देश की प्रगति में बराबर की भागीदारी कर सकेंगे। विधेयक में उभयलिंगी व्यक्तियों के खिलाफ भेदभाव खत्म करने तथा अपराधियों के खिलाफ दंडात्मक प्रावधान किए गए हैं।

जापान व अमेरिका एशिया में तेल आपूर्ति को बनाएंगे भंडार

- दोनों देशों के बीच संयुक्त तेल विकास पर हुई चर्चा

टोक्यो, एजेंसी

जापान और अमेरिका एशिया में तेल की आपूर्ति सुरक्षित रखने के लिए संयुक्त तेल विकास और रणनीतिक भंडार बनाने पर विचार कर रहे हैं। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में आने वाली बाधाओं के कारण ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने बताया कि इन चर्चाओं में अलास्का से तेल प्राप्त करना, जापान में तेल का भंडार बनाना और क्षेत्रीय ऊर्जा प्रवाह को स्थिर रखने के लिए पश्चिम एशिया के देशों को इसकी आपूर्ति करना शामिल था। उन्होंने कहा, अमेरिका की हालिया यात्रा के दौरान हमने संयुक्त विकास की संभावना पर चर्चा की, जिसमें अलास्का से तेल प्राप्त करना, जापान में भंडार बनाना और दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों को आपूर्ति के लिए उनका उपयोग करना शामिल है।

उन्होंने कहा कि इस तरह का दृष्टिकोण मध्य-पूर्व में जारी अस्थिरता के बीच न केवल जापान को, बल्कि इस क्षेत्र के अन्य देशों को भी ऊर्जा संसाधन उपलब्ध कराने में मददगार साबित हो सकता है। जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग राज्य मंत्री रयोसेई अकाज़ावा ने इससे पहले इस बात की पुष्टि करने से इनकार कर दिया था कि क्या दोनों देशों के नेताओं के बीच अमेरिका के साथ एक संयुक्त रिज़र्व परियोजना पर चर्चा होगी। जापान अपनी 94 प्रतिशत तेल आपूर्ति के लिए मध्य-पूर्वी देशों पर निर्भर है।

दुर्घटनावश डूबने से हुई थी जुबिन गर्ग की मौत

सिंगापुर। सिंगापुर के एक जांच अधिकारी ने बुधवार को भारतीय गायक जुबिन गर्ग की मौत को दुर्घटनावश डूबने से हुई मौत करार दिया। गर्ग की सितंबर 2025 में सिंगापुर के एक द्वीप के पास डूबने से मृत्यु हो गई थी। अधिकारी ने सिंगापुर की पुलिस कोस्ट गार्ड की जांच को सही ठहराते हुए कहा कि इस घटना में किसी भी प्रकार की साजिश या बाहरी दबाव का कोई सबूत नहीं मिला है। जांच अधिकारी एडम नाखोदा ने गर्ग की पत्नी द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि पीसीजी ने मामले में व्यापक और सावधानीपूर्वक जांच की थी। उन्होंने कहा कि गर्ग की मौत महज एक दुर्भाग्यपूर्ण और दुर्घटनापूर्ण रूप से डूबने के कारण हुई थी और किसी ने भी उन्हें पानी में जाने के लिए मजबूर नहीं किया था और न ही धक्का दिया था। नाखोदा ने बताया कि जांच के अनुसार, गर्ग (52) शराब के नशे में थे।

दिल्ली में बस पलटने से दो की मौत, 23 घायल

- जयपुर से आ रही थी स्लीपर बस, करोलबाग इलाके में हादसा

नई दिल्ली, एजेंसी

जयपुर से आ रही एक तेज रफ्तार स्लीपर बस मंगलवार देर रात यहां करोल बाग के झंडेवालान इलाके में हनुमान मंदिर के पास एक मोड़ पर मुड़ने के दौरान पलट गई जिससे दो यात्रियों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रात करीब एक बजे करोल बाग थाने को घटना की सूचना मिली जिसमें बताया गया कि दुर्घटना के बाद कई यात्री एक बस के अंदर फंसे हुए हैं। मध्य दिल्ली के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर ने बताया कि जयपुर से दिल्ली आ रही बस में लगभग 30 यात्री सवार थे। दुर्घटनास्थल के पास एक चौकी पर मौजूद एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बस तेज गति

से चल रही थी और मंदिर के पास एक गोलचक्कर पर मोड़ लेते समय नियंत्रण खो देने के बाद पलट गई। अधिकारी ने बताया कि उनकी टीम यातायात व्यवस्था संभाल रही थी, तभी उन्हें गोलचक्कर के पास एक तेज आवाज सुनाई दी। उन्होंने कहा, हम तुरंत मौके पर पहुंचे, लोग मदद के लिए चिल्ला रहे थे, कई लोग गाड़ी से बाहर निकलने की कोशिश में शीशे तोड़ने का प्रयास कर रहे थे। गाड़ी मोरी गेट की ओर जा रही थी। दिल्ली अग्निशमन सेवा को भी इस घटना के संबंध में देर रात 1.10 बजे सूचना मिली।

पाकिस्तान में ट्रेन बेपटरी, 25 घायल

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक ट्रेन के सात डिब्बे पटरी से उतर जाने के कारण 25 लोग घायल हो गए। मंगलवार देर रात लाहौर से लगभग 400 किलोमीटर दूर लोधरान में हुई घटना के बाद रेलवे अधिकारियों ने प्रभावित पटरी पर यातायात निलंबित कर दिया। रेल मंत्री हनीफ अब्बासी ने कहा कि लोधरान में तेजगाम एक्सप्रेस के पटरी से उतरने के पीछे मानवीय त्रुटि और कुछ यांत्रिक खराबी ही सबसे संभावित कारण हैं। लोधरान के उपायुक्त के अनुसार, कराची जाने वाली तेज़गाम एक्सप्रेस शाम को लाहौर से रवाना हुई थी।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। कामकाज में सफलता के संकेत मिलेंगे। ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे।

वृष आज आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। नई योजनाओं पर काम शुरू करेंगे। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

मिथुन आज का दिन मिलाजुला रहेगा, धैर्य जरूरी है। नए संपर्क लाभदायक बन सकते हैं। छोटी यात्रा का योग है।

कर्क आज भावनात्मक रूप से संवेदनशील रहेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा। कार्यस्थल पर सराहना मिल सकती है।

सिंह आज कार्यक्षेत्र में नेतृत्व क्षमता उभरकर सामने आएगी। रुके हुए काम पूरे होंगे। अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कन्या आज आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। दिनभर काम में व्यस्तता बनी रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला आज नौकरीपेशा लोगों को नई जॉब का ऑफर मिल सकता है। संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। रिश्तों में मधुरता आएगी।

वृश्चिक आज कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पूर्व की बनाई हुई गोपनीय योजनाएं सफल होंगी।

धनु आज व्यापार संबंधी यात्रा के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। नई सीख हासिल होगी।

मकर आज आपको मेहनत का फल मिलने वाला है। आर्थिक लाभ के संकेत हैं। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कुंभ आज कोई भी निर्णय सोच-समझकर लें। नए विचारों से सफलता मिलेगी। दोस्तों का सहयोग मिलेगा।

मीन आज आपकी रचनात्मकता में वृद्धि होगी। व्यापार में धन लाभ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

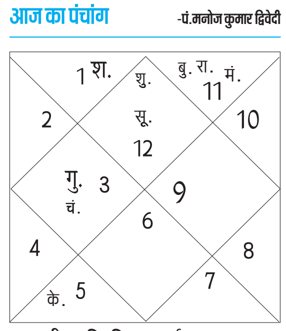

आज की ग्रह स्थिति : 26 मार्च, गुरुवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी 11.48 तक तत्पश्चात नवमी।

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-आर्द्रा 16.19 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

सुडोकू - 99 का हल

1	4	7	5	2	9	6	3	8
5	3	9	1	8	6	4	2	7
6	8	2	4	7	3	5	1	9
8	1	6	7	9	4	3	5	2
3	7	4	2	5	1	9	8	6
9	2	5	3	6	8	7	4	1
2	5	8	6	4	7	1	9	3
7	9	3	8	1	5	2	6	4
4	6	1	9	3	2	8	7	5

सुडोकू -100

7		4		2				3
	6					2		
2					9			7
	2			7				8
4		7				1		
			6	1			9	
			5			6		9
		9					8	
1				9		4		5

क्यूएस रैंकिंग

चार आईआईटी, जेएनयू और बीआईटीएस पिलानी ने बढ़ाया मान

विश्व के 50 शीर्ष शिक्षण संस्थानों में देश के छह संस्थान शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, चार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटीएस), पिलानी विभिन्न विषयों के मामले में विश्व के शीर्ष 50 संस्थानों में शामिल हैं। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग ने बुधवार को यह घोषणा की।

विश्वविद्यालय रैंकिंग के लिए प्रसिद्ध लंदन स्थित क्यूएस क्वाक्वेरेली साइमंड्स ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग बाय सब्जेक्ट का 16वां वार्षिक संस्करण प्रकाशित किया है। यह रैंकिंग 100 से अधिक देशों के 1900 विश्वविद्यालयों में 21000 से अधिक शैक्षणिक कार्यक्रमों का मूल्यांकन करती है, जिसमें 55 विषय और पांच व्यापक संकाय क्षेत्र शामिल हैं। रैंकिंग के अनुसार, भारत ने विभिन्न विषयों और व्यापक संकाय क्षेत्रों में शीर्ष 50 स्थानों में 27 स्थान हासिल किए हैं, जो 2024 में दर्ज किए गए 12 स्थानों की तुलना में दोगुने से भी अधिक हैं। ये स्थान 12 संस्थानों द्वारा प्राप्त किए गए हैं। धनबाद स्थित भारतीय खनन विद्यापीठ विश्वविद्यालय ने खनिज एवं खनन अभियांत्रिकी अध्ययन में वैश्विक स्तर पर 21वां स्थान प्राप्त किया है जबकि विपणन, उद्योग और प्रबंधन शिक्षा में पढ़ाई के लिए आईआईएम-अहमदाबाद विश्व के शीर्ष 50 संस्थानों में शामिल है। शीर्ष 50 में आईआईटी-बॉम्बे, आईआईटी-खड़गपुर और ईआईटी-मद्रास के अलावा जेएनयू और बीआईटीएस पिलानी शामिल हैं। क्यूएस 'क्वाक्वेरेली साइमंड्स' की मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेसिका टर्नर ने कहा कि इस वर्ष भारत की प्रगति केवल पैमाने के बारे में नहीं बल्कि यह गुणवत्ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में गति को भी दर्शाती है।

आईआईटी दिल्ली ने किया बेहतरीन प्रदर्शन

इस संस्करण में आईआईटी-दिल्ली ने छह विषयों में शीर्ष 50 में जगह बनाई है। आईआईटी-दिल्ली ने केमिकल इंजीनियरिंग में 48वां स्थान, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में 36वां, मैकेनिकल, एयरोनॉटिकल और मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियरिंग में 44वां स्थान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में 36वां स्थान और कंप्यूटर विज्ञान में 45वां स्थान प्राप्त किया है।

स्टेडियम

लखनऊ, गुरुवार, 26 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

बीसीसीआई के सीओई को रिपोर्ट करेंगे बुमराह

मुंबई, एजेंसी। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के लिए बीसीसीआई के बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) को रिपोर्ट करेंगे। सूत्रों के अनुसार बुमराह मुख्य रूप से स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग पर काम करने के लिए सीओई में हैं। ऐसा समझा जाता है कि सीओई में बुमराह के काम करने का प्लान बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने जुलाई में इंग्लैंड के भारत के व्हाइट-बॉल टूर पर फोकस करते हुए बनाया है, जहां वे पांच टी20 और तीन वनडे खेलेंगे। समझा जाता है कि बुमराह सीओई में बॉलिंग जारी रखेंगे और जल्द ही मुंबई इंडियंस के साथ जुड़ेंगे ताकि वे आईपीएल 2026 का अपना पहला मैच खेलने के लिए तैयार हो सकें, जो 29 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ एक होम गेम है।

इंपैक्ट प्लेयर नियम पर क्रिकेटरों ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अधिकतर कप्तानों ने बुधवार को इंपैक्ट प्लेयर नियम पर अपनी आपत्ति दर्ज की है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2024 में इंपैक्ट प्लेयर नियम को 2027 तक बढ़ा दिया था। इसके बावजूद इस रणनीतिक नियम पर प्रशंसकों और खिलाड़ियों के बीच समान रूप से बहस जारी है। मुंबई में हुई सभी 10 आईपीएल टीमों के कप्तानों की बैठक में इस पर विस्तार से चर्चा की गई। सूत्रों के अनुसार अधिकांश कप्तानों ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर अपने विचार रखे और अपनी आपत्तियां व्यक्त कीं, हालांकि बीसीसीआई ने इस नियम को 2027 तक बढ़ा दिया है। उन्हें बताया गया कि इसकी समीक्षा केवल आईपीएल 2027 के बाद ही की जा सकती है, उससे पहले नहीं। अक्षर पटेल, रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या, ग्लेन फिलिप्स ने इंपैक्ट प्लेयर नियम पर विरोध जता चुके है।

जैकसन समूह ने गांगुली को ब्रांड दूत बनाया

नोएडा, एजेंसी। ऊर्जा और बुनियादी ढांचा समूह जैकसन ग्रुप ने भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को अपना पहला ब्रांड दूत बनाया है। गांगुली इस करार के तहत जैकसन समूह के प्रमुख ब्रांड अभियानों और रणनीतिक पहल में कंपनी का प्रतिनिधित्व करेंगे। गांगुली ने इस मौके पर कहा कि वितरित ऊर्जा, सौर ऊर्जा, हरित अणु और बुनियादी ढांचे जैसे ऊर्जा, मेट्रो, सिविल और पानी को लेकर जैकसन का विजन सामयिक और प्रभावी है। मैं एक ऐसे ब्रांड के साथ जुड़कर उत्साहित हूं जो भारत के ऊर्जा बदलाव और एक हरित भविष्य में सार्थक योगदान दे रहा है।

लखनऊ सुपर जायंट्स को ट्रॉफी जीतने पर ही मिलेगा असली सम्मान : संजीव गोयनका

नई दिल्ली, एजेंसी।

लखनऊ सुपर जायंट्स टाटा आईपीएल 2026 में एक नई पहचान के साथ-साथ टीम और सपोर्ट स्टाफ़ में कुछ बड़े बदलावों के साथ आगे बढ़ना चाहेगी। एक खेल चैनल से बाचीत में एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका और क्रिकेट के ग्लोबल डायरेक्टर टॉम मूडी ने पिछले सीजन से टीम में हुए सुधारों और पहला टाइटल जीतने के दबाव पर अपने विचार साझा किए।

एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने उन एरिया के बारे में बताया जिनमें फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2026 सीजन में सुधार किया है। उन्होंने कहा कि अच्छी बात यह थी कि हमारे ज़्यादातर फ्रंटलाइन बॉलर के चोटिल होने के बावजूद हमने अपने पहले छह में से चार गेम जीते।

कुछ बड़े कदम उठाए गए, एडेन मार्करम और मिशेल मार्श ने ओपनिंग की, जो उनकी आम पोजीशन नहीं है, और यह उन दोनों के लिए उनका सबसे अच्छा आईपीएल सीजन साबित हुआ। दिग्वेश राठी बिल्कुल नए खिलाड़ी के तौर पर आए और उन्होंने हमारे लिए अच्छा किया। हालांकि, हमें एहसास हुआ कि हमारे पास एक

मजबूत बॉलिंग कोर की कमी है, और हमने इस बार एक घरेलू बॉलिंग यूनिट बनाकर इस पर ध्यान दिया है। आप हमेशा सुधार कर सकते हैं, सुधार का कोई अंत नहीं है। अब यह एक साथ आने और अकेले परफॉर्म करने की बात है। बहुत सारे लोग परफॉर्म कर रहे थे। इस साल, हम एक टीम के तौर पर परफॉर्म करना चाहते हैं।

एलएसजी के लिए अपनी पहचान बनाने के लिए ट्रॉफी जीतना कैसे ज़रूरी होगा, इस पर उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि असली पहचान अभी भी बन रही है। किसी भी स्पोर्ट्स टीम के लिए, जब तक आप जीतते नहीं हैं, आपको ट्रॉफी उठाने जैसा सम्मान या प्यार नहीं मिलता है। हां, हम दो बार प्लेऑफ़ में पहुंचे हैं, लेकिन यह साफ़ तौर पर काफ़ी नहीं है। आप कुछ जीतते हैं, कुछ हारते हैं, लेकिन हमें अपनी पहली ट्रॉफी जीतनी है।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करें पंत : फाफ डु प्लेसी

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसी का मानना है कि ऋषभ पंत को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जोखिम लेकर खेलने की बजाय उन्हें आगामी आईपीएल में निरंतरता पर फोकस करना चाहिये। पंत ने अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करके पिछले सत्र में चौथे नंबर से सलामी बल्लेबाज के तौर पर और फिर निचले क्रम पर भी बल्लेबाजी की। वह लखनऊ सुपर जाइंट्स के लिये आखिरी मैच में तीसरे नंबर पर 61 गेंद में नाबाद 118 रन की पारी खेल सके। डु प्लेसी ने एक कार्यक्रम के दौरान शायद पंत के लिये तीसरे नंबर पर खेलने का मौका हो। लगता है कि वह तीसरे नंबर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं। मैने पिछले सत्र में उन्हें लखनऊ के लिये तीसरे नंबर पर खेलते देखा जब निकोलस पूरन चौथे नंबर पर उतरे थे। आरसीबी के पूर्व कप्तान ने कहा कि लखनऊ टीम की 2026 की नीलामी को देखें तो उनके पास शीर्षक्रम पर पंत के साथ एडेन माक्रम, मिचेल मार्श और पूरन जैसे धुरंधर हैं। पंत को अपना प्रभाव और छोड़ना होगा। लखनऊ सुपर जाइंट्स को एक अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स से पहला मैच खेलना है। डु प्लेसी ने कहा कि पंत अपार प्रतिभा का धनी है। टेस्ट क्रिकेट में उसे बल्लेबाजी करते देखो तो लगता है कि उसके पास सारे शॉट्स हैं।

10 भारतीय कप्तान, किसके सिर सजेगा ताज

आईपीएल 2026 शुरू होने में कुछ ही दिन शेष, खिताब को लेकर टीमों का प्रबंधन बना रहे रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी।

आईपीएल 2026 शुरू होने में कुछ दिन रह गए हैं और इस बार सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय हैं उनमें से कुछ के पास साबित करने के लिए पॉइंट्स हैं, जबकि दूसरे अभी भी टी20 क्रिकेट में अपने शानदार साल की ऊंचाई पर हैं।

यह देखना दिलचस्प होगा कि आईपीएल में कौन कप्तान बाजी मारता है और किसके सर ताज सजता है। खिताब को लेकर टीमों का प्रबंधन कवायद कर रहा है।

रजत पाटीदार (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु)

पाटीदार को यह सोचने के लिए माफ किया जा सकता है कि उनके पास गोल्डन टच है। आरसीबी अपने पहले 17 सालों में कई बार आईपीएल टाइटल के करीब आई थी, लेकिन हार गई। फिर, अपने 18वें सीज़न में, पाटीदार को कैप्टन बनाया गया।

अक्षर पटेल (दिल्ली कैपिटल्स)

अक्षर में बड़े स्टार्स के बीच भी नज़र न आने की अनोखी काबिलियत है, और फिर भी वह भारत की हालिया टी20 वर्ल्ड कप जीत में अहम थे। जडेजा जैसे रोल में आकर, उन्होंने बैटिंग ऑर्डर में जगह बनाई और गेंद से भी अच्छा प्रदर्शन किया।

श्रेयस अय्यर (पंजाब किंग्स)

अय्यर कुछ समय से भारत की टी20 टीम से बाहर रहे हैं, और आईपीएल में एक बात साबित करने के लिए लौटे हैं। उन्होंने पिछले साल एक जोशीले कैंपेन में पंजाब किंग्स को आगे से लीड किया था, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण क्वालिफायर 2 में उनकी 41 गेंदों में नाबाद 87 रन की पारी थी, जब पंजाब किंग्स ने 204 रन का टारगेट चेज़ किया था। वे फाइनल में हार गए, और फिर अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया में अय्यर को स्प्लीन इंजरी हो गई।

अजिंक्य रहाणे (कोलकाता नाइट राइडर्स)

यह आईपीएल में रहाणे के लिए आखिरी मौका हो सकता है। केकेआर ने पिछले सीज़न में 14 गेम में सिर्फ़ पांच जीत हासिल की थी, और 37 साल की उम्र में, समय उनके साथ नहीं है। पिछले आईपीएल में उनके 390 रन 147.72 के स्ट्राइक रेट से आए थे।

ईशान किशन (सनराइज़र्स हैदराबाद)

ईशान नेशनल टीम के प्लान से बाहर, उन्होंने एक नया मुकाम हासिल किया, दो तेज़ शतक बनाए और झारखंड को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब दिलाया। उन्होंने भारत की टी20 टीम में वापसी की, न्यूज़ीलैंड सीरीज़ में पहली पसंद के ओपनर बने, और वर्ल्ड कप जीत के साथ इसे खत्म किया। किशन के पास अपनी कामयाबी में एक और उपलब्धि जोड़ने का मौका है।

हार्दिक पांड्या (मुंबई इंडियंस)

हार्दिक के लिए पिछले कुछ महीने बहुत अच्छे रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी, एशिया कप और टी20 वर्ल्ड कप। वह नेशनल टीम का अहम हिस्सा रहे हैं, खासकर बल्ले से फिनिशर के तौर पर, जबकि पावरप्ले के अंदर और बाहर गेंद से भी योगदान दिया है। पिछले साल एमआई को प्लेऑफ में पहुंचाने के बाद, वह 2020 के बाद उन्हें अपने पहले फाइनल में ले जाने का लक्ष्य रखेंगे।

रुतुराज गायकवाड़ (चेन्नई सुपर किंग्स)

गायकवाड़ के लिए यह तीसरी बार लकी होगा। एमएस धोनी ने आईपीएल 2024 से पहले कमान सौंपी थी, जब गायकवाड़ ने सीएसके को पांचवें स्थान पर पहुंचाया था। पिछले साल, चोट के कारण वह पांच मैचों के बाद बाहर हो गए, और सीएसके सबसे नीचे रही। वापसी के बाद, गायकवाड़ ने वनडे में अच्छा प्रदर्शन किया है।

ऋषभ पंत (लखनऊ सुपर जायंट्स)

पंत का पिछले साल आईपीएल बहुत खराब रहा था, उन्होंने 14 इनिंग्स में सिर्फ़ 269 रन बनाए थे। जिनमें से ज़्यादातर रन उन्होंने लीग स्टेज के आखिर में नाबाद 118 रन की शानदार पारी में बनाए थे। तब से, यह एक रुक-रुक कर चलने वाला दौर रहा है।

शुभमन गिल (गुजरात टाइटन्स)

गिल भारत के टी20 उप-कप्तान थे, और फिर वह नहीं रहे। वह वर्ल्ड कप में ओपनिंग करने की लाइन में थे, और फिर खराब प्रदर्शन करने के बाद पूरी तरह से टीम से बाहर हो गए। आईपीएल में अब अपनी जानी-पहचानी जगह पर वापस आकर, अहमदाबाद की सपाट पिचें उनकी बैटिंग के लिए सही रहेंगी, लेकिन वह यह दिखाना चाहेंगे कि जब उनकी टीम को ज़रूरत हो तो वह हालात के हिसाब से खुद को ढाल सकते हैं।

रियान पराग (राजस्थान रॉयल्स)

पराग लंबे समय से आरआर के लिए एक प्रोजेक्ट रहे हैं, जो एक कमाल के लड़के से एक नए दौर का चेहरा बने हैं। पिछले सीज़न में संजू सैमसन की गैरमौजूदगी में उन्हें कप्तान के तौर पर आज़माया गया था, और अब वे फुल-टाइम कप्तानी संभाल रहे हैं। पराग ने आठ मैचों में आरआर को लीड किया, और 393 रन बनाए, और उनके दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे।

भारतीय तीरंदाजों ने एशिया कप के पहले चरण में जीते दो कांस्य

बैंकॉक, एजेंसी।

- एशिया कप विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट के भारतीय पुरुष और महिलाओं का बेहतर प्रदर्शन

भारतीय तीरंदाजों ने एशिया कप विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट के पहले चरण में बुधवार को दूसरे दिन दो कांस्य पदक जीते, जबकि पुरुष रिकर्व और महिला कंपाउंड टीम स्पर्धाओं के फाइनल में भी प्रवेश कर लिया। भारत ने व्यक्तिगत स्पर्धा में भी तीन पदक पक्के किए, लेकिन यह रिकर्व वर्ग के पुरुषों के लिए निराशाजनक अभियान साबित हुआ, जहां चारों तीरंदाजों में से कोई भी पदक की दौड़ में नहीं रहा।

यह पिछले सत्र में विष्णु चौधरी और राहुल द्वारा शीर्ष दो स्थान हासिल करने की तुलना में एक करारा झटका था। महिला कंपाउंड टीम ने पिछली बार कांस्य जीता था, लेकिन इस बार फाइनल में पहुंचकर पदक का रंग बेहतर करेगी। चिकिथा तानीपर्थी, राज कौर और तेजल साल्वे की तिकड़ी ने स्थानीय खिलाड़ी कन्यावी मानीसोम्बात्कुल, कानोकनापुस काएचोम्फू और चानीदप्पा तानारत्पितिनान को 229-226 से हराया। अब फाइनल में उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त कजाखस्तान से होगा। पुरुष कंपाउंड वर्ग में क्वालीफिकेशन दौर में शीर्ष पर रहने के बावजूद भारतीय तीरंदाज खिताब बरकरार रखने में नाकाम रहे और उन्हें कांस्य से संतोष करना पड़ा। रजत चौहान, ऋषभ यादव और उदय कम्बोज को वियतनाम के हाथों सेमीफाइनल में 233-234 से पराजय मिली। कांस्य पदक के मुकाबले में भारतीय टीम ने भूटान को 234-232 से हराया। रिकर्व वर्ग में भारतीय पुरुष टीम मलेशिया को 5-1 से हराकर फाइनल में पहुंच गई। भारत के देवांग गुप्ता, सुखचैन सिंह और जुयेल सरकार ने एक भी सेट गंवाए बिना जीत दर्ज की। अब उनका सामना कजाखस्तान से होगा। महिला रिकर्व टीम की तिकड़ी रूमा बिस्वास, कीर्ति और रिद्धि फोर ने मलेशिया को 5-1 से हराकर कांस्य पदक जीता। दोपहर के सत्र में व्यक्तिगत स्पर्धाओं के मुकाबलों में भारत का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। पुरुष कंपाउंड वर्ग में चौहान, जावकर और कम्बोज ने टीम स्पर्धा की निराशा को पीछे छोड़ते हुए पदक दौर में जगह बनाई और क्लीन स्वीप की उम्मीदों को बरकरार रखा।

रोमांचक सेमीफाइनल में जावकर ने चौहान को 149-148 से मामूली अंतर से हराया, जबकि कम्बोज ने स्थानीय दावेदार पीरावत रत्तनापोंगकियात को 147-145 से मात दी। अब स्वर्ण पदक के लिए जावकर और कम्बोज आमने-सामने होंगे, जबकि चौहान कांस्य पदक के मुकाबले में उतरेंगे। महिला रिकर्व वर्ग में रिद्धि ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश कर भारत की उम्मीदों को जीवित रखा। वह अपने पहले अंतरराष्ट्रीय व्यक्तिगत स्वर्ण पदक की दौड़ में बनी हुई हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड से जीती सीरीज

क्राइस्टचर्च, एजेंसी।

पुरुष टी-20 मुकाबला

कॉनर एस्टरहाउजन (75) और रूबिन हरमन (39) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को पांचवें टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 33 रनों से शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने पांच मैचों की सीरीज 3-2 से अपने नाम कर ली। एस्टरहाउसजन को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' और प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला।

188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में के. क्लार्क (दो) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण के आगे न्यूजीलैंड के बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल सके और विकेट गंवाते रहे। न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 154 रन ही बना सकी और मुकाबला 33 रनों से हार गई। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

दक्षिण अफ्रीका के रूबिन हरमन ने 39 रन जबकि एस्टरहाउसजन ने 33 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए 75 रनों की पारी खेली। उन्होंने पारी के आखिरी ओवर में बेन सीयर्स ने आउट किया। दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 187 रनों का स्कोर बनाया।

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर सीरीज जीती

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। अमेलिया केर (105/ दो विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड की महिला टीम ने बुधवार को खेले गये पांचवें टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 92 रनों से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने पांच मैचों की श्रृंखला 4-1 से अपने नाम कर ली हैं। अमेलिया केर को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' और प्लेयर ऑफ द सीरीज' के पुरस्कार से नवाजा गया। 195 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे बेबस नजर आई।

स्टोइनिस व कोनोली पंजाब किंग्स टीम में

चंडीगढ़, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई स्टार मार्कस स्टोइनिस और कूपर कोनोली को आधिकारिक तौर पर पंजाब किंग्स टीम में शामिल किया गया हैं।

न्यू चंडीगढ़ के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडिय में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र की तैयारियों के लिए ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी बुधवार को टीम के बाकी सदस्यों से जुड़ने के लिए मोहाली पहुंची। पिछले सीजन की उपविजेता किंग्स पिछले कुछ हफ़्तों से कड़ा अभ्यास कर रहे हैं।

जैनिक सिनर मियामी के क्वार्टर फाइनल में

मियामी, एजेंसी।

विश्व के नंबर दो खिलाड़ी जैनिक सिनर ने मंगलवार को देर से वापसी करते हुए एटीपी मास्टर्स 1000 सेट जीतने की अपनी रिकॉर्ड-तोड़ स्ट्रीक बनाए रखी और साथ ही मियामी ओपन में क्वार्टर-फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की की। सिनर ने हार्ड रॉक स्टेडियम में घरेलू उम्मीद एलेक्स मिशेलसन को 7-5, 7-6(4) से हराया और प्रतिष्ठित 'सनशाइन डबल' को पूरा करने के अपने मिशन को ट्रैक पर रखा। इंडियन वेल्स

चैंपियन सिनर ने दूसरे सेट में 2-5 से वापसी करते हुए एक घंटे, 42 मिनट में जीत हासिल की और मास्टर्स 1000 इवेंट्स में लगातार जीते गए सेटों की संख्या को रिकॉर्ड 28 तक पहुंचाया। नेक्स्ट जेन एटीपी स्टार मार्टिन लैंडाल्यूस ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने के लिए घरेलू पसंदीदा सेबेस्टियन कोर्डा पर 2-6, 7-6(6), 6-4 की नाटकीय जीत में एक मैच पॉइंट बचाया। इस बीच मियामी में चौथे राउंड में जिरी लेहेका ने अमेरिकी नंबर 1 टेलर फ्रिट्ज़ को चौंका दिया। लेहेका ने शानदार फिनिश करते हुए घरेलू पार्टी को क्रैश कर दिया।

नंबर 1 अमेरिकन टेलर फ्रिट्ज़ का सामना करते हुए, 21वीं वरीयता प्राप्त चेक खिलाड़ी ने 6-4, 6-7(4), 6-2 से जीत हासिल की और क्वार्टर-फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की की।

जज्बा

हरमनप्रीत को उम्मीद है कि जून से होने वाले महिला टी20 विश्व कप में टीम इंडिया फिर बनेगी विजेता

विश्व कप खिताब ने हमें विजेता बनने का दिया आत्मविश्वास

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बुधवार को कहा कि पिछले साल घरेलू मैदान पर वनडे विश्व कप जीतने से टीम को दुनिया में कहीं भी और खिताब जीतने के लिए बहुत जरूरी आत्मविश्वास मिला। भारतीय महिला टीम ने पिछले साल नवंबर में नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला आईसीसी खिताब जीता था। हरमनप्रीत को उम्मीद है कि 12 जून से पांच जुलाई तक ब्रिटेन में होने वाले महिला टी20 विश्व कप में भी टीम यह कारनामा दोहराने में सफल रहेगी। द्वारका के ओमेक्स स्टेडियम में उनके सम्मान में बने स्टैंड के नामकरण समारोह के दौरान हरमनप्रीत ने कहा कि मेरा मानना है कि किसी भी क्षेत्र में आपको कुछ खास करना होता है। आपको कोई खिताब जीतना होता है, तभी आपको पहचान मिलती है। ऐसा न होने पर मानो लगता है कि सारी मेहनत बेकार चली गई। यह भी बताया कि हमारी टीम ही नहीं हमसे पहले की सभी महिला क्रिकेटरों ने कड़ी मेहनत की। उन्हें तो अक्सर अपनी जेब से भी पैसे खर्च करने पड़े थे। इसलिए खिताब जीतना बहुत महत्वपूर्ण था। खिताब हासिल करने के बाद भारतीय प्रशंसकों, मीडिया और बाकी सभी से जो प्रतिक्रिया हमें मिल रही है, वह हमारे लिए बहुत मायने रखती है। इस साल के टी20 विश्व कप में वनडे विश्व कप का प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद के बारे में हरमनप्रीत ने कहा कि हम टी20 विश्व कप जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। वनडे विश्व कप ने हमें जरूरी आत्मविश्वास दिया है और अब हमें विश्वास है कि हम दुनिया में कहीं भी विश्व कप जीत सकते हैं।'' भारत ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया, जहां उसने कई प्रारूपों की श्रृंखला खेली, जिसमें तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच, इतने ही वनडे मैच और एक गुलाबी गेंद का टेस्ट मैच शामिल था। भारत यह श्रृंखला अंकों के आधार पर 4-12 से हार गया लेकिन हरमनप्रीत ने कहा कि इससे उनकी टीम को काफी कुछ सीखने को मिला।

उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की बहु प्रारूप वाली श्रृंखला होनी चाहिए क्योंकि इससे आपको नयी चुनौतियों का सामना करने को मिलता है। एक सप्ताह के बाद आपको दूसरे प्रारूप में खेलना होता है इसलिए मुझे लगता है कि यह बिल्कुल अलग तरह का अनुभव है। हरमनप्रीत ने बताया कि क्रिकेटर के तौर पर हमने कभी ऐसा अनुभव नहीं किया था। पहले हम अधिकतर टी20 या वनडे खेलते थे, लेकिन एक श्रृंखला में तीनों प्रारूप में खेलना थोड़ा चुनौती पूर्ण था।

महिला क्रिकेट को दिया जा रहा बढ़ावा

बीसीसीआई भारतीय महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए लगातार बड़े कदम उठा रहा है। जिसमें घरेलू क्रिकेटरों की मैच फीस 2.5 गुना तक बढ़ाकर 50 हजार रुपये प्रतिदिन करना और रिजर्व खिलाड़ियों की फीस में 100 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी शामिल है। महिला आईपीएल और पुरुष खिलाड़ियों के बराबर समान फीस जैसे ऐतिहासिक फैसलों से महिला क्रिकेट का स्तर ऊपर उठ रहा है इन बदलावों से ग्रामीण और छोटे शहरों की लड़कियों को भी क्रिकेट को करियर के रूप में चुनने के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है। शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष जैसी युवा प्रतिभाओं को निखारने के साथ ही अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा जताया जा रहा है।